



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ५]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 31, 1976 (माघ 4, 1897)

No. 5]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 31, 1976 (MAGHA 11, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

## PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संस्थान और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं  
(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

## संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 दिसम्बर 1975

सं० ए० 33012/1/75-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी श्री पन्ना लाल की मेवाएं 31-12-75 (अपराह्न) से हस्तियाण में कार्यकारी प्रशिक्षण के लिए हस्तियाण सरकार को अस्थायी रूप से सौंपी जाती है।

पी० एन० मुखर्जी,

अवर सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

## गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिवेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 31 दिसम्बर 1975

सं० ओ० टू० 4/7 4-ईस्ट०—श्री बी० एन० मुटू आई० पी० एस० (पंजाब-1945) ने बाद्धक्य की आयु प्राप्त होने के फलस्वरूप महानिरीक्षक पुलिस, सेक्टर 3, सी० आर० पी० एफ० के पद का कार्यभार दिनांक 30-11-75 के अपराह्न को त्यागा।

सं० एफ०-11/25/75-ईस्ट० (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति श्री हरभगवन्त मिह, महायक कमांडेट, 31 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल को उनके नाम को श्री हरभगवन्त मिह बौद्धन बदलने की आज्ञा प्रदान करते हैं।

दिनांक 1 जनवरी, 1976

मं० एफ० 11/29/75-स्थापना (के० रि० पु० वल)---राष्ट्रपति, श्री जीत मिह राजपूत, महायक कमांडेट, 31 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल को उनका नाम जीत मिह बौद्धन बदलने की स्वीकृति देते हैं।

दिनांक 2 जनवरी 1976

सं० ओ० टू० 8/59-ईस्ट—ब्रिगेडियर के० एम० पन्डालाल (रिटायर्ड) के प्रतिनियुक्ति का समय समाप्त होने पर उन्होंने डिप्टी डारेक्टर (आपस) महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल का कार्यभार 19 दिसम्बर, 1975, अपराह्न को छोड़ा।

ए० के० बन्ध्योपाध्याय,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

फा० सं० ए०-11/27/75—श्री बी० रंगनाथन्, सहायक प्रवर्तन-निदेशालय, मद्रास क्षेत्रीय कार्यालय, मद्रास को उनकी प्रवर्तन अधिकारी के रूप में पदोन्नति पर दिनांक 9-10-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए इस निदेशालय के कालीकट उप-क्षेत्रीय कार्यालय में प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

नृपेन बक्षी,  
उप निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय  
केन्द्रीय श्रीधोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

सं० ई०-31015 (1)/1/75-प्रश्ना०-I:—देवाम को स्थानान्तरित होने पर, श्री बी० जी० थारू ने दिनांक 9 दिसम्बर, 75 के अपराह्न से केन्द्रीय श्रीधोगिक सुरक्षा बल प्रशिक्षण कालेज, हैदराबाद, के उप-प्रधानाचार्य पद का कार्यभार छोड़ दिया।

मं० ई०-38013 (3)/23/75-प्रश्ना०-I:—दुर्गापुर से स्थानान्तरित होने पर, श्री आर० पी० दुबे ने दिनांक 12 दिसम्बर, 75 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रीधोगिक सुरक्षा बल, भारत भारी विद्युत नि० (भारी विद्युत उपस्कर संयंत्र) के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय हरिद्वार में होगा।

सं० ई०-38013 (3)/23/75-प्रश्ना०-I:—हरिद्वार को स्थानान्तरित होने पर, श्री आर० पी० दुबे ने दिनांक 9 दिसम्बर, 75 के अपराह्न से केन्द्रीय श्रीधोगिक सुरक्षा बल यूनिट, दुर्गापुर इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर, के महायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 29 दिसम्बर, 1975

मं० ई०-31015 (1)/1/75-प्रश्ना०-I:—राष्ट्रपति, सहायक कमांडेंट जी० आर० खोसला, को दिनांक 7 दिसम्बर, 75 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय श्रीधोगिक सुरक्षा बल यूनिट, हिन्दुस्तान कापर प्रोजेक्ट, खेतरी, का स्थानापात्र रूप से कमांडेंट नियुक्त करते हैं और उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

मं० ई०-32015 (1)/9/75-प्रश्ना०-J:—पुनर्नियुक्ति की वर्तमान एक साल अवधि समाप्त होने पर, ल० कर्नेल ए० चटर्जी ने दिनांक 1 दिसम्बर 75 के अपराह्न से केन्द्रीय श्रीधोगिक सुरक्षा बल यूनिट, दुर्गापुर इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013 (3)/6/75-प्रश्ना०-I:—हल्दिया को स्थानान्तरित होने पर, श्री आर० ए० दाश, सहायक कमांडेंट ने दिनांक 23-11-75 के अपराह्न से केन्द्रीय श्रीधोगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत उर्वरक निगम, तलचर, के उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होने श्री ए० स० के० मुखर्जी, के स्थान पर दिनांक 8-12-75 के अपराह्न से केन्द्रीय श्रीधोगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारतीय तेल निगम, हल्दिया, के महायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री मुखर्जी ने उक्त पद का कार्यभार दिनांक 8-12-75 के अपराह्न से छोड़ा।

ए० ए० ए० डी० बिष्ट,  
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 जनवरी, 1976

सं० 11/5/75-आर० जी० (ए० डी०-1) :—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 11/5/75 आर० जी० (ए० डी०-1) दिनांक

2 जुलाई, 1975 की अनुबृति में राष्ट्रपति भोपाल स्थित मध्यप्रदेश के जनगणना निदेशक के कार्यालय में उप-जनगणना निदेशक के पद पर श्री ए० ए० ए० शर्मा की तदत् नियुक्ति को दिनांक 1 दिसम्बर, 1975 से एक महीने की ओर अवधि के लिए सहर्ष बदाते हैं।

श्री ए० ए० ए० ए० शर्मा दिनांक 1 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से मध्य प्रदेश के जनगणना निदेशक के कार्यालय में अपने सहायक जनगणना निदेशक (तकनीकी) के नियमित पद पर वापस आ जायेंगे।

श्री ए० ए० ए० ए० कल्ला, जो जम्मू और कश्मीर के जनगणना निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक हैं और जिनकी अधिसूचना सं० 11/7/75-आर० जी० (ए० डी०) दिनांक 16 सितम्बर, 1975 के अन्तर्गत मध्यप्रदेश के जनगणना निदेशक के कार्यालय में सहायक जनगणना निदेशक (तकनीकी) के पद पर बिल्कुल अस्थाई एवं तदत् रूप से नियुक्त किया गया था, दिनांक 1 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से श्रीनगर स्थित जम्मू और कश्मीर के जनगणना निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक के पद पर वापस आ जायेंगे।

दिनांक 5 जनवरी, 1976

सं० पी० के० (32)-ए० डी० 1—राष्ट्रपति, श्री ए० ए० ए० कल्ला, अन्वेषक, कार्यालय जनगणना कार्य निदेशक जम्मू एवं कश्मीर, श्रीनगर को सहायक निदेशक, जनगणना कार्य, मध्यप्रदेश, भोपाल के पद पर उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से छः मास की अवधि के लिए अथवा जब तक यह पद नियमित रूप से भरा नहीं जाता, जो भी पहले हो, तदत् आधार पर बिल्कुल अस्थाई रूप से महर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री ए० ए० ए० कल्ला का मुख्य कार्यालय भोपाल में होगा।

रा० भ० चारी,  
भारत के महापंजीकार एवं  
भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 जनवरी, 1976

सं० 10/19/75-ए० डी०-I:—राष्ट्रपति, श्री आर० पी० तोमर, भारत के महापंजीकार के कार्यालय के अन्वेषक को, सहायक केन्द्रीय सार्विणी अधिकारी के पद पर, पूर्णतया अस्थायी और तदत् आधार पर, उनके पद भार से छः माह तक अथवा अगले आदेश होने तक, जो भी पहले हो, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री आर० पी० तोमर का मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में होगा।

आर० बी० चारी,  
भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा १३.

कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व,

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 जनवरी, 1976

स० प्रशासन-1/कार्या० आदेश 755/5-5/पदोन्नति/3265—  
प्रागे आदेश होने तक महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली ने  
इस कार्यालय ने निम्नांकित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को उनके  
नाम के सम्बन्ध अंकित तिथियों से रु० 840-1200 के समय बेतनमान  
में लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए  
नियुक्त किया है :—

नाम	लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नति की तिथि
1. श्री एस० आर० गुप्ता (अनु० अधि०)	17-12-75 (पूर्वाह्न)
2 श्री एम० मित्रा (अनु० अधि०)	17-12-75 (पूर्वाह्न)

स० एडमन 1/0-0-744/5-5/प्रशासन/3245—अन्य आदेश  
होने तक महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली ने इस  
कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एन० पी० नन्दी को  
11-12-75 (पूर्वाह्न) से रु० 840-1200 के समय बेतनमान  
में लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने को महत्वपूर्ण  
नियुक्त किया है।

ह० अपठनीय  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, जम्मू व कश्मीर

श्रीनगर, दिनांक 31 दिसम्बर 1975

म०.—महालेखाकार जम्मू व कश्मीर ने आगामी  
आदेश तक के लिए इस कार्यालय के अधीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य  
श्री पी० एन० कौल (जन्म दिवस 13-4-1931) को 18 दिसम्बर,  
1975 के पूर्वाह्न से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

आर० पी० पाल,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार,  
प्रशासन

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनस पैक्टरिया

कलकत्ता-700069, दिनांक 31 दिसम्बर 1975

म० 5/75/ए०/एम०—ग्रधोहस्ताक्षरी ने, निम्नलिखित अधि-  
कारियों का प्रत्येक ने, गामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश

न होने तक नियुक्त करते हैं :—

अम० नाम एवं पद म०	नियुक्ति स्थान	दिनांक
1 डा० पी० क० नन्द,	कलोदिग फैक्टरी	18-9-75
श्रम्यायी सहायक सर्जन ग्रेड-1	शाहजहांपुर।	(पूर्वाह्न)

आर० एम० मजुमदार,  
महानिदेशक, आईनस पैक्टरिया

भारतीय आईनस पैक्टरिया सेवा

महानिदेशालय, आईनस पैक्टरिया

कलकत्ता-700016, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

स० 55/75/जी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों  
को ए० डी० जी० ओ० ए० ग्रेड-II/महाप्रबन्धक ग्रेड-II/उपमहा-  
प्रबन्धक के पद पर, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से पुष्टि  
किया—

1. श्री एन० कृष्णमूर्ती, स्थानापन्न महाप्रबन्धक ग्रेड-II	9 अक्टूबर, 1972
2. श्री क० डी० कालिया, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक	9 अक्टूबर, 1972
3. श्री आर० एम० एपटे, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्ध	9 अक्टूबर, 1972
4. श्री क० पी० पी० मेनन, स्थानापन्न ए० डी० जी० ग्रेड-II (अवकाश प्राप्त)	20 दिसम्बर, 1972
5. श्री आर० क० मित्रा, स्थानापन्न महाप्रबन्धक ग्रेड-II	1 जनवरी, 1973
6. श्री पी० मी० सीगला, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक	15 जनवरी, 1973
7. श्री टी० बी० आनन्दन, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक	12 मार्च, 1973
8. श्री एन० आर० दासगुप्त, स्थाना- पन्न उप-महाप्रबन्धक	3 अप्रैल, 1973
9. श्री जे० मी० रोब्रेरीरो, स्थानापन्न (अवकाश प्राप्त)	1 जुलाई, 1973
10. श्री एम० ए० डी० सीयूजा, स्थाना- पन्न उप-महाप्रबन्धक	2 अगस्त, 1973

11. श्री जी० सी० सिह, स्थानापन्न ए०	29 अक्टूबर, 1973
डी० जी० ग्रेड II	
12. श्री के० डी० मलहोत्रा, स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक	5 दिसम्बर, 1973
13. श्री बी० फी० गोयल, स्थानापन्न ए०	1 अक्टूबर, 1974
डी० जी० ग्रेड II	
14. श्री के० द्वारकानाथ, स्थानापन्न ए०	1 दिसम्बर, 1974
डी० जी० ग्रेड II	
15. श्री एस० के० दत्त, स्थानापन्न ए०	1 जनवरी, 1975
डी० जी० ग्रेड II	
सं० 56/75/जी० --राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों मो सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०/प्रबन्धक के पद पर प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से पुष्टि किया:—	
1. श्री के० एल० टण्डन, स्थानापन्न प्रबन्धक	15 अक्टूबर, 1973
2. श्री क० ए० के० संगुप्ता, स्थाना- पन्न प्रबन्धक	15 अक्टूबर, 1973
3. श्री एम० के० महेन्द्री, स्थानापन्न प्रबन्धक	15 अक्टूबर, 1973
4. श्री ए० सी० गुप्त, स्थानापन्न सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०	15 अक्टूबर, 1973
5. श्री कालीदास पाल, स्थानापन्न प्रबन्धक	15 अक्टूबर, 1973
6. श्री एम० एम० अग्रवाल, स्थानापन्न प्रबन्धक	15 अक्टूबर, 1973
7. श्री बी० एस० टण्डन, स्थानापन्न प्रबन्धक	15 अक्टूबर, 1973
8. श्री बी० पार्षदमार्थी, स्थानापन्न प्रबन्धक	15 अक्टूबर, 1973
9. श्री ए० एस० भट्टाचार्यी, स्थानापन्न प्रबन्धक	15 अक्टूबर, 1973
10. श्री सी० एस० प्रभाकरन, स्थाना- पन्न प्रबन्धक	29 अक्टूबर, 1973
11. श्री पी० के० धोप चौधुरी, स्थाना- पन्न प्रबन्धक	5 दिसम्बर, 1973
12. श्री एस० कृष्णमूर्ती, स्थानापन्न प्रबन्धक	21 दिसम्बर, 1973
13. श्री बी० राजागोपालन्, स्थानापन्न प्रबन्धक	1 जुलाई, 1974
14. श्री टारट गुप्त, स्थानापन्न प्रबन्धक	1 अगस्त, 1974
15. श्री एस० विष्वनाथन्, स्थानापन्न प्रबन्धक	1 सितम्बर, 1974
16. श्री बी० पद्मनाभन्, स्थानापन्न सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०	1 अक्टूबर, 1974

17. श्री एम० एस० सक्सेना, स्थानापन्न प्रबन्धक	1 अक्टूबर, 1974
18. श्री एस० के० शिवलीह, स्थानापन्न प्रबन्धक	1 नवम्बर, 1974
19. श्री एस० आर० नायर, स्थानापन्न प्रबन्धक	1 दिसम्बर, 1974
20. श्री आर० सुन्दरम्, स्थानापन्न प्रबन्धक	1 जनवरी, 1975
21. श्री आर० थौमम, स्थानापन्न प्रबन्धक	1 मार्च, 1975
22. श्री ई० एम० कृष्णमूर्ति, स्थानापन्न प्रबन्धक	1 जून, 1975
	एम० पी० आर० पिल्लाय, सहायक महानिदेशक, आईनैन्स पैकटरिया

#### धर्म मंत्रालय

##### कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

जगजीवन नगर, दिनांक 3 जनवरी 1976

सं० प्रशासन 12 (17)/सामान्य/75 --श्री एच० पी०  
सिन्हा, स्थानापन्न खेखा अधीक्षक को केन्द्रीय चिकित्सालय धनबाद  
(टी० बी० विंग) के चिकित्सा अधीक्षक के सचिव के रूप में तारीख  
4-12-75 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया है।

आर० पी० सिन्हा,  
कोयला खान कल्याण आयुक्त,  
धनबाद,

#### वर्णिज्य मंत्रालय

##### मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

##### आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1975

सं० 6/492/58-प्रशा० (राज०)/12293 --राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, मद्रास में नियंत्रक श्री आर० मी० एस० मेनन को 17 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक के लिए, मंयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में स्थानापन्न एप में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात नियुक्त करते हैं।

सं० 6/429/56-प्रशा० (राज०)/12304 --राष्ट्रपति, श्री आर० कुमारबेलु स्थायी नियंत्रक को 4 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक मंयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, मद्रास में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 दिसम्बर 1975

स० 6/353/56-प्रशा० (राज०)/8—राष्ट्रपति, श्री के० एम० आर० मेनन, स्थायी नियन्त्रक, श्रेणी-1 को 31 अक्टूबर, 1975 के दोपहर पूर्व से आगे के आदेश होने तक, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और नियांत्र, हैंदरावाद के रूप में नियुक्त करते हैं।

(कुमारी) रोमा मजुमदार,  
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियांत्र

## वस्त्र आयुक्त कार्यालय

वम्बर्ड-400020, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

स० द० एस० टी०-1-2 (336) —वस्त्र आयुक्त के कलकत्ता स्थित प्रादेशिक कार्यालय के उप-निदेशक (नानटे कनीकल) श्री गैलेन्ड कुमार चट्टर्जी मेवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर 30 नवम्बर 1975 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गये।

राजेन्द्र पाल कपूर,  
वस्त्र आयुक्त

## उद्योग तथा नागरिक पूर्ति संस्थान

(अधिकारीक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 दिसम्बर, 1975

स० ए०-31014/1/74-प्रशा० (राज०) —विभागीय पदों-निवृत्ति समिति की सिफारिश पर, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) निन्नलिखित अधिकारियों को मूल आधार पर, उनके नाम के आगे लिखी गई तारीख से, लघु उद्योग विकास संगठन के सामान्य प्रशासन प्रभाग में, सहायक निदेशक (वर्ग-2) (द्वितीय श्रेणी राजपत्रित) के स्थायी पद पर नियुक्त करने वे—

अधिकारी का नाम	स्थायी किये जाने की तिथि
1. श्री एस० रघुपति (मूल अधीक्षक)	8 अप्रैल, 1970
सहायक निदेशक (वर्ग 2) लघु उद्योग सेवा संस्थान, निचुर (सेवा से निवृत्त हो जाने पर)	श्री एन० के० गोविल स्थायी सहायक निदेशक- (वर्ग 1) (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के स्थान पर
2. श्री एस० बी० सेन गुप्ता (मूल अधीक्षक)	8 अप्रैल, 1970
महायक निदेशक (वर्ग 2) लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर	श्री सतीश चन्द्र स्थायी सहायक निदेशक (वर्ग 1) स्थायी उप-निदेशक, अखिल भारतीय हस्तकला वोर्ड (मार्केटिंग)
3. श्री ए० विश्वनाथन महायक निदेशक (वर्ग 1) लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास	15 जून, 1971 श्री बी० के० वासदेवन (सेवा निवृत्त)

1. श्री डी० सी० करमाकर  
(मूल अधीक्षक)  
सहायक निदेशक (वर्ग 2)  
लघु उद्योग सेवा संस्थान  
कलकत्ता ।

5. श्री पी० के गुहा  
(मूल अधीक्षक)  
महायक निदेशक (वर्ग 2)  
लघु उद्योग सेवा संस्थान जयपुर

6. श्री के० एल० लिमग्म  
(मूल अधीक्षक)  
सहायक निदेशक (वर्ग 2)  
लघु उद्योग सेवा संस्थान हैंदरा-  
वाद ।

7. श्री सी० सी० राय  
(मूल अधीक्षक)  
महायक निदेशक (वर्ग 2)  
विकास आयुक्त (लघु उद्योग)  
कार्यालय, नई दिल्ली ।

8. श्री आर० आर० फौजदार  
(मूल अधीक्षक)  
सहायक निदेशक (वर्ग 2)  
लघु उद्योग सेवा संस्थान पटना

9. श्री आर० एस० शिन्दे  
(मूल अधीक्षक)  
महायक निदेशक (वर्ग 2)  
लघु उद्योग सेवा संस्थान,  
वम्बर्ड ।

के० बी० नारायणन्,  
निदेशक (प्रशासन)

## पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय  
(प्रशासन ग्राहा-1)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

स० प्र-1/1(944) —स्थायी अधीक्षक तथा पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बर्ड के कार्यालय में स्थानापन सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री० पी० एन शिन्दे दिनांक 30 नवम्बर 1975 के अपराह्न से निवृत्त आयु होने पर मरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

के० एल० कोहली,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक- पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली-1, दिनाक 2 जनवरी 1976

स० प्र-1/1 (971)—विकास आयुक्त, लघु उद्योग के कार्यालय के अधीन लघु उद्योग सेवा संस्थान जयपुर में सहायक निदेशक (प्रेड-I) (यान्त्रिक) के नये पद का भार सम्भालने के लिए पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (प्रेड-II) श्री सी० एम० कटारिया द्वारा दिए गए त्यागपत्र के स्वीकार हो जाने पर उन्हे 4 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से सेवा मुक्त कर दिया गया।

2 केन्द्रीय सिविल सेवा (पैशन) नियम 1972 के नियम 26 के अनुसार श्री कटारिया के सहायक निदेशक (प्रेड-II) के पद से त्यागपत्र के कारण उन्हे पिछली सेवा से वर्चित नहीं किया जाएगा क्योंकि सरकार के अधीन ही दूसरी सेवा प्राप्त करने के लिए उपयुक्त आशा सहित उन्होंने त्यागपत्र दिया।

3 नई दिल्ली से जयपुर की यात्रा के लिए श्री कटारिया को उनके आवेदन पर 5-12-75 का एक दिन का अंजित अवकाश दिया गया है। नदनुसार श्री कटारिया 5 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न से इस महानिदेशालय की सूची पर नहीं रहे।

के० एल० कोहली  
उप निदेशक (प्रशासन)

दस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013 दिनाक 3 जनवरी 1976

स० 57/वी/2222(य० एस० आर०)/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री उत्तम सिंह रावत को उसी विभाग में, सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई अभियान में, आगामी आदेश होने तक, 20 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

बी० के० एस० वरदन,  
महानिदेशक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण

(केन्द्रीय कार्यालय)

हावड़ा-711103, दिनाक 3 दिसम्बर 1975

स० बी० एम० आई०-66/99/75-इस्ट०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर प्रभारी निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण श्री कृष्णपाल सिंह की नियुक्ति भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिवपुर, हावड़ा के मुख्यालय (ऊन, पोलेन एवं कारपोलोजिकल यूनिट) में बोर्निस्ट पद, जो श्री एम० चन्द्र दोम, बोटानिस्ट,

मुख्यालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के दक्षिणी परिमंडल, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण में स्थानान्तरण से रिक्त हुआ है, पर वेतन मान र०-650-30-740-35-810-द० बी०-35-880-40-1000- द० बी०-40-1200 एवं नियमानुसार प्राप्त सामान्य भत्ते में 4 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से स्थानापन्थ रूप में, पुन आदेश होने तक करते हैं।

जे० सी० बनर्जी,  
एकाउन्ट्स अफिसर

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 26 दिसम्बर 1975

स० ए-12025/1/75-एस्ट०—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक 25 नवम्बर, 1975 से अगले आदेश तक श्री समर दत्ता गुप्ता को इस निदेशालय में नियमित आधार पर वरिष्ठ कलाकार नियुक्त करते हैं।

रोशन लाल जैन,  
उपनिदेशक (प्रशासन)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 27 दिसम्बर 1975

स० 4 (81)/75-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री बारहा कुमार मोहन्ती को 1 दिसम्बर, 1973 से अप्रेतर आदेशो तक, आकाशवाणी, कटक में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

स० 4 (119)/75-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एस० आर० एन० रिजबी को 28 नवम्बर, 1975 से अप्रेतर आदेशो तक, आकाशवाणी रेडियो कॉम्प्यूटर, जम्मू में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनाक 29 दिसम्बर, 1975

स० 2/12/75-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री एस० गोड़, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, आकाशवाणी, खरसाग को दिनाक 10-11-75 से अप्रेतर आदेशो तक आकाशवाणी, डिग्रीगढ़ में सहायक इंजीनियर के सर्वर में स्थानापन्थ रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनाक 2 जनवरी, 1976

स० 5 (124)/67-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री प्रेम सिंह देव, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, लेह को 17 नवम्बर, 1975 से अप्रेतर आदेशो तक, आकाशवाणी, कानपुर में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनाक 3 जनवरी, 1976

स० 2/4/75-एस०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को आकाशवाणी के सहायक इंजीनियर के सर्वर में उनके नामों के आगे उल्लिखित तारीख

मेरे अधिकारी तक उनमें से प्रत्येक के नाम के आगे लिखी केन्द्र/कार्यालय में स्थानापन्न पद अमता में नियुक्त करते हैं—

क्रम सं.	अधिकारी का नाम	कार्यालय/ केन्द्र जहां तैनात	नियुक्ति की तारीख
1.	श्री प्रताप सिंह दिप्ता	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, कलकत्ता।	27-11-75
2.	श्री रमेश डी० वैगल्डे	आकाशवाणी बम्बई।	9-12-75

### शुद्धि-पत्र

सं० 2/4/74-एस० तीन—इस महानिदेशालय की अधिकारी संघरा 2/4/74-एस० तीन, दिनांक 15/18 जनवरी, 1975 के क्रम संघरा 9 में बतलाई गई, श्री डी० आर० मेहता की नियुक्ति की तारीख 3-1-74 के स्थान पर 3-1-75 पढ़ी जाए।

प्रेम कुमार सिन्हा,  
प्रशासन उपनिदेशक,  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 3 जून, 1972

सं० 1/1/68-एस० छः—महानिदेशक, आकाशवाणी निम्नलिखित अधिकारियों को, उनमें से प्रत्येक के आगे उल्लिखित तारीखों से आकाशवाणी के कार्यक्रम निष्पादक के संवर्ग में मूल पदक्षमता में नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	मूल पदक्षमता में नियुक्ति की तारीख
(1)	श्री जे० एन० कमालपुर	1-3-63
(2)	श्री बी० एल० मल्होदा	15-6-67

इनकी पुष्टि इस शर्त के साथ की जा रही है कि उन्हें किसी भी समय एक पठिलक कारपोरेशन में काम करने के लिए स्थानान्तरित किया जा सकेगा। उनका स्थानान्तरण होने पर उन पर वे शर्तें लागू होंगी जो उम कारपोरेशन के कर्मचारियों के लिए होंगी।

शांति लाल,  
प्रशासन उपनिदेशक,  
कृते महानिदेशक

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर, 1975

सं० 17-34/75-एडमिन-1—डा० बी० ए० मोबे ने 9 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सहायक औषध नियन्त्रक (भारत) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 31 दिसम्बर, 1975

सं० 13-3/75-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एन० सी० संगल को 14 सितम्बर, 1973 से विलिंगडन अस्पताल एवं नर्सिंग होम, नई दिल्ली में दंत चिकित्सक के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० इन्द्रजीत सिंह को भी 14 सितम्बर, 1973 से सफवरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में दंत चिकित्सक के स्थायी पद पर अस्थायी आधार पर स्थायी रूप में नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,  
उप-निदेशक, प्रशासन।

नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी, 1976

सं० 12-56/72-एडमिन-1—अपनी पुनर्नियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अनुभाग अधिकारी श्री बी० मुखर्जी ने 1 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न को निदेशालय में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 3 जनवरी, 1976

सं० 36-1/75-सी० एच० एस-1 (भाग-2)—अपने तबादले के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-2 की एक अधिकारी डा० (श्रीमती) उषा कचरा ने 30 जून, 1975 के अपराह्न को सफवरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया। तथा वर्तमान शर्तों पर ही और आगामी आदेशों तक 30 जून 1975 के अपराह्न से विलिंगडन अस्पताल, नई दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड 2) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

रवीन्द्र नाथ तिवारी,  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी, 1976

सं० 16-42/74-भंडार-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने राजकीय चिकित्सा सामग्री भंडार डिपो, बम्बई के अधीक्षक, श्री एम० बी० नेरुर्कर को 6 नवम्बर 1975 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक चिकित्सा सामग्री भंडार संगठन के अन्तर्गत चिकित्सा सामग्री भंडार डिपो, बम्बई, में सहायक डिपो प्रबन्धक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है। यह अधिसूचना इस निदेशालय की 1-12-75 की समसंबंधीक अधिसूचना का स्थान ले गी।

नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1976

सं० 16-3/75-भडार-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री टी० जे० पलनीवेलू को 17 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक चिकित्सा सामग्री भडार डिपो, कलकत्ता, में सहायक डिपो प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

संगत सिंह,  
उप निदेशक, प्रशासन

कृषि तथा सिचाई मन्त्रालय

(कृषि विभाग)

वनस्पति रक्षण संगरोध और संचयन निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1975

सं० 82-5/74-पी० पी० तथा एल०—भारत सरकार के भूतपूर्व शिक्षा, स्वास्थ्य और भूमि विभाग की अधिसूचना संख्या 320-35 ए०, दिनांक 20 जुलाई, 1936 के पैरा, 16 के अनुसरण में, मैं भारत सरकार के वनस्पति रक्षण सलाहकार उच्चत पैरे के उद्देश्यों के लिए, भारत में स्थित वनस्पति संगरोध और धुआरन केन्द्रों के समस्त कार्यभारी अधिकारियों को अधिकार प्रदान करता हूँ।

एम० एन० बनर्जी,  
वनस्पति रक्षण सलाहकार

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन और निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान शाखा कार्यालय)

नागपुर, दिनांक 3 जनवरी, 1976

सं० 3 (44)/9/72-वि० II—वित्त विभाग (केन्द्रीय राजस्व) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 12 दिनांक 9 जून, 1945 तथा सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 1 के लिए दिनांक 5 जनवरी, 1946 तथा भारत सरकार के वित्त मन्त्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 6 दिनांक 5 फरवरी, 1949 तथा भारत सरकार के वित्त मन्त्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 64 दिनांक 17 जून, 1961 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतदद्वारा सर्वश्री बी० बलराम मूर्ति और के० कोटेश्वर राव, विपणन अधिकारियों को, इस अधिसूचना के जारी किए जाने की दिनांक से, तम्बाकू के लिए जिसका श्रेणीकरण तम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्नन तिथि 1937 (यथा संशोधित) के अनुसार किया जा चुका है तथा जिसका नियंत्रित उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपर्योगों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए अधिकृत करता हूँ।

ई० एस० पार्थसारथी,  
कृषि विपणन सलाहकार

भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई 400 085, दिनांक 11 दिसम्बर, 1975

सं० पी० ए०/81 (135)/75-आर०-4—भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहाँ के एक वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री कृष्णन चन्द्रन को 1 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेशों तक के लिये स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81 (124)/75-आर०-4—भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक, यहाँ के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी) और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री शैलेश्वर दास सिंह को 1 अगस्त 1975 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० उमीरुक्ष्णन,  
उप स्थापना अधिकारी (भ)

बम्बई 400085, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

सं० बी०/620/लेखा/स्था० 7—22 जुलाई, 1975 की अधिसूचना सं० बी०/620/लेखा/स्था० III/547 के त्रैम में, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियन्त्रक यहाँ के एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री शंकर विणु भावे, को इसी अनुसंधान केन्द्र में तदर्थ प्राधार पर 1-8-1975 पूर्वाह्न से 26-9-1975 अपराह्न तक के लिए स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी नियुक्त करते हैं।

वेद प्रकाश चौपडा,  
उप स्थानापन्न अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 23 अगस्त 1975

सं० ना० ई० स०/प्रशा०/22/13 (2)/1097—विशेष-कार्य अधिकारी, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र सहायक लेखाकार श्री बी० हनुमत राव को 21-7-1975 से 29-2-1976 की अवधि अथवा आगामी आदेशों तक के लिए, जो भी पहले घटित हो, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में तदर्थ रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० पी० म्हात्रे,  
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

क्रम एवं भंडार निदेशालय

बम्बई 400 001, दिनांक 17 दिसम्बर, 1975

सं० डी० पी० एस०/ए०-32011/2/75-स्थापना—क्रम एवं भंडार निदेशालय के निदेशक, निदेशालय के सारापुर परमाणु

बिजलीधर, नारापुर के भडार यनि (राष्ट्र भडार निदेशालय) के प्रथायी भण्डारी व्रा बी० डॉ० डीर्ख० डीर्खा० रा० २४ अप्रैल, १९७५ से ९ जून, १९७५ तक श्री बी० बी० टिलू, सहायक भडार अधिकारी जिन्हे छुट्टी प्रदान की गई थी, के स्थान पर ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-१०-१०००-द० रो०-४०-१२०० के वेतनमान में अस्थायी रूप से सहायक भडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

स० डी० बी० एस०/४०-३२०११/२/७५/स्थापना—क्य एव भडार निदेशालय के निदेशक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी निपिक तथा निदेशालय में स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री नेलिवार्ड हरिहर अय्यर कृष्णन को ४ दिसम्बर, १९७५ से ३ जनवरी, १९७६ तक श्री जी० एल० हल्दीपुर, सहायक लेखा अधिकारी, जिन्हे प्रशासन-अधिकारी-II के पद पर पदोन्नत किया गया है, के स्थान पर ६५०-३०-७४०-३५-८८०-द० रो०-४०-९६० के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

स० डी० बी० एस०/४०-३२०११/२/७५/स्थापना—क्य एव भडार निदेशक, इस निदेशालय के स्थायी सहायक लेखापाल तथा स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री गजानन लक्ष्मणराव हल्दीपुरको, श्री एस० एच० नरवानी, लेखा अधिकारी (II), जिन्हे छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर ४-१२-१९७५ से ३-१-१९७६ तक के लिए स्थानापन्न रूप में रु० ८४०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० के वेतनमान में लेखा अधिकारी (II) नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,  
सहायक कार्मिक अधिकारी

रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र  
कलपक्षम, दिनाक २४ दिसम्बर १९७५

स० आर० आर० सी० II-१ (१२८) (१०)/७५—परियोजना निदेशक, रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र एतद्वारा सर्वश्री पालकक्ष मायान्कुट्टी तथा पैराम्बूर वेक्टरमन राजगोपालन को क्रमशः ५ दिसम्बर, १९७५ तथा १० दिसम्बर, १९७५ के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र में ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० के वेतनमान में अस्थायी रूप से विज्ञान-अधिकारी/इजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

के० शकरनारायणन,  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-११०००३, दिनाक २ जनवरी १९७६

स० ई० (१) ०४२६०—वेधशालाओं के महानिदेशक बम्बई, प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक, श्री टी० एस० सम्बमूर्ति को १५-१२-१९७५ के पूर्वाह्न से १२-३-१९७६ तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

२-४३६८१/७५

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्रीटी० एम० सम्बमूर्ति प्रावर्ष प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

स० ई० (१) ०५४३८—वेधशालाओं के महानिदेशक नई दिल्ली प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री आर० के० मदान को १७-११-१९७५ के पूर्वाह्न से १३-२-१९७६ तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री मदान नई दिल्ली प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनाक ५ जनवरी १९७६

स० ई० (१) ०४२२७—वेधशालाओं के महानिदेशक कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री अमरेन्द्र कुमार दत्त को बयालीस दिन की अवधि के लिए ४-१२-१९७५ के पूर्वाह्न से १४-१-१९७६ तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री ए० के० दत्त कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मनियन,  
मौसम विशेषज्ञ,  
कूते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनाक ३१ दिसम्बर १९७५

स० ए० ३२०१४/१/७५-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग के वैमानिक सचार संगठन के वैमानिक सचार स्टेशन, ब्रेगमेट के श्री सी० आर० नारायण, सचार सहायक को ६ दिसम्बर, १९७५ से सहायक सचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हे वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई में तैनात किया है।

विश्व विनोद जौहरी,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)  
कूते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनाक ३१ दिसम्बर १९७५

स० ए० १२०२५/४/७५ ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री जै भगवान डावर को १ दिसम्बर, १९७५ (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक वैमानिक सचार स्टेशन, बम्बई में अस्थायी रूप में तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

विश्व विनोद जौहरी,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली-110022, दिनांक 31 दिसम्बर 1975

सं० ३० ३२०१३/२/७५ ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री डी० एन० भारद्वाज, उप-निदेशक, विमानमार्ग और विमानक्षेत्र (योजना) को 31 दिसम्बर, 1975 (अपराह्न) से अगले आदेश होने तक नागर विमान विभाग में निदेशक विमानमार्ग और विमानक्षेत्र के पद पर नियुक्त किया है।

टी० एस० श्रीनिवासन,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 31 दिसम्बर 1975

सं० १/२४७/७५-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक ने परियोजना कार्यालय, नई दिल्ली के स्थानापन्न सहायक अधिकारी, श्री पी० सी० मलहोत्रा का सरकारी सेवा से त्याग-पत्र ४ फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से स्वीकार कर लिया है।

पा० कि० गो० नायर,  
उप-निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालिय

इलाहाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1975

सं० १७१/१९७५—पहले सीमाशुल्क मंडल गोरखपुर में तैनात श्री हरिषचन्द्र वर्मा स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी ने सीमा-शुल्क मंडल कार्यालय गोरखपुर के प्रशासन अधिकारी के कार्यालय का कार्यभार ३१-७-१९७५ को (दोपहर के बाद) श्री ए० एन० गोड़ अधीक्षक सीमाशुल्क मंडल गोरखपुर को सौंप दिया और उसी दिनांक और समय से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गए।

दिनांक 31 दिसम्बर 1975

सं० १७२/१९७५—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, मिजापुर में तैनात और इस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या पत्र सं० २० (३) २-स्था/७५, दिनांक 23-१०-७५ के अन्तर्गत जारी किए गए स्थापना आदेश संख्या ३१४/१९७५, दिनांक 23-१०-७५ के अनुसार आगामी आदेश होने तक रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० के बेतनमान में स्थानापन्न अधीक्षक के रूप में नियुक्त श्री भारत सिंह स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने दिनांक 10-१२-७५ को (दोपहर के पहले) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मुख्यालय इलाहाबाद में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ब्र' के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

एच० बी० दास,  
समाहर्ता

पटना, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

मिंसं० II (७) ५-स्था०/७५-स्थापना आदेश सं० ३४९/७५ दिनांक ९-९-७५ जो मिंसं० II (३) ४३ स्था०/७३ एल०/५३३३८-५८ दिनांक ११-९-७५ द्वारा पृष्ठांकित किया गया तथा जिसके द्वारा श्री जानकी शरण प्रमाद, निरीक्षक (व० श्र०), केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क को ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भूतों के सहित के बेतनमान में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद, द्वितीय श्रेणी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, के अनुसारण में श्री जानकी शरण प्रमाद ने अधीक्षक, सीमा शुल्क (निवा०) मोतिहारी के रूप में दिनांक १७-१०-७५ के पूर्वाह्न में कार्यभार ग्रहण किया।

त्रिरत्नरायण साहू,  
समाहर्ता

नागपुर-४४०००१, दिनांक 31 दिसम्बर 1975

सं० ३३/७५—श्री बी० सिंह, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (प्र० श्र०) ने उनके स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी-II के पद पर नियुक्त होने पर दिनांक १ दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (केन्द्रीय सं० एक्सचेंज) मुख्यालय, नागपुर का पदभार संभाल लिया।

ग्राह० एन० शुक्ल,  
समाहर्ता  
मध्य प्रदेश एवं बिहार

दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1976

सं० १५४—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय, दिल्ली के श्री कृष्ण देव, निरीक्षक (सैलेक्शन ग्रेड) को रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० के बेतनमान में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-II के रूप में स्थानापन्न तौर पर काम करने के लिए नियुक्त किया गया है; उन्होंने १८-१२-७५ के अपराह्न में (श्री पी० एस० बेदी के सेवा-निवृत्त होने के कारण खाली हुए स्थान के सामने) अधीक्षक, सीमा शुल्क धन बापती, प्रधान कार्यालय के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

एम० एस० मेहता,  
समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1976

सं० क-३२०१२/९/७५-प्रशा०-५—विभागीय पदोन्तरि समिति (श्रेणी-२) श्री सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों को (जो इस समय अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर तदर्थ

रूप में स्थानापन्न क्षमता में कार्य कर रहे हैं,) केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पदक्रम में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में 10 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाह्नि) से जब तक आगे आदेश नहीं होते स्थानापन्न क्षमता में नियमित रूप में नियुक्त करते हैं :—

1. श्री एम० एस० शितोले
2. श्री सतीर्थ गुहा
3. श्री बी० रामनाथन
4. श्री आई० जेड० पूनावाला
5. श्रीमती वलसाला के० अपूर्णकुट्टन
6. श्री ए० जी० काले

2. उपर्युक्त अधिकारीगण केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के काडर में उक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर होंगे।

सं० क-32012/9/75-प्रशा०-5—विभागीय पदोन्नति समिति (श्रेणी-2) की सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पदक्रम में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में 10 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाह्नि) से जब तक आगे आदेश नहीं होते, नियमित रूप में स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं :—

1. श्री बी० पी० शाह
2. श्री पी० जी० मारकंडे
3. श्री एम० जे० खुंजेर
4. श्री के० आर० शाह
5. श्री पी० एस० खारे
6. श्री पी० बी० देवललीकर
7. श्री बी० आर० द्रविद

2. उपर्युक्त अधिकारीगण केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के काडर में उपर्युक्त तारीख से दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर होंगे।

सं० क-19012/555-प्रशा०-5—विभागीय पदोन्नति समिति (श्रेणी-2) की सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री बी० एम० शालिगराम, अनुसंधान सहायक (गणित), केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, केन्द्रीय जल आयोग, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैशानिक-गणित श्रृंग) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में 17 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्नि से स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री बी० एम० शालिगराम उपर्युक्त तारीख तथा समय से दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर होंगे।

सं० क-32012/1/70-प्रशा०-5 (भाग II)—विभागीय पदोन्नति समिति (श्रेणी-2) की सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय

जल आयोग अपने प्रसाद से निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों को [जो इस समय सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) के रूप में तदर्थे रूप में स्थानापन्न क्षमता में कार्य कर रहे हैं] केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-रसायन श्रृंग) के पदक्रम में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में 15-12-1975 (पूर्वाह्नि) से जब तक आगे आदेश नहीं होते, स्थानापन्न क्षमता में नियमित रूप में नियुक्त करते हैं :—

1. श्री एस० के० उकील
2. श्री आर० एस० आनंद
3. श्री एस० एस० सचर
4. श्री के० एन० नव्यर

उपर्युक्त अधिकारीगण सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैशानिक-रसायन श्रृंग) के पदक्रम में ऊपर दी गई तारीख से दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

सं० क-19012/554/75-प्रशा०-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री जे० जी० पदाले, अनुसंधान सहायक (भौतिकी) को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-भौतिकी श्रृंग) के पदक्रम में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में 15 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्नि से 29-2-1976 तक अयवा जब तक इस मेड में रिक्त स्थानों को नियमित रूप में भरा जायगा जो भी पूर्व हो, पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थे रूप में नियुक्त करते हैं।

के० पी० बी० मेनन,  
अध्यक्ष, सचिव  
हृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 29 विसम्बर 1975

सं० 3-413/75-सी० एच० (ई०)—श्री एन० के० प्रसाद को सहायक जल भू विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अंतर्गत अस्थाई आधार पर उनके मुख्यालय गुहाटी के साथ दिनांक 28-11-1975 (पूर्वाह्नि) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-349/74-सी० एच० (ई०)—संघ सोक सेवा आयोग की चयन के फलस्वरूप श्री एस० के० बोस को सहायक जल भू-विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अंतर्गत अस्थाई आधार पर उनके मुख्यालय कलकत्ता के साथ दिनांक 1-12-1975 (पूर्वाह्नि) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

डी० एस० देशमुख,  
मुख्य जल भूविज्ञानी

## प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1975

सं० 27-ई०/एस० (41)/70-ई० सी०-II—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, के कार्यपालक इंजीनियर, श्री बी० सी० रामना, जो श्रब आयनर विभाग, रोहित हाउस, 3 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली पर कार्यपालक इंजीनियर (मूलग) के रूप कार्य न० ८५१ पोर्ट फॉर्म ना ग्राम्य (58 वर्ष) प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से 31-10-75 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त हुए।

दिनांक 1 जनवरी 1976

सं० 27-ई०/जी० (8)/69-ई० सी०-II—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कार्यपालक इंजीनियर श्री भी० बी० गृष्ण जो हाल में केन्द्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली में तकनीकी परीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त थे, बार्बंक्य (58 वर्ष) की आयु प्राप्त करने पर 31-12-75 (पूर्वाह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

दी० एस० पारवानी  
प्रशासन उप-निदेशक

## केन्द्रीय विजली प्राधिकरण

नई दिल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर 1975

सं० 6/2/75-प्रशा०-दो—अध्यक्ष, केन्द्रीय विजली प्राधिकरण, निम्नलिखित तकनीकी सहायकों/स्नातक पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी श्रेणी-दो सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के प्रेड में उनके सामने दिखाई गई तारीखों से, अन्य आदेश होने तक नियुक्त करते हैं :—

1. श्री एस० जी० गुप्ता	10-10-75 (पूर्वाह्न)
2. श्री ए० एस० आर० गुप्ता	10-10-75 (पूर्वाह्न)
3. श्री आर० बी० सिंगल	24-10-75 (अपराह्न)
4. श्री बी० पी० सूद	1-11-75 (पूर्वाह्न)
5. श्री आर० के० भट्ट	5-11-75 (पूर्वाह्न)

दिनांक 2 जनवरी 1976

सं० 6/2/75-प्र०-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विजली प्राधिकरण, एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायकों/स्नातक पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी श्रेणी-दो सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के प्रेड में उनके नामों के सामने दिखाई गई तारीखों से, अन्य आदेशों के जारी होने तक, नियुक्त करते हैं :—

1. श्री लक्ष्मी नारायण-2	1-10-75 (पूर्वाह्न)
2. श्री एस० श्रीनिवासन	29-11-75 (पूर्वाह्न)
लीलाधर चोपड़ा, अनुभाग अधिकारी	
कृते अध्यक्ष	

उत्तर रेलवे

नई-दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

सं० 16—सेवा-निवृत्ति से पूर्व की छट्टी समाप्त होने पर श्री एस० के० बनर्जी, स्थानापन्न मडल यांत्रिक इंजीनियर, उत्तर रेलवे, जोधपुर 30-9-75 (अपराह्न) से अन्तिम रूप से सेवा-निवृत्त कर दिया गया है।

वेद प्रकाश साहनी,  
महाप्रबन्धक

## पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

## महाप्रबन्धक का कार्यालय

(कार्यिक शाखा)

पाण्डु, दिनांक 26 दिसम्बर 1975

सं० ई०/55/III/96(0)—श्री ए० के० गुप्ता को जिन्हे विजली इंजीनियरी विभाग में परिवीक्षाधीन के रूप में नियुक्त किया गया था दिनांक 27-11-74 से सहायक विजली इंजीनियर के पद पर अवरावेतमान में स्थायी किया जाता है।

एच० एल० बर्मा,  
महाप्रबन्धक

## कम्पनी कार्य विभाग

## कम्पनी के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेहर पब्लिकेशंस (आंध्रा)

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 17 अक्टूबर 1975

सं० 524/टा—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचनादी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मेहर पब्लिकेशंस (आंध्रा) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ओम प्रकाश जैन,  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
आंध्र प्रदेश, हैदराबाद

मद्रास-6 1, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

सं० 3577/Liqn/S. 560/75—यतः मद्रास मैच मार्केटिंग कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) न० 117, सन्देशेट स्ट्रीट, मद्रास (इन लिक्वीडेशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय ज्ञामरीतिलैया, हजारीबाग, कोडरमा में है, का समाप्त किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति युक्त हेतुक रखता है कि कोई समाप्त कार्य नहीं कर रहा है और यह कि लेखा-धिवरणियों से समाप्त द्वारा दिये जाने के लिये अपेक्षित है, यह छः अमागत मास के

लिये नहीं दी गई है, अतः जब कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का) की धारा 560 की उपधारा (5) के उल्लंघन के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाना है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर मदरास में न भारकेटिंग कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि पेरयूर भारत गिन्झिंग फैक्टरी प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) के विषय में

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1975

सं० 2131/Liqn./S. 560/(5)/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि पेरयूर भारत गिन्झिंग फैक्टरी प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

पि० अश्वपूर्ण,  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
मद्रास

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सेन्ट्रल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 26 दिसम्बर 1975

सं० 3539/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सेन्ट्रल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन्,  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आईडियल टूल्स प्रा० लिमिटेड के विषय में

दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1975

सं० 4053/6852-53/1975—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा 5 के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आईडियल टूल्स प्रा० लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सी० कपूर,  
महायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज  
दिल्ली

कम्पनी अधिनियम, 1956 और "शाकिपालिथीन" एंटरप्रैसस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में  
पांडिचेरी, दिनांक 30 दिसम्बर 1975

सं० 108/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि "शाकि पालिथीन एंटरप्रैसस प्राइवेट लिमिटेड" का नाम आज रजिस्टर से हटा दिया गया है और उक्त कम्पनी भंग हो गई है।

सीता राम,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
पांडिचेरी

कम्पनी अधिनियम, 1956 धारा 415 के अन्तर्गत और

प्रीमियर क्रेडिट एण्ड मोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में  
नोटिस

कानपुर, दिनांक 1 जनवरी 1976

सं० 3/2728-लिक्वीडेशन—बहुकम हाईकोर्ट, इलाहाबाद दिनांक 31-7-73 जो कि कम्पनी पिटीशन नम्बर 9 वर्ष 73 के अनुसार हुआ है।

प्रीमियर क्रेडिट एण्ड मोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के कार्यों को बन्द किया जाता है और उसके कार्यों की देखभाल आफीशियल लिक्वीडेटर, इलाहाबाद को सौंप दिया गया है।

एस० सी० बासू,  
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज  
य० पी०, कानपुर

धनकर आयुक्त का कार्यालय

धनकर विभाग (सेंट्रल)

बम्बई, दिनांक 16 सितम्बर 1975

सं० आर० 18/ब्ल्यू टी०/75-76—केन्द्रीय सरकार का मत है कि ऐसे निर्धारितियों का जिनका कर निर्धारण धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीन वित्तीय वर्ष 1974-75 के दौरान निवल सम्पत्ति 10 लाख रुपए से बढ़ जाने पर किया गया है, उनके नाम तथा अन्य व्यावेर, प्रकाशित करना लोकहित में आवश्यक है उन्हें शीघ्र प्रकाशित किया जाए और इसीलिए उक्त अधिनियम की धारा 42 ए० में प्रदत्त एकत्र का ता० उन तमाम अन्य एकत्रितयों का जो कि इस प्रयोजन के लिए मिली हुई है, का प्रयोग करते हुए निवेश दिया जाना है कि ऐसी स्थिति में जहां किया तो प्रथम अपील समाप्त वार दी गई है या प्रथम अपील को प्रस्तुत करने की अवधि बीत गई है और अपील

प्रस्तुत नहीं की गई है, तो ऐसे उपर बताए गए अनुसार निर्धारितियों के नाम और अन्य विवरण यह निर्दिष्ट करते हुए कि (1) 'मे' एक व्यक्ति के लिए, (2) निर्धारण वर्ष, (3) धनकर विवरणी की रकम, (4) निर्धारिती धन, (5) निर्धारिती द्वारा अदा किए जाने वाला धनकर और (6) निर्धारिती द्वारा अदा किया गया धनकर, प्रकाशित किया जाए, तदनुसार यहां प्रकाशित किया गया है।

- (1) कुमारी अलका मोहन लाल, 67-ए, पीरामल भुवन, वरली, बम्बई-18। (1) मे, (2) 1974-75, (3) 12,42,056 रुपए, (4) 12,42,056 रुपए, (5) 22,261 रुपए, (6) 22,261 रुपए।
- (2) कुमारी अल्पना मोहन लाल, 67-ए, पीरामल भुवन, वरली, बम्बई-18। (1) मे, (2) 1974-75, (3) 12,74,830 रुपए, (4) 12,74,830 रुपए, (5) 23,246 रुपए (6) 23,246 रुपए।
- (3) कुमारी अर्चना मोहन लाल, 67-ए, पीरामल भुवन, वरली, बम्बई-18। (1) मे, (2) 1974-75, (3) 10,83,690 रुपए (4) 10,83,690 रुपए, (5) 17,511 रुपए, (6) 17,511 रुपए।
- (4) श्रीमती विजया मोहन लाल, 67-ए, पीरामल भुवन, वरली, बम्बई-18। (1) मे, (2) 1974-75, (3) 13,61,600 रुपए, (4) 13,61,600 रुपए, (5) 25,846 रुपए, (6) 25,846 रुपए।
- (5) श्रीमती भाटिया मोहीनी I, 1,101, कौमसं हाऊस, नगीनदास मास्टर रोड, बम्बई। (1) मे, (2) 1968-69, (3) 12,08,523 रुपए, (4) 16,52,110 रुपए, (5) 20,042 रुपए, (6) 20,042 रुपए, (2) 1969-70, (3) 13,14,008 रुपए, (4) 18,01,492 रुपए, (5) 22,037 रुपए,

- (6) 22,037 रुपए, (2) 1970-71, (3) 13,72,993 रुपए, (4) 18,80,650 रुपए, (5) 24,016 रुपए, (6) 24,016 रुपए।
- (6) श्री भाटिया प्रकाश I, 101, कौमसं हाऊस, नगीनदास मास्टर रोड, बम्बई। (1) मे, (2) 1966-67, (3) 8,78,280 रुपए, (4) 15,69,384 रुपए, (5) 18,388 रुपए, (6) 9,830 रुपए, (2) 1967-68, (3) 9,28,316 रुपए, (4) 16,79,684 रुपए, (5) 20,594 रुपए (6) 13,596 रुपए, (2) 1968-69, (3) 9,54,763 रुपए, (4) 17,51,624 रुपए, (5) 22,032 रुपए, (6) 18,115 रुपए, (2) 1969-70, (3) 9,62,971 रुपए, (4) 17,78,870 रुपए, (5) 26,471 रुपए, (6) 26,471 रुपए, (2) 1970-71, (3) 9,71,092 रुपए, (4) 18,22,488 रुपए, (5) 27,562 रुपए, (6) 27,562 रुपए।
- (7) श्री देसाई धरमसिंह डी०, 24-ओलवी सैयद अब्दुल्ला रोड बम्बई। (1) मे, (2) 1972-73, (3) 16,10,843 रुपए, (4) 18,01,000 रुपए, (5) 54,080 रुपए, (6) 54,080 रुपए, (2) 1973-74, (3) 13,03,122 रुपए, (4) 13,03,120 रुपए, (5) 24,094, (6) 24,094 रुपए।
- (8) श्रीमती ललीता गोपीकिसन, 61, पीरामल हाऊस, वरली, बम्बई-18। (1) मे, (2) 1973-74, (3) 10,70,200 रुपए, (4) 10,70,200 रुपए, (5) 17,106 रुपए, (6) 17,106 रुपए, (2) 1974-75, (3) 11,36,924 रुपए, (4) 11,36,924 रुपए, (5) 19,108 रुपए, (6) 19,108 रुपए।

एस० एन० शास्त्री,  
धनकर आयुक्त (सेट्स)  
बम्बई

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, विनांक 12 जनवरी, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल—अतः मुझे, श्री वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फैक्ट्री बिल्डिंग है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरगोपाल पुत्र श्री निम्लदास गुप्ता, 900 लोरा कम्पाउन्ड, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. मैमर्ज दिली आटो लेसिंग प्राइवेट लिमिटेड, हैंड आफिस, 11 तुलसीगंज मैन रोड, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### अनुसूची

फैक्ट्री और बिल्डिंग बनी हुई प्लांट नं० 33 बी/ए० स्थित लक्ष्मी बाई नगर इन्दौर। वर्कशाप शेड (फिनिसेड) 2100 वर्ग फीट, गोदाम (फिनिसेड) 1500 वर्ग फीट आफिस बिल्डिंग दो मंजिला 350 वर्ग फीट और अनफिनिसेड वर्कशाप शेड बिल्डिंग अपर लेटेन्ड लोबल 5075 वर्ग फीट और लीज हील्ड लैन एरिया 11800 वर्ग फीट।

वी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-1-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-1

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/III/एस० आर०-III/  
मई०/296 (12)/75-76/6062—यत्, मुझे, एम० सी० पारीजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 4994/5 है, जो संत नगर, करील बाग, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
27-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मुभाष चन्द्र सुद, सुपुत्र स्वर्गीय श्री हरी चन्द्र सुद,  
निवारी अहाता वावा शिव दयाल बेदी, सहारनपुर (गू० पी०)  
अपने लिए तथा श्रीमती राम प्यारी, पत्नी स्वर्गीय श्री हरीचन्द्र  
मुद तथा गकेश चन्द्र सुद, सुपुत्र स्वर्गीय श्री हरी चन्द्र, निवासी  
वावा शिव दयाल बेदी, महारनपुर (गू० पी०) के लिए जनरल  
अटारनी। (अन्तरक)

2: भूरा मल, सुपुत्र श्री० विश्वम्भर दयाल,  
निवासी 5092, लूँग मण्डी, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवालियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-का में परिचालित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक लीजहोल्ड जायदाद जिसका नं० 4994 है संत नगर,  
करील बाग, नई दिल्ली में प्रह्लाद मार्किट, खेड नं० 1, खानुनी  
नं० 2331, ब्लाक 'एस' खसरा नं० 3324/719 के सामने  
हैं जिसका क्षेत्रफल 124 वर्ग गज है, प्लाट नं० 71 पर निम्न प्रकार  
से स्थित है:—

पूर्व : गली।

पश्चिम : जायदाद नं० 4995।

उत्तर : प्यारे लाल रोड।

दक्षिण : गली।

एस० सी० पारीजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 9-1-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1993/1014/75-76—यत्, मुझे, एम० एन० एल० अग्रवाल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० में अधिक है और जिमकी सं० 1802, बार्ड नं० 2 है, जो भागीरथ पलैस, चान्दनी चौक, दिल्ली में स्थित है (श्री इममे उपावन्न अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का, 16) के अधीन मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री समीत सिंह, सुपुत्र श्री अमर सिंह, निवासी 2/3-सी, आँकलै०४ मैन्सन, आचर्या, जगदीश बोस रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

3—436GI/75

2. श्रीमती बलबन्त कौर, पत्नी श्री गुरुचन्द्र सिंह, निवासी 11, रॉलैंड रोड, कलकत्ता-20। (अन्तरिती)

3. मैं सेठी संम, (2) मैं डालर इलैनट्रीकल इन्डस्ट्रीज, (3) मैं स्वर्ण इलैनट्रीकल कं०, (4) मैं डेंगी ट्रेडरस, (5) श्री हरमिन्द्र मिह, (6) मैं कपुर संम, (7) श्री हरीश भारगवा, मध्ये निवासी 1802/2, भागीरथ पलैस, चान्दनी चौक, दिल्ली। (वह व्यक्ति, जसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जो 103 75 वर्ग गज क्षेत्रफल प्लाट पर बना है, जिसका नं० 1802, बार्ड नं० 2, भागीरथ पलैस, चान्दनी चौक, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : 8 फुट चौड़ी रोड

पश्चिम : अन्य की जायदाद।

उत्तर : रेलवे के मकान।

दक्षिण : श्रीमती गिदो देवी की जायदाद।

एम० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 9-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफाली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/पक्ष्य०/11/329/1015/75-76—यतः, मुझे, एम० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० सी०-82 है, जो वैस्ट आजाद नगर, शाहदरा, दिल्ली-51 में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उटेश से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आदित्र था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः :—

1. श्री चमान लाल जैन, सुपुत्र श्री रिणमल जैन, निवासी मकान नं० 82, ब्लाक 'सी', वैस्ट आजाद नगर, दिल्ली-51। (अन्तरक)

2. (1) श्री रामेश चन्द खन्ना, सुपुत्र श्री हरी नारायण खन्ना, (2) श्रीमती आज्ञा खन्ना, पत्नी श्री रामेश चन्द खन्ना, निवासी 513/2, देवलोक हस्टेट, गान्धी नगर, दिल्ली-31। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मंजिला मकान क 1/2 भाग, जो 78 वर्ग गज क्षेत्रफल प्लाट पर बना है, जिसका नं० सी०-82, वैस्ट आजाद नगर, शाहदरा, दिल्ली-51 है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० 84।

पश्चिम : प्लाट नं० 80।

उत्तर : प्लाट नं० 83।

दक्षिण : रोड।

एम० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 9-1-1976

मोहर :

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड नई दिल्ली ।

न दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1976

निर्देश म ० आई० ए० सी०/एक्य०/११/३४६/१०१६/७५-  
७६—यन् मुझे, एम० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट न० 325, मकान नं० 1246 सी है, जो  
ईस्ट रोहतास नगर, लुधियाना बिल्डिंग के पास, ग्राहदरा, दिल्ली  
में स्थित है (प्रौढ़ इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, यै, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जिवन कुमार, सुपुत्र श्री ओम प्रकाश, निवासी 1246-  
सी, ईस्ट रोहतास नगर, दिल्ली-32। (अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश, मुपुत्र श्री बृद्ध राम, निवासी 1246-  
सी, ईस्ट रोहतास नगर, ग्राहदरा, दिल्ली-32। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्समांधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पस्तीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

एक मजिला मकान जो 210 वर्ग गज क्षेत्रफल प्लाट पर बना  
हुआ है जिसका नं० 1246-सी, प्लाट नं० 325 है तथा जोकि ईस्ट  
रोहतास नगर, लुधियाना बिल्डिंग, ग्राहदरा, दिल्ली में स्थित  
है।

एस० एन० एल० अग्रवाल,  
मकान प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 9-1-1976

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, दिल्ली-14/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/111/एम० आर०-111/  
मई/294 (10)/75-76/6126—यतः मुझे, एस० सी० पारीजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
को धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट नं० 192, ब्लाक नं० एल है, जो नाईवाला  
ईस्टेट, करील बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 26-6-75 को  
को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से बहुई किरी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम, के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(द) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपषारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित :—

1. डा० रामा कृष्णा, सुपुत्र स्वर्गीय डा० राम प्रसाद, निवासी  
मकान नं० 138, पुल मिथाए, तेलावाड़ा, दिल्ली

(प्रत्तरक)

2. श्री सुरीन्द्र कुमार सिंह सुधरा, तथा श्री विरीन्द्र कुमार  
सुधरा, सुपुत्र श्री मुलख राज सुधरा, निवासी गली नं० 1, ब्लाक  
नं० 6, मकान नं० 6224, देव नगर, करील बाग, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधीरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

**स्वत्वोकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक सीजहोल्ड प्लाट का 1/2 भाग, जिसका नं० 192 है,  
ओत्रफल 267 वर्ग गज (40 फुट—60 फुट) है और खसरा नं०  
192, खेवट नं० 1, खतुनी नं० 659, ब्लाक नं० 'एल' है तथा  
जोकि नाईवाला ईस्टेट, करील बाग, नई दिल्ली में, देश बन्धु गुप्ता  
रोड पर, निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : खसरा नं० 193।

पश्चिम : खसरा नं० 191।

उत्तर : देश बन्धु गुप्ता रोड।

दक्षिण : सर्विस लेन।

एस० सी० पारीजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 14-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत शाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/111/एम० आर०-111/  
मई०/272 (2)/75-76/6126—यतः, मुझे एम० सी० पारीजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० प्लाट नं० 192, ब्लाक नं० एल है, जो नाईवाला  
ईस्टेट, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और हमसे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूण्य से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी  
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 3-5-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डा० रामा कृष्णा, सुपुत्र स्वर्गीय डा० शम प्रसाद,  
मकान नं० 138, पुल मिथाए, तेलीवाड़ा, दिल्ली ।  
(अन्तरक)

2. सुरीन्द्र कुमार सिंह लुथरा तथा श्री विरोद्ध कुमार  
लुथरा, सुपुत्र श्री मुलख राज, निवासी गली नं० 1, ब्लाक नं० 6,  
मकान नं० 6224, देव नगर, करौल बाग, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक लीजहोल्ड प्लाट का 1/2 भाग जिसका नं० 192 है,  
क्षेत्रफल 267 वर्ग गज (40 फुट × 60 फुट) है और खसरा नं०  
192, खेत नं० 1, खातुनी नं० 659, ब्लाक नं० 'एल' है तथा  
जोकि नाईवाला ईस्टेट, करौल बाग, नई दिल्ली में, देश बन्धु  
गृह रोड, पर निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : खसरा नं० 193।

पश्चिम : खसरा नं० 191।

उत्तर : देश बन्धु गृह रोड।

दक्षिण : सर्विस लेन।

एम० सी० पारीजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 14-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० दस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/प्रक्य०/111/गम० आर०-111/  
मई०/278 (9)/75-76/6126—यतः मुझे, एस० सी० पारीजा  
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1138, गली नं० 9-10 है, जो नाईवाला,  
करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ इनसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 7-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे, वृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को याकृत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना आहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए ।

यतः ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहक :—

1. श्री दग्गल पिह भाटिया, सुपुत्र श्री माला, तिह, मरान  
नं० 1138, गली नं० 9/10, नाईवाला, करौल बाग, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

2. श्रीमती रुप कौर, पत्नी श्री बूट्टा सिह, मकान नं०  
1138, गली नं० 9/10, नाईवाला, करौल बाग, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के नाडपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाष  
में समाप्त होती हो, के भीतर त्रुटीका व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय या सी  
अन्य व्याकृत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रयोगित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

एक 1-1/2 मंजिला मकान, जिसका नं० 1138, वार्ड नं०  
16 है, लीजहोल्ड प्लाट पर जिसका खमरा नं० 1065, ब्लॉक 'बी'  
है, 117 बर्ग गज क्षेत्रफल पर, नाईवाला गली नं० 9/10, करौल  
बाग, नई दिल्ली है । यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है ।—

पूर्व : मकान नं० 1137 ।

पश्चिम : मकान नं० 1139 ।

उत्तर : गली ।

दक्षिण गली ।

एस० सी० पारीजा  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 14-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-४(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-1

4/14-ए, आमफलोरी रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/गक्य०/111/एस० आर०-111/  
जून/337 (11)/75-76/6126—यत्. मुद्रा, एस० सी० पारीजा  
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है  
और जिसकी सं० 27/38 है, जो पुराना राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीरित अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

27-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मृमते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सोहाग बनी, पत्नी स्वर्गीय श्री बोध राज, 27  
38, श्रोल्ड राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती ग्रामा चावला, पत्नी श्री एम० एस० चावला,  
93, एस० आई० हास्पिटल, कलौनी, रिंग रोड, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक लीजहोल्ड प्लाट, जिसका क्षेत्रफल 85.9 वर्ग गज है  
और नं० 27/38, पुराना राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली, दिल्ली नगर  
निगम थोक के अन्तर्गत निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : लेन।

पश्चिम : सर्विस लेन।

उत्तर : मकान नं० 27/37

दक्षिण : मकान नं० 27/39।

एस० सी० पारीजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, दिल्ली,  
नई दिल्ली-1

तारीख : 14-1-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 62/4278/75-76/ए० सी० क्य०/बी०—

यतः मुझे, आर० कृष्णमृति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बैंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सारी सम्पत्ति का 1/5 भाग है तथा जो नं० 5, एडवर्ड रोड, सिविल स्टेशन, बैंगलूर-52 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से मुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अच्छने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रब्र उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कोमला गोपीनाथ, सुपुत्री स्वर्गीय मेजर जनरल लोगनाथन, नं० 5, एडवर्ड रोड, सिविल स्टेशन, बैंगलूर-560052  
(अन्तरक)

2. मैसर्स लोगनाथन इन्वेस्टमेंट्स (प्रा०) लिमिटेड, नं० 5, एडवर्ड रोड, सिविल स्टेशन, बैंगलूर-560052। (अन्तरिती)

3. (i) कर्नाटक स्टेट कन्सट्रक्शन कारपोरेशन,  
(ii) डा० सम्पत लोकनाथन। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. (i) श्री सुकुमार लोकनाथन  
(ii) डा० लतिता कुमार  
(iii) श्रीमती मेनका कुमार और  
(iv) डा० सम्पत लोकनाथन। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीक्षित आजनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित आजनता के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-के परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस प्रधायाय में विया गया है।

### अनुसूची

(हस्ताब्देज सं० 829/75-76, तारीख 30-5-1975)  
म्यूनिसिपल नं० 5, एडवर्ड रोड, सिविल स्टेशन, बैंगलूर-560052 में स्थित मकान, व अन्य सम्पत्ति का 1/5 भाग।

कुल विस्तीर्ण :—

उत्तर : 128 फुट  
दक्षिण : 121 फुट  
पूर्व : 219 फुट  
पश्चिम : 219 फुट।

प्रधान मकान का निचला भाग  
पहला खण्ड : 2584 वर्ग फीट  
पहला छत : 2584 वर्ग फीट  
और अन्य भवन।

सीमाएं :—  
उत्तर : एडवर्ड रोड।  
दक्षिण : दीवारें व कणिंगम रोड।  
पूर्व : नं० 4 एडवर्ड रोड।  
पश्चिम : नं० 6 एडवर्ड रोड।

भार० कृष्णमृति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 29-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 62/4427/75-76/प० सी० क्य०/वी०—

ग्रतः मुसो, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है  
और जिसकी सं० सारी संपत्ति का 1/5 भाग है तथा जो नं० 5  
एडवर्ड रोड, सिविल स्टेशन, बैंगलूर में रित्यत है (और इसमें  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-6-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निरन्तरित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय को बाहर, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती ललिता कुमार, सुपुत्री स्वर्गीय मेजर जनरल  
लोगनाथन, नं० 5, एडवर्ड रोड, सिविल स्टेशन, बैंगलूर-52।

(अन्तरक)

4-436GI/75

2. मैसर्स लोकनाथन इन्वेस्टमेंट्स (प्राइवेट) लिमिटेड,  
नं० 5, एडवर्ड रोड, सिविल स्टेशन, बैंगलूर-560052।  
(अन्तरक)

3. (i) कर्नाटक स्टेट वन्ड्रक्षण कारपोरेशन,  
(ii) डा० सम्पत लोकनाथन। (वह व्यक्ति, जिस के  
अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. (i) श्री सुकुमार लोकनाथन।  
(ii) श्रीमती मनका कुमार  
(iii) श्रीमती कोमला गोपिनाथ और  
(iv) डा० सम्पत लोकनाथन। (वह व्यक्ति,  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 932/75-76, तारीख 9-6-1975)

म्युनिसिपल नं० 5, एडवर्ड रोड, सिविल स्टेशन, बैंगलूर-  
560052 में स्थित मकान व अन्य सारी सम्पत्ति का 1/5  
भाग।

कुल विस्तीर्ण :—

उत्तर : 128 फुट

दक्षिण : 121 फुट

पूर्व : 219 फुट

पश्चिम : 219 फुट

2944 वर्ग फैट।

प्रधान मकान का निकला भाग :—

पहल खण्ड : 2584 वर्ग फैट

पहल छत : 2584 वर्ग फैट

व अन्य भवन।

सीमाएँ :—

उत्तर : एडवर्ड रोड।

दक्षिण : अहाते की दीवारें व कण्ठिंगम रोड।

पूर्व : नं० 4 एडवर्ड रोड।

पश्चिम : नं० 6 एडवर्ड रोड।

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख : 29-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 26 दिसम्बर 1975

निर्देश स० 4333/75-76/प० सी० क्य०/बी०—  
यह भुजे आरा० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सकम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० 2 I क्रम (टाक रोड) है तथा जो गुब्बी तोटाउप्पा रोड, 13वा डिवीजन, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-5-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमति प्रभीलम्पा W/O श्री एन० गोविन्द राजू न० 50-सी स्ट्रीट, फोर्ट, बैंगलूर-560002। (अन्तरक)  
2 सर्वश्री (1) पी० अरणाचलम (2) पी० रगस्वामी  
(3) पी० (4) नटेशन पी० बालसुद्धार्यम जो स्वर्गीय पलनियप्प मुदलियर के बेटे हैं और न० 6/1 ओबर्या गली, अक्षिवपेट, बैंगलूर-2 में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में फोर्ड भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना भी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हीगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज स० 527/75-76, तारीख 2-5-1975)  
भूमि न० 2 I क्रास (टाक रोड) गुब्बी तोटाउप्पा रोड, (13वा डिवीजन) बैंगलूरु।

### विस्तीरण —

पूर्व से पश्चिम 28-1/2 फीट } 1952 वर्ग फीट  
उत्तर से दक्षिण 68-1/2 फीट। }  
विस्तीरण —

पूर्व . लक्ष्मी देवमामा का घर।

पश्चिम . ए० श्रीनाथ का घर।

उत्तर : मरकारी सड़क पानी I क्रास टाक रोड, कोट्टनपेट।

दक्षिण . महबूबी का घर।

आरा० कृष्णमूर्ति  
सकम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख . 26-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

निर्देश स० 4366/75-76/ए० सी० क्य०/बी०—यतः  
मुझे, आर० कृष्णामूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकम 5/2 (पुराना नं० 4, 5/1 व 5/2) है तथा जो  
एच० बी० समाज रोड, गांधी बाजार, बंगलूर-4 में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुमूर्ति में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवंगुडी, बंगलूर-4 में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
8-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरी  
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्री, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के प्रनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) श्रीमती राजेश्वरी, पत्नी श्री एस० मुनिरत्नम  
(2) श्री एस० मृनिरत्नम सुपुत्र पाण्ड्या, दोनों नं० 140/1  
III ब्लॉक त्यागराजनगर, बंगलूर-28 में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री बी० मृनिरत्नम चेट्टी, सुपुत्र पेहंडी बेट्ट्या चेट्टी, रत्नशार  
36 एम० जी० रोड, होम्पुर टाउन, होम्पुर (धमंपुरी जिला) :  
(अन्तरिती)

3. (1) श्री एस० एम० बस्ती;  
(2) श्री सी० रंगप्पा (3) श्री टी० राम  
(4) श्री के० एच० विट्टलराव (नया किरायेदार) ;  
(5) टी० बी० नारायणमूर्ति (पुराना किरायेदार)  
(6) बी० श्रीराम्या, (7) एम० शंकर  
(8) के० रमेश (नया किरायेदार) (9) प्रभु।  
(10) अब्दुल सत्तार (11) भोलेनाथ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूच्छना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 525/75-76, तारीख 8-5-1975)।  
मकान जो नं० 5/2 (पुराना नं० 4, 5/1 व 5/2) एच० बी०  
समाज रोड (ईश्वर मंदिर के पीछे) गांधी बाजार, बसवंगुडी,  
बंगलूर-4 में स्थित है।

क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : 72 फीट } 1152 वर्ग फीट  
उत्तर से दक्षिण : 16 फीट। }  
भवन संवत् क्षेत्र :—

निचली मंजिल : 9 स्केयर '।

पहली मंजिल : 9 स्केयर फीट।

18 स्केयर फीट।

सीमाएँ :—

पूर्व : पुट्टम्मा की सम्पत्ति।

पश्चिम : कोणसर्वन्सी रोड।

उत्तर : सड़क और

दक्षिण : पुट्टम्मा की सम्पत्ति।

आर० कृष्णामूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 22-12-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० 4595/75-76/ए० स०० क्य० ०/वी००—यतः  
मुझे आर० कृष्णामूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर  
आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिमकी स० 84 (पुराना न० 34) है तथा जो सेट जान्स चर्चे रोड, बंगलूर-१ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसो किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बी० एल० अनन्तकृष्णन् सुपुत्र बी० एम० लक्ष्मीपति  
(2) श्री ए० विक्रम, सुपुत्र डा० बी० एन० अनन्तकृष्णन, मुख्तार-नामावाला डा० अनन्तकृष्णन। (अन्तरक)

2. (1) श्री बी० ई० एडविन, सुपुत्र स्वर्गीय जे० डब्ल्य० एडविन, सहायक व्यवस्थापक, तुगभद्रा एगर वर्क्स, शिमोगा,  
(2) श्रीमती लेना राचेल एडलिन, मिशन हाउस, दुर्गिंगुर्डी, शिमोगा। (अन्तरिती)

3. श्री के० डब्ल्य० परमानन्द (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1498/75-76, तारीख 20-5-1975।)  
कोने में स्थित मकान नं० 84 (पुराना नं० 34) कोकर्वण रोड व सेट जान्स रोड, बंगलर-560001।

### क्षेत्रफल:—

उत्तर: 40 फीट। 16 फीट+14 फीट। 10 फीट।  
दक्षिण: 144 फीट।  
पश्चिम: 136 फीट।  
पूर्व: 15 फीट+45 फीट। 40 फीट+44 फीट + 60 फीट। 10,091 व० फीट।

### भवन क्षेत्र:—

33. 935 स्क्वेयर फीट।

### सीमाएँ:—

उत्तर: सेट जान्स चर्चे रोड।

दक्षिण: चर्चे आफ साउथ इंडिया व हाजी उम्मर सेट।

पश्चिम: मकाने व 2 काकर्वण रोड जो मैसर्स जनाब अफसल नासिम व असलाम व एक मकान जो श्री व श्रीमती पोर्टी का है।

पूर्व: श्रीमती सज्जाद वेगम की निजी सम्पत्ति।

आर० कृष्णामूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर।

तारीख: 29-12-75

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1901 (1961 वा 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 5167/75-76/ए० सं० क्यू०/वी०—यतः  
मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करत का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिमर्दी सं० 23 व 24 है तथा जो तिग्मनहल्ली गांव, चिकनायकनहल्ली तालूका, तुमकूर जिला मे स्थित है (और दूसरे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिकनायकनहल्ली मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-5-1975 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त भम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का फँटह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य गास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री (1) आर० एम० नजुण्डद्या, (2) शिवशकर (3) राजशेखर, (4) दिनेश, (5) मरुला शेष्टी, न० (2) व (5) जो छाटे हैं उनका प्रतिनिधि श्री आर० एम० नजुण्डद्या रमणहल्ली गांव, कण्डिकोरे होकर्ली, चिकनायकनहल्ली तालूका मे रहने वाले। (अन्तरक)

2. श्री रंगनाथद्या सुपुत्र श्री सब्बा रंगपा, तिम्मनहल्ली गांव, चिकनायकनहल्ली तालूका, तुमकूर, जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कार्ड भी आधिक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भम्पति मे हितयद्वा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 329/75-76, तारीख 7-5-1975)।

उद्यान भूमि—1 एकड़ 39 गुण्टास, सं० नं० 23 व 24 तिम्मन-हल्ली गांव, चिकनायकनहल्ली तालूका तुमकूर जिला मे स्थित। सीमाएँ .—

पूर्व : नरसिंहद्या

पश्चिम : रगमा

उत्तर : नरसिंहद्या व अन्य लोग।

दक्षिण : चिदानन्दद्या।

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर।

तारीख : 31-12-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 5168/75-76/ए० सी० क्य०/वी०—यतः, मुझे  
आर० छृष्णामूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन  
रेंज, बंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
प्रीर जिसकी सं० 23 व 24 है, तथा जो तिम्मनहल्ली गांव, चिक-  
नायकनहल्ली तालुका में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
प्रनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय चिकनायकनहल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 7-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पच्छहे  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः प्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री आर० एम० नंजुण्डम्मा, (2) शिवशंकर,  
(3) राजरेखर, (4) दिनेश, (5) मरुला शेट्टी। नं० (2) से  
(5) वाले हैं— प्रतिनिधि आर० एम० नंजुण्डम्मा। रमणहल्ली  
गांव, कंदिकरे होबली, चिकनायकनहल्ली तालुका में रहने वाले।  
(अन्तरक)

2. श्री एस० नरसिंहम्मा, सुपुत्र थीं सक्षा रंगप्पा, निम्मनहल्ली  
गांव, चिकनायकनहल्ली तालुका, तुमकूर जिला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 330/75-76 तारीख 7-5-75)।

उद्यान भूमि—1 एकड़, 30 गुण्टास, सं० नं० 23 व 24  
निम्मनहल्ली गांव, चिकनायकनहल्ली तालुका, तुमकूर जिला में  
स्थित।

सीमांए

पूर्व : सम्मरणप्पा।

पश्चिम : रंगनाथम्मा।

उत्तर : नरसिंहम्मा व अन्य लोग।

दक्षिण : रंगलक्ष्मा।

आर० छृष्णामूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 31-12-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 दिसम्बर 1975

निदश स० 5169/75-76/ए० मी० क्य०/वी०—यतः,  
मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी म० एम० न० 23 है तथा जो तिम्मनहल्ली गांव,  
चिकनायकनहल्ली तालूका में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, चिकनायकनहल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 7-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है श्री मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तथ यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दृई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) आर० एम० नंजुण्डया, (2) शिवशंकर, (3)  
राजशेखर, (4) दिनेश, (5) मस्ल शंदी। न० (2) मे (5)  
बालक है—प्रतिनिधि आर० एम० नंजुण्डया, रमणहल्ली गांव,  
कापिंडिकेरी होक्ली, चिकनायकनहल्ली तालूका, तुमकूर जिला  
(अन्तरक)

2. श्री चिदानन्दव्या—संरक्षक श्री एच० प० श्रीरंगप्पा,  
तिम्मनहल्ली गांव चिकनायकनहल्ली तालूका, तुमकूर जिला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 331/75-76, दिनांक 7-5-1975)।

उद्यान भूमि—1 एकड़ 25 एकड़ास, स० न० 23, तिम्मनहल्ली  
गांव, चिकनायकनहल्ली तालूका, तुमकूर जिला में स्थित।

सौमाएँ :—

पूर्व : रंगलक्ष्ममा।  
पश्चिम : सुब्बज्जी रंगप्पा।  
उत्तर : रंगनाथ व  
दक्षिण : सुब्बाजी रंगप्पा।

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 31-12-1975

मोहर:

प्रब्ला आई०टी०प०ए०म०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 दिसम्बर 1975

निदश सं० 5170/75-76/ए० सी० क्य०/वी०—पतः मुझे  
आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन  
रेंज, बंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी रा० स० न० 23 है तथा जो तिम्मनहल्ली गांव, चिकना-  
हल्ली तालूका में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चिकना-  
यकनहल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 7-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से इह किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याति :—

1. मर्वंधी (1) आर० एम० नजुण्डय्या, (2) शिवशंकर,  
(3) राजशेखर, (4) दिनेश, (5) मर्लाशेडी। न० (2) रे  
(5) बालक—प्रतिनिधि आर० एम० नजुण्डय्या, रमेहल्ली  
गांव, कण्णिकरे होल्ली, चिकनायकनहल्ली तालूका के निवासी।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती रमलक्ष्ममा मुमुक्षी रंगप्पा। तिम्मनहल्ली गांव,  
चिकनायकनहल्ली तालूका, तुमकूर जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा गकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के  
परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 332/75-76, तारीख 7-5-1975)

उद्यान भूमि—1 एकड़, 25 गुण्टाम, स० न० 23 तिम्मनहल्ली  
गांव, चिकनायकनहल्ली तालूका, तुमकूर जिला में स्थित।  
सीमां :—

पूर्व से दक्षिण—निगन्ना।

पश्चिम से उत्तर—चिदानन्दया व नरसिंहया।

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 31-12-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1976

निर्देश सं० 62/4224/75-76/ए० सी० क्य०/बी०—  
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० (पुराना 11) नया 38, 39 है तथा जो कोल्स  
रोड, क्लेवलांड टाउन, बंगलूर-5 में स्थित है (और इससे उपावड़  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-5-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनन्कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावै  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए या लिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रन्तः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

5-436 GI/75

1. श्री एन० लक्ष्मीपती सुपुत्र स्वर्गीय श्री नारायणस्वामप्पा  
करिनपालय, बंगलूर-5। (अन्तरक)

2. (1) श्री के० एस० अश्वथप्पा, (2) श्री के० एस०  
नारायण—स्वर्गीय के० एम० शंकरप्पा के पुत्र, नं० 4/7 सौदर्स  
रोड, बंगलूर-5 के निवासी। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 629/75-76, तारीख 15-5-1975।)

खाली जमीन पुराना नं० 11, नया नं० 38 व 39 कोल्स रोड,  
क्लेवलांड टाउन, बंगलूर-5, साइट सं० बी० के पश्चिम भाग में  
स्थित।

क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : 46 फीट 9 इंच	} 3,471 वर्ग फीट
उत्तर : 72 फीट।	
दक्षिण : 76 फीट और 6 इंच।	} 3,471 वर्ग फीट

सीमाएँ :—

पूर्व : आम रास्ता।

पश्चिम : निजी सम्पत्ति।

उत्तर : खरीदने वाले की सम्पत्ति।

दक्षिण : चिक्कमुनियप्पा की सम्पत्ति।

भार० कृष्णमूर्ति  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर।

तारीख : 3-1-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 जनवरी 1976

निर्देश सं० 63/4250/75-76/ए० सी० क्य०/वी०—  
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलूर।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 547 हैं तथा जो V ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-11 में स्थित है (शायद इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रन्तः ग्रन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गिरी राव सुपुत्र बेंकोबा गव पटवारी. न० 3-4-10, फोर्ट, रायचूर। (अन्तरक)
2. श्री एन० चेंगम्म राजु सुपुत्र श्री बेंकट राजु, न० 563-10 प मेन रोड, V ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-11। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 511/75-76, तारीख 8-5-1975 )  
खाली जमीन न० 547, 36 व 37 क्रास के बीच, 10 प मेन रोड, V ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-11 में स्थित।  
सीमाएँ :—

पूर्व : सड़क।  
पश्चिम : जमीन न० 536।  
उत्तर : जमीन न० 548।  
दक्षिण : जमीन न० 546।

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3-1-1976।

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 2 जनवरी, 1976

निर्देश सं० 62/4301/75-76/ए० सी० क्य०/वी०—

यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 27 है तथा जो आत्मर गाव, यलहका होबली, बंगलूर (उत्तर) मे विधित है (और इसमें उपायद्वय अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर उत्तर तालुका मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री नेजपा, (2) बी० एम० मुनियपा उर्फ भोटपा  
(3) कपिनपा, (4) नारायणपा—स्वर्गीय मंस्त्री मुनियपा,  
आत्मर गाव, यलहका होबली बंगलूर उत्तर तालुका।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती चिन्नपा पल्ली स्वर्गीय श्री लक्ष्मण्या रेडी, गोकुल  
[स्टेज, बंगलूर-54। (प्रभातरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 993/75-76, तारीख 30-5-75 )  
सूची खेती जमीन का दक्षिणी आधा भाग—6 एक.  
और 12-1/2 गुण्टास—स० न० 27 आत्मर गाव, यलहक होबली, बंगलूर उत्तर तालुका मे स्थित।  
सीमाएँ :—

पूर्व : पटेल माचपा की जमीन।  
पश्चिम—वीरसागर गाव की सीमा।  
उत्तर : उत्तरी आधा भाग।  
दक्षिण : दोड्ड बेट्हली सीमा।

श्रीर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 2-1-1976  
मोहर .

प्रृष्ठ प्राई. ३० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 2 जनवरी, 1976

निर्देश सं० 63/4302/75-76/ए० सी० क्य०/वी०—  
यतः मुझे आर० कृष्णमृति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 27 (उत्तरी आधा भाग) है तथा जो, आत्मर गांव,  
यलहंका होली, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावबद्ध अनुसूची  
में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बंगलूर उत्तर तालुका में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के प्रधीन तारीख 30-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरके के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 व की उपधारा  
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री (1) नेजप्पा, (2) वी० एम० मुनियप्पा उर्फ मोटप्पा  
(3) कपिनप्पा, (4) नारायप्पा, सुपुत्र स्वर्गीय मेस्ट्री मुनियप्पा।  
(अन्तरक)

2. श्री (1) वी० वेंकटेश, (2) वी० रमेश, बालक—प्रति-  
निधि दादा श्री मुनिस्वामी रेडी नं० 2 मोडल कालीनी, यशवंतपुर  
बंगलूर-22।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 994/75-76, तारीख 30-5-75)  
सूची खेती भूमि का उत्तरी आधा भाग—6 एकड़ व  
12-1/2 गुण्टास, सं० नं० 27, आत्मर गांव, यलहंका होली,  
बंगलूर उत्तर तालुका।

सीमाएं:—

पूर्व: पटेल माचप्पा की भूमि।

पश्चिम: वीरसागर गांव की सीमा।

उत्तर: तिरमरगीडा की भूमि व

दक्षिण: दक्षिणी आधा भाग।

आर० कृष्णमृति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर।

तारीख: 2-1-1975।

मोहर।

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 14 जनवरी, 1976

निर्देश सं० 62/4279/75-76/ए० सी० क्य०/जी०—  
यत. मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 30 है, तथा जो सेंट जान्स रोड, सिविल स्टेशन,  
बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर,  
बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 31-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती जे० राजेश्वरी पल्ली स्वर्गीय श्री बी० एम०  
जगनाथ मुदलियार, न० 30-ए०, सेंट जान्स रोड, सिविल स्टेशन  
बंगलूर-1। (अन्तरक)

2. 'श्रीराम का विग्रह' श्री रामूल सन्निधि मंदिर—प्रतिनिधि  
भक्त शिरोमणि यजमान—धर्मकर्ता श्री गाढ़ चेत्वराद चेटी, न०  
111 धर्मराज कोइल स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बंगलूर-1। (अन्तरिती)

3. श्री (1) रामचन्द्र राव, (2) श्री प्रभाकर, (3) श्री  
नारेन्द्र, (4) श्री अमरनाथ। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यालयाद्वारा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तात्परी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

बनुसूची

(दस्तावेज 832/75-76 तारीख 31-5-1975)।  
बंगला नं० 30, सेंट जान्स रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर।

थेट्रफल:—

पूर्व : 44' + 44' + 25'

पश्चिम : 93' 6"

उत्तर : 92' 7"

दक्षिण : 61' 3" + 6' + 28' = 7828 वर्ग फीट।

दक्षिण पश्चिम कोने में जमीन का टुकड़ा 4' x 7' के साथ।

सीमाएँ:—

पूर्व : दर्शनमूर्ति की सम्पत्ति व निजी सम्पत्ति।

पश्चिम : नं० 30-ए, सेंट जान्स रोड श्री साई नारायण की  
सम्पत्ति।

उत्तर : शान्ता वेदनिरि की सम्पत्ति, देवी सम्पत और निजी  
जागी जमीन व

दक्षिण : सेंट जान्स रोड।

आर० कृष्णमूर्ति  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 14-1-1976।

मोहरः

प्रस्तुप आर्ड० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 16 जनवरी, 1976

निर्देश सं० टि० आर० 238/सी०-235/कल-2/75-76—  
अत मुझ एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी स० 22 बी० है तथा जो गोर चान्द रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 24-परगना, अभिपुर्ण में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री गोरीशंकर भट्टाचार्य, (2) दारिका नाय भट्टाचार्य।  
(प्रतरक)

2. अरुण कुमार दास।  
(प्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही मर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

22 बी०, गोरा चाद रोड, कलकत्ता में अवस्थित 2 कट्टा 8 छटाक जमीन।

एस० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी  
महाहक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1  
54, रफी अहमद किदवर्ड रोड,  
कलकत्ता-16।

तारीख: 16-1-1976

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एस० एस० —————  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-व (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज.-I कदवर्डी रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16 दिनांक 17 जनवरी, 1976

निवेद सं० टी० आर० 31/सि०-49/कल०-1/75-76—प्रतः  
 मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
 की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
 यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
 जिसकी सं० 90 हैं तथा जो थर्ड सिन्हा रोड, में स्थित है  
 (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नरमेट प्लेस नार्थ कलकत्ता  
 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
 मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
 मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
 की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
 कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
 प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
 और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
 के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
 किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
 में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
 अन्तरिती द्वारा प्रबट नहीं किया गया था या किया  
 जाना चाहिए था, दियाने में सुविधा के लिए;

1. (1) पृथभी सिं० देव  
 (2) श्रीमती धुपद कुमार बा  
 (3) श्रीमती रीता देवी,

(अन्तरक)

2. श्री कमल कुमार गान्धाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
 तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
 किसी व्यक्ति द्वारा;  
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्पोहस्ताकारी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-  
 अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभ्राषित  
 है, वही अर्थ द्वारा, जो उस अध्याय  
 में दिया गया है।

अनुसूची

9, थर्ड सिन्हा रोड, कलकत्ता में प्रवस्थित, अविभक्त  
 1/4 हिरता।

एस० के० चक्रवर्ती  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, कलकत्ता-16

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्याति :—

तारीख: 17-1-76

मोहर:

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आर्यालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई० ए० सि० एक्यूजीशन रेंज-I, कलकत्ता-16  
कलकत्ता-16, दिनांक 17 जनवरी, 1976

निवेश सं० टी० आर० 32/सि० 39/कल०-I/75 76—अतः  
मुझे एस० के० चक्रवर्ती  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० 9C है तथा जो थर्ड सिन्हा रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नरमेंट प्लेस, नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अच्छने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) पृथग्भी सि देव
- (2) श्रीमती धुपद कुमारवा
- (3) श्रीमती रीता देवी

(अन्तरक)

2. मनकुल देवी सरगी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्तकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रिमिसेज नं० C, थर्ड सिन्हा रोड, कलकत्ता का 1/16 हिस्ता।

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 17-1-76

मोहर:

प्रूप्र आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता 16

कलकत्ता-16, दिनांक 17 जनवरी, 1976

निवेद स० टी० आर० 33/सि० 40/कल०-1/75-76—अतः  
मुझे एस० के० चत्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9C, तथा जो थर्ड सिन्हा रोड, कलकत्ता में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नमेंट लेस, नार्थ, मेरजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विशेष के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातु :—

6—436GL/75

1 (1) पृथ्वी बीर सिंह देव  
(2) श्रीमती ध्रुपद कुवारवा  
(अन्तरक)  
2. श्रीमती कमला देवी सरगी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रिमिसेज न० 9C, थर्ड सिन्हा रोड, कलकत्ता का 1/16  
हिस्सा

एस० के० चत्रवर्ती  
सक्षम अधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता 16

तारीख 17-1-76

मोहर :

प्र० र० ग्राही० टी० एन० एस०

1. (1) श्री पृथ्वी सिंह देव

(2) श्रीमती ध्रुपद कुवारवा

(3) रीता देशी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता 16

निदेश सं० ८० टी० आर० 34/सि०-४१/कल० I/७५ ७६—अतः  
मृद्गे एस० के० चत्रवर्तीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी स० 9C है तथा जो थर्ड सिन्हा रोड, कलकत्ता में  
स्थित है (और इसमें उपाबृह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है  
रजिस्ट्रीर्टी कर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नरमेट प्लेस नार्थ, कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) विधीन सभा  
मई, 1975 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्गे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत 'उक्त अधि-  
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और / या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
बाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में  
सुविधा के लिए।

प्रिमिसेज नं० 9C, थर्ड सिन्हा रोड, का 1/16 हिस्सा।

एस० के० चत्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, कलकत्ता-16अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—तारीख: 17-1 76  
मोहर.

## प्रूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 17 जनवरी 1976

निदेश सं० टी० आर०-35/सि०-46/कल०-I/ 75-76—अतः  
मुझे एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 9C, है तथा जो थर्ड सिनहा रोड, कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपावस्थ अनुनूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नरमेंट प्लेस, नार्थ,  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत 'उक्त अधिनियम'  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा  
के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. पृथभी लीर सिंह देव
- (2) श्रीमती ध्रुपद कुवारबा
- (3) रीता देवी

(अन्तरक)

2. बिमला देवी, सरगी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में नोई भी आधेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्यापक  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्रिमिसेज नं० 9C, थर्ड सिनहा रोड, कलकत्ता का 1/16 हिस्सा।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख: 17-1-76

मोहर :

प्र० ग्राही० टी० एन० एस०—

1. (1) पृथ्वी सिंह देव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ. (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती धूपद कुवारवा

(3) रीता देवी

(अन्तरक)

भारत सरकार

2. सुरेन्द्र कुमार जैन

(अन्तरित)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 17 जनवरी, 1976

निदेश सं० टि० आर०-6/सि०-47/कल०-I/75-76—अतः  
मुझे एस० के० चक्रवर्ती  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 9C, है तथा जो थर्ड सिनहा रोड, कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उपावड्ह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है  
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नरमेट प्लेस नार्थ कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके कृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना  
चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्याद्वाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9C, थर्ड सिनहा रोड, अवस्थित अविभक्त 1/4 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख: 17-1-76

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

1. (1) पृष्ठवी सिह देव,

(2) ध्रुपद कुवारबा

(3) रीता देवी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

2. रामेन्द्र कुमार गोगवाल

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 17 जनवरी, 1976

निवेदण सं० टी०आर० 37/सि०-४८/कल०-१/७५-७६—अतः—  
मूँझे एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9C, है, तथा जो थर्ड सिनहा रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नरमेट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए कार्यदातियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजैन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रिमिसेज नं० 9C, थर्ड सिनहा रोड, का 1/4 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 17-1-76

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 जनवरी, 1976

निदेश स० 19-एच/अर्जन—अतः मुझे विश्वास्मार नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1033/1065 है तथा जो राम भवन, पालकी  
खाना, फैजाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
फैजाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 2-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या छन्कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री हरी नरायन

(अन्तरक)

2 श्री हरीश चन्द्र आनन्द

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबैध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बन्द  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता तीन मजिला मकान स० 1033/1065, जोकि  
मोहल्ला पालकी खाना शहर फैजाबाद में स्थित है।

विश्वास्मारनाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 9-1-76

मोहरः

प्रलूप० आई० टी० एन० एस० —————

1. राधेश्याम व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

2 श्रीमती मुन्ती देवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 जनवरी, 1976

निदेश सं० 75-एम/अर्जन—अतः मुझे बिश्वास की अधीन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० के० 64/49 है तथा जो गोला दीनानाथ वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-7-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

एक किता मकान नं० के- 64/49 जोकि मोहल्ला गोला दीनानाथ जिला वाराणसी में स्थित है।

बिश्वास की अधीन आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ,

तारीख: 12-1-76

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 जनवरी, 1976

निवेश सं० 104-एस/अर्जन--अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो सिविल लाइन्स, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्रीमती शशी पोरवाल

(अन्तरक)

2. श्री सुमन कुमार व अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1201 वर्ग गज है जोकि छावनी, चक्कर का भैदान सिविल लाइन्स, जिला मुरादाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 9-1-76

मोहर:

प्र० श्र० अर्द्ध० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 जनवरी, 1976

निदेश सं० 833/अर्जन/कानपुर/75-76-2356—अतः

मुझे विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुमार है, तथा जो अनुसूची के  
अनुमार में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
6-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—436GI/75

1. स्वदेशी काटन मिल्स क० लिमिटेड, जुही, कानपुर।  
(अन्तरक)
2. (1) राम किशन सिंह  
(2) श्री किशन सिंह  
(3) श्री शंकर सिंह पुत्र गण श्री नधू सिंह और  
(4) भरत सिंह पुत्र श्री गंगा प्रसाद मिह  
जिल० 68/117, लोकमान मोहल्ला, कानपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-के  
परिभासित है, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

उपरोक्त सम्पत्ति प्लाट नं० 74 जिसका क्षेत्रफल 777.77  
वर्ग गज है और जो आनन्दपुरी 133/60, जुही कानपुर में रिथत है  
69,999-30 में अन्तरण है किया गया है।

विजय भार्गवा  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 2-1-76

मोहर:

प्र० र० आई० टी० एन० एस० ——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 जनवरी, 1976

निदेश सं० 505/प्रर्जन/गाजियाबाद/2355/75-76—अतः

मुझे विजया भार्गवा,

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार मे स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः श्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण मे, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री हरियन्त कुमार चौधरी,

निवासी गाजियाबाद,

बैहसियत मूरुतारनामा :

श्रीमती मीरा चौधरी, पत्नी राम विनवास चौधरी, निवासी 4 डी, मीना लिसा, 17 काम 'क' स्ट्रीट, कलकत्ता-17

(अन्तरक)

2. श्री श्रानन्द प्रकाश, अग्रवाल पुल श्री मदन गोपाल निवासी हाल 41, कविनगर, गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी व्याक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं. 41 जिसका प्लाट नंबर, 152 है, और क्षेत्रफल 486.66 वर्ग गज लगभग है और जो कविनगर, गाजियाबाद मे स्थित है 90,000 रु० के मूल्य मे अन्तरण किया गया है।

विजय भार्गवा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 2-1-76

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर दिनांक 5 जनवरी, 1976

निदेश सं० 612/अर्जन/आगरा/2354/75-76—अतः मुझे  
विजय भार्गवा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनु-  
सार में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-7-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण उक्त लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे मारसीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. बुहमी उर्फ बहमी लाल पुत्र श्री बूरे, मौजा सनकता  
तहसील किरावली, जिला आगरा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स लक्ष्मी डब्ल्यूपरमेट कम्पनी, आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संधी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति खसरा न० 589 जो मौजा अरतीनी, जिला  
आगरा में स्थित है, 46,000 रु० मूल्य में अन्तरण में किया  
गया है।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 5-1-76  
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री वडुगु चट्टीयार और आदी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-य (1) के अधीन सूचना

2. सेकर (गोरजीयन पावाधी अम्माल)।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी, 1976

को यह सूचना आगे करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० V/7/79/75-76—यतः मूँझे जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन [सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० 9, 8/3, 23/1, 24/1, 25/1 है, जो पूलिनतम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अरुर (पत्र सं० 1468/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-5-1975 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रापित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्लन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्लन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रस्तुत, पूलिनतम गांव आर० एस० सं० 9, 8/3, 23/1, 24/1, और 25/1 में 14, 25 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

अतः प्रब्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

तारीख: 17-1-1976  
मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी०एन०एस०—

1. श्री वड्गु चेट्टीयार और श्रादी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. दनसेकरन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी, 1976

सं० V/7/80/75-76—यत्. मुझे जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 1 और 4/2 है, जो पूलिनतम  
गाँव में स्थित है (और इससे उत्तरदद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अस्तर (पत्र सं० 1449/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिति की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वक सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,  
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी अकिञ्चन द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अस्तर पूलिनतम गाँव सर्वे सं० 1 और 4/2 में 11. 6.2 एकड़  
खेती की भूमि।

जी० रामानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 17-1-76  
मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी, 1976

निवेश स० v/7/81/75-76—यतः मुझे जी० रामानाथन  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० सर्वे स० 11/1, 11/2, और 9 है, जो पूलिनतम  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहर (पत्र स० 1450/  
75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के  
अधीन मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

1. श्री वडुगु चेट्टी यार और आदी ।

(अन्तरक)

2. श्री सी० सिन्हुसामि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशीरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही ग्रन्थ होगा, जो उस अध्याय में  
विया गया है।

अनुसूची

अहर, पूलिनतम सर्वे स० 11/1, 11/2 और 9 में 15.68  
एकड़ खेती की भमि ।

जी० रामानाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास ।

तारीख: 17-1-76  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री बड्गु चेट्टीयार, और आदी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री गनेशन, अरुर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी, 1976

निदेश सं० V/7/82/75-76—यतः मुझे जी० रामानाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 5/1, 5/2, 6/2, 23/3, 23/4, 23/5 और 23/6 है, जो पूलिनतम गांव में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अरुर (पत्र सं० 1451/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21 मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-के परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

अरुर, पूलिनतम गांव सर्वे सं० 5/1, 5/2, 6/2, 23/3, 23/4, 23/5 और 23/6 में 20.31 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामानाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 17-1-76

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयवत (निरीक्षण)

श्रीराम रेज, महाराष्ट्र

महास. दिनांक 14 जनवरी 1976

निदेश सं० IX/7/75/75-76—यतः मुझे, जी० रामानाथन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है, जो मान्त्रीयत लेन मद्रास-8 मे स्थित है  
 (और इससे उपावद्ध अन्नसूधी मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
 कर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र सं० 456/75) मे  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

સુધીના

का पूर्वाभृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/ या

( ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ( 1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 ( 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति गोमती श्रम्माल, मद्रास ।  
(अन्तरक)
2. श्री चिमनदास मेंगराज, 16, नयी आवडी रोड,  
मद्रास-10 ।  
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसधी

मद्रास- 8, मान्टीयत लेन डोर सं० 11 (टी० एस० स० 1605/20), मे 2 ग्राउन्ड और 432 स्क्वायर फीट की भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामानाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन ज, मद्रास

तारीखः १४-१-७६

मोहर ३

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 14 जनवरी, 1975

निदेश सं० IX/7/75/75-76—यत्. मुझे जी० रामनाथन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 11 है, जो मात्टीयत लेन मद्रास-8 में मिथ्त है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) नजिसी-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र सं० 154/75) में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रत्यक्षित की गई है श्री मृद्दु यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे चर्चा में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 8—436(3)1/75/

1 श्रीमही गोमती अस्माल, मद्रास ।

(अन्तरक)

2 श्री नारायण दास मेगराज, मद्रास-10।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'चूक्स अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-8, मात्टीयत लेन डोर सं० 11 (टी० एस० सं० 1605/20) में 2 ग्राउन्ड और 502 स्क्वायरफीट की भूमि ।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 14-1-76

मोहूरः

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जनवरी 1976

निदेश सं० IX/7/75-वी/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है, जो मान्तीयत लेन मद्रास-8 में रिथत है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र सं० 455/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-75 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती एस० गोमती अम्माल, मद्रास।

(अन्तरक)

2. श्री लालचन्द मेगराज, मद्रास-10।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-8, मान्तीयत लेन हॉर सं० 11 (टी० एस० सं० 1605/20) में 2 ग्राउन्ड और 307 स्क्वायर फीट की भूमि।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)  
ग्रंजन रेज, मद्रास

तारीख: 14-1-76

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जनवरी, 1976

निवेदण सं० IX/1/13/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/503 है, जो मिन्ट स्ट्रीट, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास, (पत्र सं० 3389/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाधूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात् :—

- मूमूकुमारसामि श्रीर आदी पापविनासम रोड, तिरुमलै, तिरुपती। (अन्तरक)
- श्रीमती मीनाक्षी अम्माल, बंगलूर-3। (अन्तरिती)
- अशोक फारमसूटीकलम, महावीर मेटल कारपोरेशन, पी० डी० दीरन, बालूबाय एम० देसाय, वागुदर नायर, मन्नुहैयर ड्रेसिंग मलून और दौर लान्डी। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-3, मिन्ट स्ट्रीट होर सं० 1/503 (आर० एस० सं० 10153) में 1775 स्क्वायरफीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 14-1-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्रीमती रहिमन्नीसा और एच० ए० आर० अब्दुल गफूर,  
मद्रास-14।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री ए० डी० परसुराम चेट्टीयार और सन्स,  
मद्रास-3।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

3. श्रीमती तुलसी गान्दी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

निदेश सं० IX/4/4/75-76—यतः मुझे जी० रामनाथन  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43),  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 3/156 है, जो आडवे मद्रास-1 में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र सं० 404/75) में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मद्रास-1, आडवे डोर सं० 3/156 (आर० एस० सं० 5650)  
में 1513 स्क्वायर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आमूल (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 14-1-76

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जनवरी 1976

निदेश सं० IX/6/4/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 72/8 है, जो पोन्नप्प पिल्लै रोड,  
मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र  
सं० 444/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 3-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में  
में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० दामोदरमूरती, मद्रास-10

(अन्तरक)

2. श्रीमती एलिसबेत जान, मद्रास-34

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम [के अध्याय 20-क में  
परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

मद्रास-10, पोन्नप्प पिल्लै रोड, आर० एस० स० 72/8, में  
5280 स्क्वायर फीट की खाली भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 14-1-76

मोहर:

प्र० र० आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1976

निदेश सं. IX/1/34/75-76—यतः मुझे जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जसकी सं. सर्वे सं. 1025/3 (भाग) है, जो रामनायकन स्ट्रीट, मद्रास-13 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र सं. 3804/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्युक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री के० आर० एम० रत्नसामि नाडार (अन्तरक)
- श्री के० सी० एस० डी० वगवर्तसिंह, मद्रास-13 (अन्तरिती)
- श्री एन० मानिकवासग नाडार, और सन्म.

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-13, रायपुरम, रामा नायकन स्ट्रीट, सर्वे सं. 1025/3 (भाग) में 4774 स्क्वायर फीट की भूमि (भकान के साथ)।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 16-1-76

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1976

निदेश स० IX/1/35/75-76—यत् मुझे जी० रामनाथम्  
आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 1024/5 (भाग) है, जो रामानाथकन स्ट्रीट, मद्रास-13 मे खित है (और इससे उपरवाले अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र स० 3899/75) मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिपल के पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० आर० एम० रत्नसामि नाडार, मद्रास-1  
(अन्तरक)
2. श्री एम० पेरुमाल नायकर, मद्रास-13  
(अन्तरिती)
3. श्री के० मानिकवासग नाडार  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग मे सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### अनुसूची

मद्रास-13, रायपुरम, रामा नायकन स्ट्रीट, सर्वे सं० 1024/5 (भाग) (वेस्टर्न भाग) मे 3525 स्वायर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 16-1-76

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1976

निदेश मं. IX/1/35०/75-76-—यत्, मुझे, जी० राम-  
नातन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी मं. सर्वे मं. 1024/5 (भाग) है, जो रामनाथकन  
स्ट्रीट मद्रास-13 मे स्थित है (और इसमे उपावद्ध मे और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नायालय, मद्रास (पत्र सं.  
3877/75) मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 26-5-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित मे वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय वा बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के  
अनुसरण मे, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ष की  
उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० आर० एम० रत्नसामि नाडार  
(अन्तरक)  
2. श्री एम० पेस्माल नाथकर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क मे परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया  
गया है।

अनुसूची

मद्रास-13, रामनाथकन स्ट्रीट सर्वे सं. 1024/5  
(भाग) मे 3609 स्केयर फीट की भूमि (मकान के साथ)

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख 16-1-1976  
मोहर:

प्रख्य प्राई० ई० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1976

निदेश सं० IX/6/1/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी  
सं० 22 और 23 है, जो वीरासामि पिल्लै स्ट्रीट मद्रास-8 में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 451/  
75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 16 मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में,  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतितः:—

9-436GI/75

1. श्रीमती गुनसुन्दरी, मद्रास-8 (अन्तरक)
2. श्री मोहिदीन शरिफ, मद्रास-5 (अन्तरिती)
3. होटल ईम्पाला (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. श्रीमती कोसल्या अम्माल (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मद्रास-8, वीरासामि पिल्लै स्ट्रीट डोर सं० 22 और 23  
(आर० एम० 760) मे 4 ग्राउन्ड और 1575 स्क्युरे फीट की  
भूमि और मकान (अधिक आदा भाग)।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 16-1-76

मोहर:

प्रक्षेप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1976

निदेश सं. IX/6/11/75-76—यतः, मुझे, जी० रागनाथन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है और जिसकी सं०

22 और 23 है, जो वीरामामि पिल्ले स्ट्रीट, मद्रास-8 में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 592/  
75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन जन 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० एम० मेनूरननमाल, मद्रास-10  
(अन्तरक)

2. श्री मोहिदीन शरिफ, मद्रास-5  
(अन्तरिती)

3. होटल ईम्पाला

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभागे में सम्पत्ति है)

4. श्रीमती कौशल्या अम्माल  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानसा है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 8 वीरामामि पिल्ले स्ट्रीट डोर सं० 12 और 23  
(आर० एस० स० 760) 4 ग्राउन्ड और 1575 स्क्युर फीट  
को भूमि और मकान (अभिन्न आदा भाग)।

जी० रामनातन,  
मकान प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 16-1-76

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैज-1, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 16 जनवरी, 1976

निदेश म ० IX/6/21/75-76—यत्, मुझे, जी० रामनाथन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी स ० 114 है, जो वेकटेसपुरम कालोनी, मद्रास-23  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र स ० 1514/  
75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 1 मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-  
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती बी० एन० जयलक्ष्मि और शादि  
(अन्तरक)  
2 श्रीमती धार० कमलम्माल, मद्रास-23  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के  
परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मद्रास-23, वेकटेसपुरम कालोनी डोर स ० 114 (सर्वे स ०  
154/1) में एक ग्राउन्ड और 1983 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान  
के साथ)।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैज-1, मद्रास

तारीख । 16-1-76

गोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1976

निंदेश स० IX/1/10/75-76—प्रत, मुझे, जी० राम-  
नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० 30/31 है, जो कुम्भालम्मन काईल स्ट्रीट, मद्रास-21 में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र स० 3460/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्गतों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिम्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिम्नित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री टी० ए० एस० वेल और श्रादि (अन्तरक)
2. श्री के० नागमणी, मद्रास-21 (अन्तरिती)
3. द० ए० ए० कारपोरेशन और मेल्म टैक्स आफिस रायपुरम्।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

मद्रास-21, कुम्भालम्मन काईल स्ट्रीट डोर स० 30/31, (ग्राह० एस० 3/626/1) (1 भाग) में 3 ग्राउन्ड और 308 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख 16-1-1976

मोहर:

प्रख्युक्त आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री टी० ए० एस० बेल आदि (अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० पारतसारती मद्रास - 21 (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी, 1976

निदेश सं० IX/1/11/75-76:— यत., मुझे, जी० राम-  
नाथनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 30/31 है, जो कुम्बालम्मन कोई स्ट्रीट, मद्रास 21-में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन मई 1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;ग्रन्त: श्री उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(3) ई० एम० ए० कारपोरेशन आदि सेलस टैक्स आफीस  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के  
यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 21, कुम्बालम्मन कोईस्ट स्ट्रीट डोट सं० 30/31  
(ग्राह० एस० 3625, 3636/2 और 3626/) में 31 ग्रेनडस  
और 882 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।जी० रामनाथन  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
सक्षम प्राधिकारी  
अर्जन रेंज-1, मद्रासतारीख : 16-1-1976  
मोहर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1976

निवेश स० X/12/51/75 76 —यत मृग्ने जी०

रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पात्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी लाट स० 501 है जो के० के० नगर, मदुरै में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कार्यकूदी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1975

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृग्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) प्रतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायदीव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रन्ति —

(1) श्रीमती वसन्ताल आची और सोरनवल्ली आची (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के ग्रन्ति के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के संबंधमें कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

मदुरै, के० के० नगर लाट स० 501 में 11 5 सेन्टर्स की भुमि ।

जी० रामनाथन,  
सभम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

प्रस्तुत आई०टी०एन०एस०

(1) श्री एम० के० मिवसुवरमनिय पिलै (अन्तरक)

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० वेलायी (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कार्यालय मद्रास-I,  
मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1976

निदेश स०X /13/48/75-76:—यत्, मुझे, जी० रामनाथन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० आर० एस० 68/4 है, जो राजगम्भीरम गाव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तामरंपटी (पत्र स० 347/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरतात्मकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै जिला, राजगम्भीरम गाव, सर्वे स० 68/4 में 81 सेट्स की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I मद्रास

तारीख : 17-1-1976  
मोहर .

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एस० के० सिवसुद्धमनिय पिलै (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन 1-रेज मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1976

निदेश सं० X/13/55/75-76:—यतः, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० 68/4 है, जो राजगम्भीरम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तामरपेट्टी (पल सं० 369/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(2) श्रीमती वेलायी अम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिरे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भद्रेर जिला, राजगम्भीरम गांव आर० एस० सं० 68/4 में एक एकर की भूमि।

जी० रामनाथन,  
लक्ष्म प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-१, मद्रास

तारीख : 17-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री एस० के० सिवसुब्रमनिय पिलै (अन्तरक)

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० अर्यगनन

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी, 1976

निदेश सं० 10/13/56/75-76—यत्, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० आर० एस० 68/4 है, जो राजगम्बीरम गाव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तामरेपट्टी (पत्र सं० 348/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए

अनुसूची

मदुरै जिला, राजगम्बीरम गाव आर० एस० स० 68/4 में एक एकड़ की भूमि ।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

10—436GI/75

तारीख : 17-1-76

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जनवरी, 1976

निदेश सं० 16/12/114/75-76:—यत्, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० सरवे म० 483/1 है, जो 1.40 एकड़, नामकरण में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, नामकरण (पत्र म 483/1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ आया गया ऐसे मन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः—

(1) श्री पी० देवराजन (अन्तरक)  
(2) श्री एन० रामराजन, एन० सन्दरराजन और एन० दुरेराजन, रेहुपट्टी गांव (अन्तरिती)  
(3) तगिननाडू इलैक्ट्रिसीटी नेवेन्यू बोर्ड (नह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के लिए वार्धवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाहर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

मेलम जिला, नामकरण तिहाची रोड सरवे सं० 483/1 में 1.40 एकड़ की भूमि (मकान के माथ) ।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 14-1-1976  
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जनवरी, 1976

निदेश सं 16/2/100/75-76:—यतः, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० 12.14/1/4 एकड़ है, जो चेगपट्टी, सेलम जिला में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेलुर (पत्र सं० 655/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, भिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रेष्ठ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पी० ए० खालियान गुरुड्डर (अन्तरक)

(2) कन्दसामि और पान्जीयन, और ग पट्टी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सेलम जिला, चेगपट्टी गाव सर्वे सं० 61/2, 62/1, 64, 65/1 ई०, 65/1 जी०, 66/1 ए०, 66/1 सी०, 66/1 ई० 66/3, 66/3 और 55/1 सी० में 12.14 1/2 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 14-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री वलायुदम, रामीपुरम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री ए० सकर रासीपुरम

(अन्तरिती)

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी, 1976

निदेश सं० 16/17/94/75-76:—यतः, मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० सर्वे 6/3 और 6/2 है, जो काकावेरी गाव, सेलम मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, रासीपुरम, (पत्र सं० 969/75) से भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ग उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने वा उससे बचने मे मुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियो को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियो शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे वरिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

रासीपुरम, काकावेरी सर्वे सं० 6/3 और 6/2 मे 2.69/- 1/2 एकड़ की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 16-1-1976

मोहर :

प्रूफ आई० टी० एन० एस०----

(1) श्री वेलायदन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० सुन्दरेशन सेलम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1976

निदेश सं० 16/17/95/75-76:—यतः, मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

आँग जिसकी सं० सर्वे सं० 6/3 आँर 6/2 है, जो काकावेरी में स्थित है आँग इससे उपाबद्ध में आँग पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, रासीपुरम, (पत्र सं० 970/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नान्वित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वारताविक रूप से नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिणी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रासीपुरम, काकावेरी गाव सर्वे सं० 6/3 आँर 6/2 में 2.69 1/2 एकड़ की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 16-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री एम० जी० रेंगराजू रासीपुरम् (अन्तरक)

(2) श्री एस० वी० जे भग्नातन रासीपुरम् (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1976

निदेश सं० 16/17/109/75-76:—यतः, मुझे, जी०-  
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 22 सी० है, जो सी० पी० कन्नैया नायू० स्ट्रीट, रासीपुरम्, सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रासीपुरम् (पत्र सं० 736/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधित् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मेलम जिला, रासीपुरम, सी० पी० कन्नैया नायू० स्ट्रीट,  
डोर सं० 22 सी० मे 32834 स्कूयर फीट की भूमि और मकान  
(1/6 अभिष्ठ भाग)

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 16-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री एम० जी० रेगूराजू, रासीपुरम् (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीएस०वी० महादेवन गासीपुरम् (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1976

निवेद स० 16/17/103/75-76—यत, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० गे अधिक है और जिसकी म० 22 ग्री० है, जो सी० पी० कन्नैया नायूडू स्ट्रीट, गासीपुरम्, मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गासीपुरम्, (पत्र सं० 741/75) मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकें।

स्पष्टीकरण —इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क मे परिभाषित हैं, वही प्रथे होगा, जो उस प्रधाय मे विया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, रासीपुरम्, सी० पी० कन्नैया नायूडू स्ट्रीट डोर सं० 22 सी० मे 32834 स्कूयर फीट की भूमि और मकान (1/6 अभिन्न भाग)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 16-1-1976

मोहर ।

प्रस्तुप आई० दो० एन० एस०-----

(1) श्री एम० जी० रेंगराजू, रासीपुरम् (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन ग्रन्ता

(2) श्री एस० गनेशन, रासीपुरम् (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1976

निदेश सं० 16/17/106/75-76:—यतः, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 22 मी० है, जो सी० पी० कम्बैया नायू०, स्ट्रीट, रासीपुरम् में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रासीपुरम् (पत्र सं० 737/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, रासीपुरम्, सी० पी० कम्बैया नायू० स्ट्रीट डोर सं० 22 मी० में 32834 स्कूयर फीट की भूमि और मकान (1/6 अधिक्षण भाग)।

जी० रामनाथन  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 16-1-1976  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

(1) श्री एम० जी० रेंगराज॒ रासीपुरम॑ (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० वी० बालसुब्रमनियन॑ रासीपुरम॑ (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1976

निदेश सं० 16/17/105/75-76:—यतः, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 22 सी० है, जो सी० पी० कर्मस्या नायू॒ स्ट्रीट, रासीपुरम॑, में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रासीपुरम॑ (पत्र सं० 738/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1975 को

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में फैलित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11—436GI/75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्धुसूची

सेलम, जिला, रासीपुरम सी० पी० कर्मस्या नायू॒ स्ट्रीट, डोर सं० 22 सी० में 32834 स्कूयर फोट की भूमि और मकान (1/6 अभिष्ठ भाग)।

जी० रामनाथन,  
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 16-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत धार्या ० टी० एन० एस०—

(1) श्री एम० जी० रेगराजू रासीपुरम् (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१ मद्रास,

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1976

निदेश सं० 16/17/104/75-76:—यतः, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम अधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 22 सी० है, जो सी० पी० कन्नैया नायडू स्ट्रीट, रासीपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रासीपुरम (पत्र सं० 739/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से दूर्दि किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ता

(ख) ऐसी इसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(2) श्री एस० वी० तियागराजन रासीपुरम् (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों को, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, रासीपुरम सी० पी० कन्नैया नायडू स्ट्रीट डोर सं० 22 सी० में 32834 स्कूपर फीट की भूमि और मकान (1/6 अभिष्ठ भाग)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-१, मद्रास

तारीख : 16-1-76

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एम० जी० रेंगराजू रासीपुरम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० वी० गजेन्द्रन रासीपुरम (अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1976

निदेश सं० 16/17/102/75-76:—यतः, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी मं० 22 सी० है, जो सी० पी० कन्नैया नायूडू स्ट्रीट, रासीपुरम में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रासीपुरम (पत्र सं० 740/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, रासीपुरम सी० पी० कन्नैया नायूडू स्ट्रीट, डोर सं० 22 सी० में 32834 स्कूयर फोट की भूमि और मकान (1/6 अभिन्न भाग)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 16-1-1976

मोहर:

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री बी० के० कूपैय चेट्टी और आदि (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी, 1976

निदेश स० 21/4/73/75-76:— यत्, मुझे, जी०

रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे स० 102/1 और 98, है, जो मोटूर गाव, गूडियातम मे स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूडियातम (पद्म स० 2161/75) मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) कनगसर्व गठनडर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिस्ताकरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

**प्राप्तीकरण :**—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

गूडियातम मोटूर गाव सर्वे स० 102/1 (60 सेन्टस) और 98 (1.25 एकड़ ) मे 1.85 एकड़ खे की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 16-1-76

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1976

निवेश सं० 21/4/74/75-76:—यतः, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० सवं स० 102/2 और 98 है, जो मोटूर गांव, गुडियातम मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडियातम (पत्र स० 2162/75) मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसमे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० के० कुर्पेय चेट्टी और प्रादि (अन्तरक)

(2) श्री पी० गोविन्दराजु गड्टन्टर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी वाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

गुडियातम, मोटूर गांव सखे सं० 102/2 (0.58 एकड़) और 98 (1.27 एकड़) मे 1.85 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 16-1-1976

मोहर :

प्र० रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1976

निदेश सं० 22/4/76/75-76:—यतः, मुझे, जी० राम-  
नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० है, जो पेरु मालपट्टी में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध में अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-  
स्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, करीबलमवन्दनलूर में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, 16 मई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः:—

(1) श्री पेरुमाल राजा और आदि (अन्तरक)

(2) श्री वेलुदेवर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेरुमालपट्टी सरवे सं० 298/1, 298/2, 299/2, 299/4  
और 299/3 में 13.26 एकड़ की भूमि (आधा भाग)।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 17-1-76  
मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०----

(1) श्री पेसमाल राजा और आदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी, 1976

निदेश सं० 22/4/75/75-76:—यतः, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो पेसमालपट्टी गाव में स्थित है (और उससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करीबलमवन्दनलूर (पत्र सं० 878/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्षीय गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि तक्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तेनकासी, पेसमालपट्टी, सखे सं० 298/1, 298/2, 299/2, 299/3, और 299/4 में 13 एकड़ और 26 सन्टस की भूमि ।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 17-1-76

मोहर :

प्रलेप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1976

निदेश सं० एफ० 2409/75-76.—यतः मुझे, जी० वी० शाबक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें वस्तुके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 5, फ्लाट स० 13-ए०, ग्रीम्स रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इसमें उपांत्रिका अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेण्ट स० 624/75) में, रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, यैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवितयों, अर्थात्:—

(1) श्री एम० मुरुधेस नायकर, एम० तिरुनाइकरमु  
और एम० आनन्दन और टी० गोविन्दसामि  
(अन्तरक)

(2) श्री पी० एन० नियागराजन, पी० एन० आरमुधम  
और पी० एन० सुब्रमनियन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता शुरू हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, ग्रीम्स रोड, फ्लाट सं० 13-ए०, मे 3 ग्रउन्ड और 450 स्क्युयर फीट की भूमि मे चौथा भाग (अपूर्ण मकान-ग्राउन्ड फ्लोर) (डाकुमेण्ट-624/75)

जी० वी० शाबक,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 16-1-76  
मोहर .

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी, 1976

निदेश सं० एफ० 1798/75-76:—यतः, मुझे, जी० बी०-  
शाबक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 2/144 ए, मौण्ट रोड मद्रास-6 है,  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस०-  
आर० II, मद्रास (डाकुमेन्ट 4003/75) में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
में 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के न्यूनतम प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ए की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—436GT/75

(1) श्री गुलाम मोहम्मद, मोहम्मद हुसैन और श्रीमती  
जमीला बेघम (अन्तरक)

(2) श्री पी० पी० मुस्ताफा; एम० पी० मुहम्मदतमन  
और श्रीमती अरुना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मद्रास -6, 2/144 ए० मौण्ट रोड में 3720 स्क्यूलर  
फीट जिसका आर० एस० सं० 35/35 भाग (ग्रउन्ड फ्लॉर और  
पहला फ्लॉर (डाकुमेन्ट सं० 4003/75)

जी० बी० शाबक  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 16-1-1976  
मोहर

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी, 1976

निदेश सं० एफ० 1813/75-76:—यतः, मुझे, जी० वी० शाबक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० है तथा जो 33, पहला मेयिन रोड, अड्यार, मद्रास-20 मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II, मद्रास (डाकुमेण्ट 3555/-75) मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए

अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री संयद अब्दुल रमाक बोहारि (अन्तरक)  
(2) श्री पम्मि बलरामन और श्रीमती पम्मि इन्दिरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-20, अड्यार, गांधीनगर पहला मेयिन रोड, प्लाट सं० 94, डोर सं० 33 मे 6 ग्रउन्ड की भूमि (मकान के साथ)

जी० वी० शाबक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 16-1-76  
मोहर

प्रस्तुति आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी, 1976

निदेश सं० एफ० 2507/75-76:—यतः, मुझे, जी० वी० ज्ञाबक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 251 और 252/1 उप्पिलिपालयम गांव (3.52 एकड़ि) मे॒ स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे॒ और पूर्ण रूप मे॒ वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिध्नलूर (डाकुमेण्ट सं० 562/75) मे॒, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मे॒ 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे॒ वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे॒ कमी करने या उससे बचने मे॒ सुविधा के लिए ; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे॒ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे॒ सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० आर० रामसामि

(अन्तरक)

(2) कोयम्बतूर मोदिन टूलस प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे॒ कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे॒ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे॒ से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे॒ हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे॒ किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमे॒ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे॒ परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे॒ विद्या गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर तालूका, उप्पिलिपालयम गांव मे॒ 3.52 एकड़ि की भूमि जिसका एस० सं० 251 और 252/1 (डाकुमेण्ट सं० 562/75)

जी० वी० ज्ञाबक,

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

तारीख : 16-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1976

निदेश सं० एफ० 2514/75-76:—यतः, मुझे, जी० वी० बाबक  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० डोरसं० 247 से 250 तक ब्रफ रोड, ईरोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 1, ईरोड (डाकुमेण्ट 1503/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ब्रव, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवधारिताः:—

(1) श्री एम० सेन्नियप्पन, मुरुगेसन (मैनर) और सुब्बरायन (मैनर) (अन्तरक)

(2) श्रीबी० आनन्दन और मोहन (मैनर) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षिय द्वारा, अप्रोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

ईरोड, ब्रफ रोड, डोर सं० 247 से 250 तक आधा भाग (भूमि श्रीर मकान) (डाकुमेण्ट सं० 1503/75

जी० वी० बाबक  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II मद्रास

तारीख : 16-1-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री के० राजाराम, मुरलिदरन (मैनर) (श्रीर सुरेश कुमार (मैनर) (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(च) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, विनाक 16 जनवरी 1976

निदेश स० एफ० 3339/75-76.—यर., मुझे, जी० वी०-  
माबक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 17 कील अनुसार कोयिल है तथा जो स्ट्रीट, विलुपुरम मेरि स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मेरि पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विलुपुरम (डाकुमेण्ट स० 579/75) मेरि, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिखित मेरि वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मेरी करने या उससे बचने मेरी सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मेरी सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मेरि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्—

(2) श्री सिरम्बरम चेट्टियार वेलैयन चेट्टियार, मुब्बम-मनियन चेट्टियार, वीरप्प चेट्टियार, रामलिङ चेट्टियार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मेरी कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मेरी प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मेरी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मेरी से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मेरी प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति मेरी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्त्हाक्षरी के पास लिखित मेरी किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मेरी परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मेरी दिया गया है।

अनुसूची

विलुपुरम, कील अनुसार कोयिल स्ट्रीट, डोर स० 17 मेरी भूमि और मकान (वाई स० 7)

सक्षम प्राधिकारी  
जी० वी० माबक,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
| अर्जन रेज-II कार्यालय मद्रास

तारीख : 16-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--

(1) श्री आर० रेगसामि नायुडू

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) कार्तिकेया फौण्ड्र

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 12 जनवरी

निदेश सं० 2495/75-76:—यतः, मुझे, जी० वी०

झाबक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डोर सं० 4/449, टी० एस० सं० 10/2981/1 ए० पुलियकुलम रोड, पाप्पनायकन्पालयम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित) है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 3, कोयम्बतूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख में 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: श्री 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, पाप्पनायकन्पालयम, पुलियकुलम रोड, डोर सं० 4/449, में 9620 स्क्युर फीट की भूमि (मकान के साथ)

जी० वी० झाबक  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II कार्यालय मद्रास

तारीख : 12-1-76

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री वेक्टराम गोण्डर, सी० वी० श्रीनिवासन,  
सी० वी० अथासामि (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत राजकार्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1976

निदेश म० 2498/75-76 —यत, मुझे, जी० वी०

साम्राज्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० नया टी० एस० स० 8/1360/5-सी० है तथा जो मेट्रोपालियम रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अन्तर्गत मै ग्रोर पूर्ण रूप में वरित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ज० एस० आर० 3, कोयम्बतूर मै, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन बर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

(2) श्री सी० वी० गोविन्दराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वाधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, मेट्रोपालियम रोड, डोर स० 12/274 (टी० एस० स० 8/1360/5 सी०) से 3461 स्क्युर फीट (मकान के साथ) (डाकु-मेट स० 2069/75)।

जी० वी० साम्राज्य  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 12-1-76

मोहर :

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती सेतुबास्करन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 12 जनवरी 1976

निदेश सं० 2759/75 76:—यतः, मुझे, जी० शाबक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 24ए-1, पेरियम गौण्डर स्ट्रीट, ईरोड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I, ईरोड, (डाकुमेण्ट सं० 1804/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः श्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) मुतुकुमार और मीनाक्षीमुन्दरेस्वरन 'मैनर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईरोड, पेरियम गौण्डर स्ट्रीट, डोर सं० 24ए-1 में 10608 स्कूपर फीट की भूमि (मकान के साथ)

जी० वी० शाबक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II मद्रास

•

तारीख : 12-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1976

निर्देश सं० अ० २०६० २/२०३५/३७८०/७५-७६:—अतः  
मुझे, एम० टी० माथन, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II बम्बई श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43  
(जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- है  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ९३ टि० पी० एम० III सी० टी०  
एस० नं० १२९६ और १२९६/१/२ है, जो विलेपालैं (पश्चिम)  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, बाद्रा,  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
१६) के अधीन, तारीख ३१-५-१९७५

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पच्छ  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती हुआ प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

13—436 GI/75

(1) श्री श्रुणकुमार रंगीलदास रसकापुरवाला और  
श्रीमती मंगलाबेन रंगीलदास रसकापुरवाला  
(अन्तरक)

(2) मैसर्स रचना वित्तडर्स प्राई० लि० (अन्तरिती)

(3) श्री रसिकलाल ए० ठक्कर और मैसर्स मेहता  
स्टोरर्स (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जे के  
लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

विलेपालैं टी० पी० एस० III का प्लाट नं० ९३, सी० टी०  
एस० नं० १२९६ और १२९६/१ और २ जो वल्लभभाई  
पटेल रोड, विलेपालैं पश्चिम में रित्त है माप से ९९३ वर्ग  
गज अर्थात् ८३०.२५ वर्ग मीटर है।

एम० जे० माथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रायकर [श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, बम्बई

तारीख : 13 जनवरी, 1976

मोहर :

प्रलृप प्राईंट टॉ० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 जनवरी 76

निरेण सं० फरीदकोट/237/75-76:—यतः मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है तथा जो, मुहल्ला हीरा नगर कोटकपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

(1) श्री बाबू सिंह सपुत्र श्री प्रिथी सिंह सपुत्र हीरा सिंह और मेहर सिंह सपुत्र श्री प्रिथी सिंह मार्फत श्री बाबू राम कोटकपुरा (अन्तरक)

(2) श्री गुरुमुख सिंह सपुत्र श्री चन्दा सिंह सपुत्र श्री श्री किरपाल सिंह वासी धन्यावाला (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है और किरायेदार अगर हो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान मुहल्ला हीरा नगर कोट कपुरा जैसा कि रजिस्ट्री-कूत विलेख नं० 312, मई, 1975 को रजिस्ट्रीकूत अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 16-1-76

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 16 जनवरी 1976

स० आर० ए० सी० 218/ 75-76:—यतः मुझे, के०  
एस० वेक्टरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-746 ने 748, 25-1-75 वी० /1 है, जो मार्केट स्ट्रीट में स्थित है (आँग इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

मत : अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्री जे० लक्ष्मण राव (2) जे० पुरुषोत्तम, (3) जे० श्रीनीवासुलु (4) जे० कृष्णामूर्ति (5) जे० वेक्टरामन राव 297, मारेडपल्ली, सिकन्द्राबाद (अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद वेक्टराल (2) मोहम्मद अयूब (3) मोहम्मद उसमान (4) मोहम्मद घोष, 7-2-75 अशोक नगर, सिकन्द्राबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

घर न० 7-1-746 से 748 आँर 27-1-75/वी० 1/ मार्केट स्ट्रीट, सिकन्द्राबाद थेटफल 295. 1 वर्ग गज।

के० एस० वेक्टरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 16-1-76

मोहर :

प्रलूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 16 जनवरी 1976

निर्देश स० 21/75-76/आई०ए० स०० (ए०/आर०)/बी०बी० प्र० आर०—यतः मुझे जि० वि० चान्द, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० होल्डी न० 435/सी० है, जो मौजा तुलसीपुर कटक में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जिला सब-रजिस्ट्रार कटक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-8-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः श्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपर्याप्ति :—

1 श्रीमति ए० ए० अनंतपुरानी, स्वामी भि० ए० स० ए० मानी

(1) ग्रन्थार्ण महान्ती,

(2) प्रयम्बद्ध महान्ती

(अन्तरक)

पिता भागवत चरण महान्ती

2. (1) मुरेण सेठ

(2) मनेजर बरौदा बैक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षता की तरीकी से लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मजिला मकान, तुलसीपुर मौजा में स्थित हैं, जिसकी वार्ड न० 2, होल्डी न० 435/सी० है। वह मकान 16-8-75 तारीख में, जिला सब-रजिस्ट्रार आफिस, कटक में रजिस्ट्रार हुआ, जिसकी डाकुमेट न० 4927 है।

जि० वि० चान्द  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भुवनेश्वर

तारीख: 16-1-76

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जनवरी 1976

निदेश म 312/अर्जन/आगरा/75-76/2398—यतः मुझे  
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी म० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार ही स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
24-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशाखा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) उत्तम चन्द्र पुत्र (स्व०) लाला पदम चन्द्र
- (2) श्री प्रताप चन्द्र पुत्र लाला (स्व०) पदम चन्द्र  
निवासी 21/12, फ्री बैंज, आगरा।  
(अन्तरक)
2. (1) श्रीमती गोमती कुंवर पत्नी श्री मंगी चन्द्र  
6/312, बोलमगज, आगरा।
- (2) श्रीमती मान कुंवर पत्नी श्री जवाहर लाल  
6/312, बोलन गंज, आगरा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

अचल सम्पत्ति नं० 21/31, जो फ्री गंज, आगरा में स्थित है  
45,750 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 17-1-76

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 जनवरी 1976

निर्देश स० आई० गा० भी०/एक्य०/11/2002/1018/75-76

—यत मुझे, पा० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म० एल० न० 20, ब्लाक न० ए-2, है, जो माडल टाउन, दिल्ली मे स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्वर्टा अधिकारी के कार्यालय दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 75 को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक्ष की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अ-तरक्ष (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् —

1 श्री जगदीश चन्द्र मन्देवा, सुपूत्र श्री दयाल दारा मन्देवा न-2/20, माडल टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2 म० पी० गा० ल० डावर एण्ड सस,

160, कटरा नवाब, चादनी चौक, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियो मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है ।

### अनुसूची

एक मजिला मकान जोकि तीन तरफ मे खुला है, 464 4 वर्ग गज क्षेत्रफल के फ्रीहोल्ड लाट पर बना है, जिसका न० 20, ब्लाक न० 2-ए, माडल टाउन, दिल्ली मे है । यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है —

पूर्व प्रिसीस रोड,  
पांश्चम जायदाद न० ए-2/23-ए  
उत्तर जायदाद न० ए-2/20ए  
दक्षिण जायदाद न० ए-2/19

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख. 15-1-76

मोहर .

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-2, दिल्ली

4/14-ग, प्रासाप ग्रली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० क्य०/11/2029/1017/75-76-  
यतः, मुझे एस० एन० एल० अप्रवाल

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1756, नाहर सादत खान है, जो सुशीला मोहन मार्ग, दिल्ली-6 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री शामजी मोहन, एडवोकेट, मुपुल श्री गिरधारी लाल, 1756, सुशीला मोहन मार्ग, नई बस्ती, नाहर सादत खान, दिल्ली-6

(अन्तरक)

2. श्री सुरीकृष्ण मोहन हंस तथा श्री जग नंदन लाल मुपुल श्री रतन लाल हंस, निवासी 1756, सुशीला मोहन मार्ग, नई बस्ती, नाहर सादत खान, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

3. श्री मंगल सेन (2) एम० एल० तैन (3) दौलत राम भट (4) रवीन्द्र नाथ (5) पौ० के० जैन निवासी 1756, सुशीला मोहन मार्ग, नई बस्ती दिल्ली-6 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक दुमंजिला मकान का 2/3 भाग जिनका सांझा बरांडा है, 240 वर्ग गज क्षेत्रफल के फीहोल्ड प्लाट पर बना है, जिसका नं० 1756, सुशीला मोहन मार्ग, नाहर सादत खान, नई बस्ती, दिल्ली-6 है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : जायदाद नं० 1755

पश्चिम : स्युनिसिपल स्कूल

उत्तर : अन्य की जायदाद

दक्षिण : श्री कान्ती प्रसाद का मकान

एस० एन० एल० अप्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-1-76

मोहर :

प्रूप आई०टी०एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जनवरी 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्र० 23-I-614(257)-1/1/75-76—  
यतः मुझे ज० कथूरिया, आयकर अधिनियम 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास बरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 29 टी०पी० एस० नं० 3, एफ० पी०  
नं० 46-50/8, है जो उसमानपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन 15-5-75 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के  
अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुभद्राबेन रमणलाल शाए,  
जूमार्फत रमेश पार्क ओ० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०  
[चॉक नं०-8, गांधीनगर, रोड, उसमानपुरा,  
अहमदाबाद ।

(अमरक)

2. श्री कचरा लाल शिवराम पटेल,  
बंगला नं० 8, रमेश पार्क को० आप० हाउसिंग सोसायटी  
लि० उसमानपुरा, अहमदाबाद-13 ।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक तीन मंजिल वाली अचल सम्पत्ति जो 217-09 बंग गज  
भूमि पर स्थित है, तथा जिसका सर्वे नं० 29, एफ० पी० नं० 46-  
50/8, टी०पी० एस० नं० 3, है तथा जो रमेश पार्क को० आप०  
हाउसिंग सोसायटी लि०, उसमानपुरा, अहमदाबाद में स्थित है ।

ज० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज I, अहमदाबाद

तारीख : 17-1-76

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 जनवरी 1976

निर्देश सं० 785-ए/अर्जन/सहायकरनपुर/2377/75-76—  
यत मुझे विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- सप्ते से अधिक है और  
जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनु-  
सार ही स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सहायकरनपुर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
11-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम',  
के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया या या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

14-436GI/75

1. मु० मुगरा पुरी शुब्राती  
निवासी खान आलमपुरा, जिला सहायकरनपुर।

(अन्तरक)

2. श्री ईरकान अहमद पुत्र मोहम्मद उमर  
निवासी सराय शाहजी, जिला सहायकरनपुर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति एक किता प्लाट क्षेत्रफल 2571/2 वर्ग गज  
जो मोहल्ला खान, आलमपुरा, जिला सहायकरनपुर मे स्थित है  
40,000 रु० मूल्य मे उपान्तरण किया गया है।

विजय भार्गवा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 8-1-76

मोहर:

## प्रूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सबणूर विलिंग धारवाड-580004

धारवाड-580004, दिनांक 14 जनवरी 1976

निर्देश सं० 96/75-76/ए० सी० क्य०—यतः मुझे पी० सत्यनारायणराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

जो शेषी जमीनें हैं कुर्डी ग्राम पंचायत (गोवा) के हृषे में कोटाली में स्थित हैं (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सांगवेम् में डॉक्युमेंट न० 51 के अन्तर्गत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-5-1975 के दिन को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, मिलाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री प्रकाश टिब्लो, उर्फ प्रकाश गामोटिम टिब्लो,
- (2) श्रीमती लता टिब्लो उर्फ दीपा टिब्लो,
- (3) श्री सतीश टिब्लो, उर्फ सतीश कामोटिम टिब्लो
- (4) श्रीमती भीना सतीश टिब्लो, उर्फ राधा सतीश टिब्लो, सभी भार्गव ब्राह्मी और ऊपर (1) में लिखा हुआ अपने गान्तीट्यूटेड आटर्नी में प्रतिनिधित (अन्तरक) (अन्तरिती)

2. मैसर्स टिब्लो आपो डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड, भार्गव, अपने डाइरेक्टर श्री गुरुदाम टिब्लो, उर्फ गुरुदाम कामोटिम टिब्लो, भार्गव (गोवा) से प्रतिनिधित। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सत्रंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-भद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

गोवा जिले वा तालूका और सबडिस्ट्रिक्ट सांगवेम् का कुर्डी ग्राम पंचायत के हृषे में कोटाली में स्थित 121 हेक्टर और 1,937 चदर मीटर अयथा 12, 11, 937 चदर मीटर विस्तीर्ण का शेषी जमीन, जिसका विवरण, 21-5-1975 के दिन सब-रजिस्ट्रार सांगवेम् के द्वारा रजिस्ट्रीड डॉक्युमेंट न० 51 दे प्राप्त है।

पी० सत्यनारायण राव  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड

तारीख : 14-1-1976  
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलाग

शिलाग, दिनांक 16 जनवरी 1976

निर्देश स० ००-१२१/शिलाग/७५-७६/४०३८-४६—यतः मुझे  
एडवर्ड सिंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी दस्तावेज स० २८६ है तथा जो वैन्योर, उमोरक्षा,  
शिलाग में स्थित है (प्रौढ़ इससे उनावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय शिलाग में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
15-९-७५

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती टवीलिन रामोर दाढ़फ आफ. सि० ए० बोरगोहाड़  
लखबा टि० ई० जिला मिब सागर,  
(अन्तरक)
2. श्रीमती डोरोथी साकिय, वाइफ आफ श्री ए० सि० साकिस,  
मेथोनी टि० ई० डाक घर, बैकाघात।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तन्मात्राद्वय व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन की माप 29,410 स्क्वायर कीट जिसको बेची हुई  
है दस्तावेज स० २८६, दिनांक सितम्बर, ७५ स्थित है वैन्योरउमोरक्षा  
शिलाग जिला खासी, जयती या हिलस, प्रदेश (मेघालय)।

एडवर्ड सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, शिलाग

तारीख: 16-1-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1976

निर्देश सं० ए० पी०-1418—यत्थे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी स० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1536, मई, 1975 में है तथा जो लिक रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्त 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यातियों, अर्थात् :—

1. श्री दीवान करता कृष्ण सुपुत्र श्री दीवान चन्द्र कोठी न० I लिक रोड (माडल टाउन नकोदर रोड), जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण कुमार कपूर सुपुत्र श्री केवल कृष्ण कपूर मकान न० एन० के० 272 चरणजीत पुरा, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हप्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1536 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर, में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 14-1-76

मोहर :

पर्याप्त आई० टी० एन० एस०-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 14 जनवरी, 1976

निर्देश सं० ए० पी०-1419—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन  
सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है और जिसकी  
सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1949 तथा 2015  
नं० 1893, मई, 1975 में है तथा जो लाजपत नगर, जालन्धर में  
स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अम्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था, या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री परमजीत सिंह सुपुत्र श्री महिन्द्र सिंह  
मार्फत श्री अमीचन्द्र कोठी नं० 335, लाजपत नगर,  
जालन्धर।  
(अन्तरक)

2. श्री सुचा सिंह सुपुत्र श्री केसर सिंह  
मार्फत अमीचन्द्र, 335 लाजपत नगर, जालन्धर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1893, 1949 तथा  
2015, मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में  
सिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 14-1-76

मोहर:

प्रस्तु आई० टी० एन० एस०—

(1) Shri Damera Mohanrao S/o Vaiabalu, Kakinada (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) Meila Surya Prabhakarao S/o Krishnamurthy,  
Kakinada  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

Acq File No. 283/J. No. EG/21/75-76.—

यतः, मुझे, B. V. SUBBARAO,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', यहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी वो, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स०

Survey Nos 99, 303—10, 305—3, 305—3, 205—5, 315—1,  
315—6, 315—7, 315—10, 315—14, 320—3, 320—4, 3020—  
8 and 32023 at Atchutapuratravayam,

है जो मैं स्थित हूँ, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
Kakinada में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, 15-4-1975 को  
पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित वा गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त गम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बावजूद अन्तरण के द्वारा व्यापक रूप से  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत उक्त अधिनियम, के अधीन वर देने के अन्तरक के दायित्व में  
करने या उसमें बनने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपग्राह (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45  
दिन की अवधि या नामवादी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45  
दिन के भीतर उस स्थावर मम्पत्ति में हितगढ़ विसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 2158 of the  
S.R.O. Kakinada registered during the fortnight ended  
15-4-1975

B. V. SUBBARAO,  
राधम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख : 15 दिसम्बर 1975  
मोहर :

प्रृष्ठ प 269 टी० एन० एस०

(1) Sri Chukkapalli Seshagiri Rao and Sri Chukkapalli Nageswara Rao.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

Acq. File No. 284/ J. Nos. 6 and 7/KR/75-76.—

यतः मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० 26-13-4/2 है, जो

Gandhinagar, Vijayawada

में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसंधान में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय Vijayawada में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापर्वत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है आर अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी शायद की बायत उक्त अधिनियम के अधीन पार करने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/पा

(घ) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) Chukkapalli Pichayya, Managing partner M/s Popular Shoe Mart, Vijayawada.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document Nos. 1162/75 and 1163/75 of the S.R.O., Vijayawada registered before the S.R.O., Vijayawada during the fortnight ended on 15-4-1975.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक : 15 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

Acq. File No. 286/J. Nos. I(1 & 37)/EG/75-76.—

यतः मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं०

23-1-84, 16th Ward, Rajahmundry

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Rajahmundry में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-75 and 15-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण एवं खित में वार्ताविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने नें सुविधा के लिए;

यतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) T. K. Krishnan, Old No. 16/265 New No. 23-1-84, K.V.R. Swamy Road, Rajahmundry.

(अन्तरक)

(2) Inamala Lalitamma W/o I. Somaraju, Door No. 23-1-84, 16th Ward, Rajahmundry.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजंन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्वसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document Nos. 1455/75 and 1874/75 of the S.R.O. Rajahmundry registered during the fortnight ended on 30-4-75 and 31-5-75 respectively.

B. V. SUBBARAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 23-12-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०—

(1) Mandavilli Jagannaikulu Visakhapatnam,

(अन्तरक)

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

Acq. File No. 289/J. No. VSP/4&amp;5/75-76.—

यतः, मुझे, B. V. Subbarao

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं०

16-6-3, Official Colony, Visakhapatnam,  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Visakhapatnam  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
15-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तथ याय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में बास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—436GI/75

(2) Miss I. Puvala Kasturi Bai D/o Venkatesarao  
2 Miss Puvala Venkatalakshmi Visakhapatnam.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1614/75 of  
the S.R.O., Visakhapatnam registered during the fortnight  
ended on 15-4-1975.

B. V. SUBBARAO,  
सक्षम अधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख 18-12-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

श्रजन रेज, KAKINADA

Kakinada, the 18th December 1975

Acq. File No. 290/I. No. 3(1)/FG/75-76.—

वन्तः मुझे, B. V. SUBBARAO,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

R.S. Nos. 35/12, 36 and 209/12 Total land Ac. 13-58 cents at Inapuram, में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Mummidivaram में भागतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हृद्दि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उम्मे यचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) गेंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्लियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में गुविधा के लिए;

वन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मध्येन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) Chekuri Venkatakrishnamraju and  
2 Shri Chekuri Satyanarayana Raju, S/o Ch. Ramalingai Kattenikona village, Mummidivaram Taluk.  
(अन्तरित)

(2) (1) Dantuluri Atchutaramaraju S/o Jagannadharaju  
(2) D. Jagannadharaju S/o Atchutaramaraju  
(3) D. Gajapati Raju  
(4) D. V. V. Satyanarayana Raju  
(5) D. V. Subbaraju  
(6) D. V. Suryanarayana Raju, Inapuram Mummidivaram Taluk.

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्ता सम्पत्ति के श्रजन के मामूल्य में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 809/75 of the R.S.O., Mummidivaram registered during the fortnight ended 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज, काकीनाडा

तारीख: 18-12-1976

मोहर:

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 31st December 1975

No. A-33012/1/75-Admn.III.—The services of Shri Panna Lal, Section Officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission are placed temporarily at the disposal of the Government of Haryana with effect from 31st December 1975 (AN) for executive training in Haryana.

P. N. MUKHERJEE  
Under Secy.  
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT  
(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)  
ENFORCEMENT DIRECTORATE  
New Delhi, the 29th October 1975

F. No. A-11/27/75.—On being prompted as Enforcement Officer, Shri V. Ranganathan Assistant, Enforcement Directorate, Madras Zonal Office is appointed as Enforcement Officer at Calicut Sub-Zonal Office w.e.f. 9th October 1975 (FN) and until further orders.

NRIPEN BAKSII  
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110001, the 31st December 1975

No. O. II-4/74-Estt.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri B. N. Muttoo, IPS (Punjab, 1945), IGP S/III, CRPF, relinquished the charge of his office on the afternoon of 30th November 1975.

No. F. 11/25/75-Estt(CRPF).—The President is pleased to permit Shri Harbhagwan Singh, Assistant Commandant, 31st Battalion, Central Reserve Police Force, to change his name as Shri Harbhagwan Singh Dhillon.

The 1st January 1976

No. F. 11/29/75-Estt(CRPF).—The President is pleased to permit Shri Jit Singh Rajput, Assistant Commandant, 31st Bn. CRP Force to change his name as Jit Singh Chauhan.

The 2nd January 1976

No. O.II-8/69-Estt.—Consequent on the expiry of the term of re-employment in the CRP Force, Brig K. M. Pandalai, (Retd.) relinquished the charge of the post of Deputy Director (Ops.), Directorate General, CRPF on the afternoon of 19th December, 1975.

A. K. BANDYOPADHYAY  
Assistant Director (Admn.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 27th December 1975

No. E-31015(1)/1/75-Ad.I.—On transfer to Dewas, Shri VG Thatte, relinquished the charge of the post of Vice Principal, Central Industrial Security Force Training College, Hyderabad with effect from the afternoon of 9th December 1975.

No. E-38013(3)/23/75-Ad.I.—On transfer from Durgapur, Shri R. P. Dube assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force, Bharat Heavy Electrical Limited (Heavy Electrical Equipment Plant) with Headquarters at Hardwar with effect from the forenoon of 12th December 1975.

No. E-38013(3)/23/75-Ad.I.—On transfer to Hardwar, Shri R. P. Dube relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Durgapur Steel Plant, Durgapur with effect from the afternoon of 9th December 1975.

The 29th December 1975

No. E-31015(1)/1/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint Assistant Commandant G. R. Khosla to officiate as Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Hindustan Copper Project, Khetri with effect from the forenoon of 7th December 1975, until further order and assumed the charge of the post with effect from the same date.

No. E-32015(1)/9/75-Ad.I.—On completion of the present term of his re-employment of one year, Lt. Col. M. Chatterjee relinquished the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Durgapur Steel Plant, Durgapur on the afternoon of 1st December 1975.

No. E-38013(3)/6/75-Ad.I.—On transfer to Haldia, Shri R. M. Dash, Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Fertilizer Corporation of India, Talchar, relinquished the charge of the said post with effect from the afternoon of 23-11-75 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Indian Oil Corporation, Haldia with effect from the afternoon of 8-12-75 *vice* Shri S. K. Mukherjee, who relinquished the charge of the said post with effect from the afternoon of 8th December 1975.

L. S. BISHU,  
Inspector General

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 2nd January 1976

No. 11/5/75-RG(Ad.I).—In continuation of this office Notification No. 11/5/75-RG(Ad.I), dated 2nd July 1975, the President is pleased to extend the period of *ad-hoc* appointment of Shri M. L. Sharma, Dy. Director of Census Operations in the office of Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, for a further period of one month with effect from 1st December 1975.

2. Shri M. L. Sharma will stand reverted to his original post of Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of Director of Census Operations, Madhya Pradesh, w.e.f. the forenoon of 1st January 1976.

3. Shri H. L. Kalla Investigator in the office of the Director of Census Operations, Jammu & Kashmir, Srinagar, appointed on purely temporary and *ad-hoc* basis as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, *vide* Notification No. 11/7/75-RG(Ad.I) dated 16th September 1975, will stand reverted to the post of Investigator in the office of Director of Census Operations, Jammu & Kashmir, Srinagar w.e.f. the forenoon of 1st January 1976.

The 5th January 1976

No. P/K(32)-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri H. L. Kalla, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Jammu & Kashmir, Srinagar as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal for a period of six months with effect from the date of his assuming charge of the post or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, on a purely temporary and *ad-hoc* basis.

The headquarters of Shri Kalla will be at Bhopal.

R. B. CHARI  
Registrar General, India &  
*ex-officio* Joint Secretary

New Delhi-110011, the 2nd January 1976

No. 10/19/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Tomar, Investigator in the office of the Registrar General, India as Assistant Central Tabulation Officer on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of six months with effect from the date of his assuming charge of the post or until further orders whichever is earlier.

The headquarters of Shri R. P. Tomar will be at New Delhi.

R. B. CHARI  
Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (CENTRAL REVENUES)

New Delhi, the 1st January 1976

No. Admin I/OO 755/55/Promotion/3265—The Accountant General, Central Revenues, has appointed the following permanent Section Officers of this office, to officiate as Accounts Officers, in the time scale of Rs. 840—1200, w.e.f. the dates shown against their names until further orders—

Name and Date of promotion as Accounts Officer

1 Shri L R Gupta, SO—17-12-1975 (F N)  
2 Shri S Mitra, SO—17-12-1975 (F N)

No. Admin I/OO (744)/55/Promotion/3245—The Accountant General, Central Revenues has appointed Sh. N. C. Nandi, a permanent Section Officer of this office, to officiate as Accounts Officer, in the time scale of Rs. 840—1200 w.e.f. 11-12-1975 (A N) until further orders

(Sd) HTEGIBLE  
Sh. Dy Accountant General (Admin.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, JAMMU AND KASHMIR

Srinagar, the 31st December 1975

No. Admin I/60(81)/75/76/4258-61—The Accountant General Jammu and Kashmir has appointed Shri P. N. Kaul Section Officer (Date of birth 13-4-1931) of this office to officiate as Accounts Officer with effect from 18th December 1975 until further orders

R P PAL  
Sr. Dy Accountant General (Admin.)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-700069, the 31st December, 1975

No. 5/75/A.M.—The undersigned is pleased to appoint the following officers with effect from the date indicated against each until further orders

S No	Name & Post	Posted at	Date
1	Dr P K Chand Ty Asstt Surgeon Gr I	Clothing Factory, Shahjahanpur	18-9-75 (F N)
2	Dr Ashok Puri Ty Asstt Surgeon Gr I	Clothing Factory, Shahjahanpur	20-9-75

R M MA/UMDAR  
Director General, Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE  
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-700016, the 23rd December 1975

No. 55/75/G—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of ADGOF Gr II/GM Gr II/Dy GM with effect from the dates shown against each

1	Shri N. Krishnamurthy Offg GM Gr II	9th October, 1972
2	Shri K. D. Kalra, Offg Dy GM	9th October, 1972
3	Shri R. M. Aptc, Offg Dy GM	9th October, 1972
4	Shri K. P. P. Menon, Offg ADG Gr II (Retd.)	20th December, 1972
5	Shri R. K. Mitra, Offg GM Gr II	1st January, 1973
6	Shri P. C. Shingla, Offg Dy GM	15th January, 1973
7	Shri T. V. Anandan, Offg Dy GM	12th March, 1973
8	Shri N. R. Das Gupta, Offg Dy GM	3rd April, 1973
9	Shri J. C. Roberto, Offg Dy GM (Retd.)	1st July, 1973

10	Shri M. A. D'Souza, Offg Dy GM	2nd August, 1973
11	Shri G. C. Singh Offg ADG, Gr. II	29th October, 1973
12	Shri K. D. Malhotra, Offg Dy GM	5th December, 1973
13	Shri V. P. Goel Offg ADG Gr. II	1st October, 1974
14	Shri K. Dwarkanath Offg ADG Gr. II	1st December, 1974
15	Shri S. K. Dutt, Offg ADG Gr. II	1st January, 1975

No. 56/75/G—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of Sr. DADGOF /Manager with effect from the dates shown against each

1	Shri K. L. Tandon Offg Manager	15th October, 1973
2	Shri A. K. Sen Gupta Offg Manager	15th October, 1973
3	Shri S. K. Mohanty, Offg Manager	15th October, 1973
4	Shri A. C. Gupta Offg Sr. DADGOF	15th October, 1973
5	Shri Kalidas Pal Offg Manager	15th October, 1973
6	Shri M. M. Agarwal, Offg Manager	15th October, 1973
7	Shri V. S. Tandon, Offg Manager	15th October, 1973
8	Shri B. Parthasarathy Offg Manager	15th October, 1973
9	Shri A. S. Bhattacharjee, Offg Manager	15th October, 1973
10	Shri C. S. Prabhakaran Offg Manager	29th October, 1973
11	Shri P. K. Ghosh Chowdhury, Offg Manager	5th December, 1973
12	Shri S. Krishnamurthy, Offg Manager	21st December, 1973
13	Shri V. Rajagopalan, Offg Manager	1st July, 1974
14	Shri Ram Gupta, Offg Manager	1st August, 1974
15	Shri S. Viswanathan, Offg Manager	1st September, 1974
16	Shri V. Padmanabhan Offg Sr. DADGOF	1st October, 1974
17	Shri M. S. Saxena, Offg Manager	1st October, 1974
18	Shri S. K. Shrivastava, Offg Manager	1st November, 1974
19	Shri S. R. Nair, Offg Manager	1st December, 1974
20	Shri R. Sundaram, Offg Manager	1st January, 1975
21	Shri J. Thomas, Offg Manager	1st March, 1975
22	Shri F. S. Krishnamurthy, Offg Manager	1st June, 1975

M. P. R. PILLAI  
Asstt Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR  
COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad 8260003 the 3rd January 1976

No. Admin I/2(17)G/75—Shri H. P. Sinha, Officiating Superintendent of Accounts has been appointed as Secretary to the Medical Superintendent, Central Hospital (F B Wing) Dhanbad on ad hoc basis w.e.f. 4-12-1975 (forenoon)

R. P. SINHA  
Coal Mines Welfare Commissioner  
Dhanbad

MINISTRY OF COMMFRCE  
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS &  
EXPORTS

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

New Delhi, the 30th December 1975

No. 6/192/58-Admn(G)/12293.—The President is pleased to appoint Shri R. C. S. Menon, Controller in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, Madras, to officiate as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta with effect from the forenoon of 17th November, 1975, until further orders.

The 31st December 1975

No. 6/429/56-Admn(G)/12304.—The President is pleased to appoint Shri R. Kumaravelu, permanent Controller as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Madras with effect from the forenoon of 4th November, 1975, until further orders.

No. 6/353/56-Admn(G)/8.—The President is pleased to appoint Shri K. M. R. Menon, permanent Controller Class-I as Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Hyderabad with effect from the forenoon of 31st October, 1975, until further orders.

(MISS) ROMA MAZUMDAR  
Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020 the 29th December 1975

No. FSI I-2(336).—Shri S. K. Chatterjee, Deputy Director (N.T.) in the Regional Office of the Textile Commissioner, Calcutta, retired from service from the afternoon of 30th November, 1975 on attaining the age of superannuation.

R. P. KAPOOR  
Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES  
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 30th December 1975

No. A-31014/1/74-Admn (G).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, the Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint the following officers in a substantive capacity to the permanent posts of Assistant Director (Gr. II) (Class II gazetted) in the General Administrative Division in the Small Industry Development Organisation with effect from the dates shown against each:—

Name of Officer	Date of confirmation
(1)	(2)
1. Shri S. Raghupathy, (Substantive Superintendent) Assistant Director (Gr. II), Small Industries Service Institute, Trichur. (Since retired from service)	8th April, 1970 Vice Shri N. K. Govil, confirmed as Assistant Director (Gr. II) (General Administrative Division.)
2. Shri S. B. Sen Gupta, (Substantive Superintendent) Assistant Director (Gr. II), Small Industries Service Institute, Kanpur.	8th April, 1970 Vice Shri Satish Chandra confirmed as Deputy Director (Marketing) in All India Handicrafts Board.
3. Shri A. Viswanathan, (Substantive Superintendent) Assistant Director (Gr. II), Small Industries Service Institute, Madras.	15th June, 1971 Vice Shri V. K. Vasudevan, retired.

(1)	(2)
4. Shri D. C. Karmakar, (Substantive Superintendent) Assistant Director (Gr. II), Small Industries Service Institute, Calcutta.	1st April, 1972
5. Shri P. K. Guha, (Substantive Superintendent) Assistant Director (Gr. II), Small Industries Service Institute, Jaipur.	1st April, 1972
6. Shri K. A. Ingam, (Substantive Superintendent) Assistant Director (Gr. II), Small Industries Service Institute, Hyderabad.	1st July, 1972 Vice Shri K. V. Narayanan, confirmed as Deputy Director (General Administrative Division).
7. Shri C. C. Roy (Substantive Superintendent), Assistant Director (Gr. II), Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi	10th November, 1972 Vice Shri S. Raghupathy, retired.
8. Shri R. R. Fouzdar (Substantive Superintendent), Assistant Director (Gr. II), Small Industries Service Institute, Patna.	19th July, 1973 Vice Shri V. D. Patwardhan, Retired
9. Shri R. S. Shinde, (Substantive Superintendent) Assistant Director (Gr. II), Small Industries Service Institute, Bombay.	1st August, 1973 Vice Shri J. C. Roy, Retired.

K. V. NARAYANAN,  
Director (Admn.)

DEPARTMENT OF SUPPLY  
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(Administration Section A-1)

New Delhi-110001 the 23rd December 1975

No. A-1/1(944).—Shri P. N. Shinde permanent Superintendent and officiating as Assistant Director (Administration) (Grade II) in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 30th November, 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 2nd January 1976

No. A-1/1(971).—Consequent upon the acceptance of his resignation, Shri C. S. Kataria, Assistant Director of Supplies (Gr. II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi has been relieved of his duties with effect from the afternoon of 14th December, 1975 to take up his new appointment of Assistant Director (Grade I) (Mechanical) in the Small Industries Service Institute Jaipur under the office of the Development Commissioner Small Scale Industries.

2. In terms of Rule 26 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972 the resignation of Shri Kataria from the post of Asstt. Director of Supplies (Gr. II) shall not entail forfeiture of his past service as he has resigned to take up, with proper permission, another appointment under the Government.

3. To cover the journey from New Delhi to Jaipur Shri Kataria has been granted earned leave for one day for 5th December, 1975 as applied for by him. Accordingly Shri Kataria ceased to be on rolls of this Dt. General with effect from the afternoon of 5th December, 1975.

K. L. KOHLI  
Deputy Director (Administration)  
for Director General, Supplies & Disposals

## MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 3rd January 1976

No. 57/B/2222(USR)/19A—Shri Uttam Singh Rawat, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 20th October 1975, until further orders.

V. K. S. VARADAN  
Director General

BOTANICAL SURVEY OF INDIA  
DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY  
(CENTRAL OFFICE)

Howrah-711103, the 31st December 1975

No. BSI-66/99/75-Fstt.—On recommendation of the UPSC the Director-in-Charge, Botanical Survey of India, hereby appoints Shri Krishna Pal Singh to the post of Botanist, Hqrs., Botanical Survey of India (in Wood, Pollen & Carpological Unit) Shibpore, Howrah, vice M. Chandrabose, Botanist, Hqrs., Botanical Survey of India, transferred to Southern Circle, Botanical Survey of India, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 plus usual allowances as admissible under rules, with effect from the forenoon of 4th November, 1975 in an officiating capacity, until further orders.

J. C. BANERJEE  
Accounts Officer.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL  
PUBLICITY

New Delhi, the 26th December 1975

No. A.12025/1/75-Est I.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Samar Dutta Gupta as Senior Artist in this Directorate on a regular basis with effect from the 25th November, 1975 until further orders.

R. L. JAIN  
Deputy Director (Admn.)

## DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 27th December 1975

No. 4(81)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Baraha Kumar Mohanty as Programme Executive, All India Radio, Cuttack in a temporary capacity with effect from the 1st December, 1975 and until further orders.

No. 4(119)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. R. N. Rizvi as Programme Executive, Radio Kashmir, Jammu in a temporary capacity with effect from the 28th November, 1975 and until further orders.

The 29th December 1975

No. 2/12/75-SII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. K. Gaur, SEA All India Radio, Kurseong to officiate in the grade of Assistant Engineer on Ad-hoc basis with effect from 10-11-75 at All India Radio Dibrugarh until further orders.

## CORRIGENDUM

No. 2/4/74-SII.—The date of appointment of Shri D. R. Mehta, Sl. No. 9 of this Directorate Notification No. 2/4/74-SII dated 15/18th January, 1975 may please be read as 3-1-75 instead of 3-1-74 as mentioned therein.

The 2nd January 1976

No. 5(124)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Piem Singh Deb, Transmission Executive, All India Radio, Leh as Programme Executive, All India Radio, Kanpur in a temporary capacity with effect from 17th November, 1975 and until further orders.

The 3rd January 1976

No. 2/4/75-SII.—The Director General, All India Radio hereby appoints the following officers in the cadre of Assistant Engineer in All India Radio in an officiating capacity at the Stations/Offices of All India Radio as shown against their names with effect from the dates mentioned against each until further orders.

S. No.	Name of Officer	Office/Station where posted	Date of appointment
1.	Shri Pratap Singh Dipa	T.V. Centre, A.I.R., Calcutta	27-11-75
2.	Shri Ramesh D. Wagulde	All India Radio, Bombay	9-12-65

P. K. SINHA  
Deputy Director of Admin.,  
for Director General

New Delhi, the 31st June 1972

No. 1/1/68-SVI.—The Director General, All India Radio has been pleased to appoint the following officers in the cadre of Programme Executive in All India Radio in a substantive capacity with effect from the date indicated against each—

S. No.	Name of Officer	Date of Confirmation
1.	Shri J. N. Kam Ipur	1-3-1963
2.	Shri B. L. Malhotra	15-6-1967

Their confirmation is subject to the condition that they will be liable to transfer any time to service under a Public Corporation and that on such transfer they will be liable to the conditions of service to be laid down for the employees of that Corporation.

SHANTI LAL  
Deputy Director of Administration,  
for Director General.

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 30th December 1975

No. 17-34/75-Admn.I.—Dr. V. A. Moghe assumed charge of the post of Assistant Drugs Controller (India) in the Directorate General of Health Services on the forenoon of 9th December, 1975.

The 31st December 1975

No. 13-3/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. N. C. Sangal in a substantive capacity to the permanent post of Dentist at the Willingdon Hospital & Nursing Home, New Delhi, with effect from the 14th September, 1973.

The Director General of Health Services is also pleased to appoint Dr. Inderjit Singh, in a provisional substantive capacity to the permanent post of Dentist at the Safdarjung Hospital, New Delhi with effect from the 14th September, 1973.

S. P. JINDAL  
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 1st January 1976

No. 12-56/72-Admn.I.—On the expiry of his term of re-employment, Shri B. Mukherjee, Section Officer in the Directorate General of Health Services, relinquished charge of the post of Section Officer in the Directorate General of Health Services on the forenoon of 1st December, 1975.

The 3rd January 1976

No. 36-1/75-CHS.I(Vol.II).—Consequent on her transfer Dr. (Smt.) Usha Kachru an Officer of G.D.O. Grade II of the C.H.S. relinquished charge of the post of Junior Medical Officer in the Safdarjang Hospital, New Delhi, on the afternoon of the 30th June, 1975 and assumed charge of the post of J.M.O. (G.D.O. Grade II of the C.H.S.) in the Willingdon Hospital, New Delhi on the afternoon of the 30th June, 1975 on the existing terms and conditions until further orders.

R. N. TIWARI  
Deputy Director Administration (CHS)

New Delhi, the 1st January 1976

No. 16-42/74-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. V. Nerurkar, Store Superintendent, Govt. Medical Store Depot, Bombay as Assistant Depot Manager, in the Medical Stores Organisation, on temporary basis with effect from 6th November 1975 (F.N.) at the Medical Store Depot, Bombay until further orders.

This supersedes Directorate's Notification of even number dated 1-12-75.

The 3rd January 1976

No. 16-3/75-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri T. J. Palanivelu, as Assistant Depot Manager, in the Medical Store Depot, Calcutta, with effect from the forenoon of 17th November, 1975 until further orders.

SANGAT SINGH  
Deputy Director Administration (Stores)  
for Director General of Health Services

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)  
DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINE & STORAGE

Faridabad, the 30th October 1975

No. 82-5/74-PP&L.—In pursuance of paragraph 16 of the Notification of the Government of India in the late Department of Education, Health and Lands No. F.320-35-A, dated the 20th July, 1936, I, the Plant Protection Adviser to the Government of India, hereby authorise all officers in charge of the Plant Quarantine and Fumigation Stations in India for the purpose of the said paragraph.

S. N. BANERJEE  
Plant Protection Adviser

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Nagpur, the 3rd January 1976

No. 3(44)/9/72-D.II.—In exercise of the powers conferred by the Finance Department (Central Revenues) Customs notification No. 12 dated the 9th June, 1945 and Customs Notification No. I-camp dated 5th January, 1946 and Government of India, Ministry of Finance (Revenue Division) Customs Notification No. 6 dated the 5th February, 1949, and Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification No. 64 dated the 17th June, 1961 I hereby authorise S/Shri V. Balarama Murthy and K. Koteswara Rao, Marketing Officers, to issue Certificates of Grading, from the date of issue of this notification, in respect of Tobacco, which has been graded in accordance with the Tobacco Grading and Marking Rules, 1937 (as amended) and export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

E. S. PARTHASARATHY  
Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 11th December 1975

No. PA/81(135)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Krishnan Chandran, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of November 1, 1975, until further orders.

No. PA/81(124)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Shaileshwar Das Singh a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN  
Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-400085, the 31st December 1975

No. B/620/Acts/Estt.VII.—In continuation of Notification No. B/620/Acts/Estt.III/547 dated July 22, 1975, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Shankar Vishnu Bhave, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant to officiate Assistant Accounts Officer in this Research Centre from 1-8-1975 to 26-9-1975 AN on ad-hoc basis.

V. P. CHOPRA  
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500040, the 23rd August 1975

Ref. No. NFC/Adm/22/13(2)/1097.—The Officer on Special Duty, Nuclear Fuel Complex, appoints Sri V. Hanumantha Rao, Assistant Accountant, as Assistant Accounts Officer, on ad-hoc basis, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad for the period from 21-7-1975 to 29-2-1976 or until further orders, whichever is earlier.

S. P. MIATRE  
Senior Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 17th December 1975

No. DPS/A-32011/2/75-Est.—Director, Purchase and Stores appoints Shri P. W. D'Lima, a temporary Storekeeper in the Stores Unit (D.P.S.), T.A.P.S. Tarapur of the Directorate of Purchase and Stores as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200 in the same Directorate with effect from April 28, 1975 to June 9, 1975, vice Shri V. P. Tiloo, Assistant Stores Officer granted leave.

No. DPS/A-32011/2/75-Est.—The Director, Purchase and Stores appoints Shri Nellyvai Haribara Aiyar Krishnan, a permanent Upper Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Accountant of this Directorate to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—1 B—40—960 with effect from 4-12-1975 to 3-1-1976, vice Shri G. L. Haldipur, Assistant Accounts Officer promoted as A.O. II.

No. DPS/A-32011/2/75-Est.—The Director, Purchase and Stores appoints Shri Gajanan Laxmanrao Haldipur, a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer of this Directorate to officiate as Accounts Officer (II) in the scale of pay of Rs. 840—40—100—EB—40—1200 with effect from 4-12-1975 to 3-1-1976 vice Shri M. H. Narwani, Accounts Officer (II) granted leave.

B. G. KULKARNI  
Assistant Personnel Officer

## REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam the 24th December 1975

No. RRC-II-1(128)(10)/75.—Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Sarvashri PALAKKAN MAYANKUTTY and PERAMBUR VENKATARAMAN RAJAGOPALAN as Scientific Officers/Engineers Grade SB in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Reactor Research Centre, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of December 5, 1975 and December 10, 1975 respectively, until further orders.

K. SANKARANARAYANAN  
Senior Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-110003, the 2nd January 1975

No E(1)04260.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri T. M. Sambamurthy, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 15-12-1975 to 12-3-1976.

Shri T. M. Sambamurthy, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

No. E(1)05438.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. K. Madan, Prof. Asstt., Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi as Asstt. Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 17-11-1975 to 13-2-1976.

Shri Madan, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

The 5th January 1976

No E(1)04227.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Amarendra Kumar Dutta, Professional Assistant Office of the Director, Regional Meteorologist Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of forty-two days with effect from the forenoon of 4-12-1975 to 14-1-1976.

Shri A. K. Dutta, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

M. R. N. MANIAN  
Meteorologist  
for Director General of Observatories

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 31st December 1975

No. A.32014/1/75-FC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri C. R. Narayanan, Communication Assistant, in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department at Aeronautical Communication Station, Begumpet as Assistant Communication Officer w.e.f. the 6th Dec, 1975 and to post him at the Aeronautical Communication Station, Bombay

V. V. JOHRI  
Assistant Director (Administration)  
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 31st December 1975

No. A.12025/4/75-FC.—The President is pleased to appoint Shri Jai Bhagwan Danwar as Technical Officer at the Aeronautical Communication Station, Bombay on a temporary basis with effect from the 1st December, 1975 (F.N.) until further orders.

V. V. JOHRI  
Assistant Director of Administration

New Delhi-110022, the 31st December 1975

No. A-32013/2/75-L(H).—The President has been pleased to appoint Shri D. N. Bhardwaj, Deputy Director of Air Routes & Aerodromes (Planning) as Director of Air Routes & Aerodromes (Planning) in the Civil Aviation Department with effect from the afternoon of the 31st December, 1975 and until further orders.

T. S. SRINIVASAN  
Assistant Director of Administration

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 31st December 1975

No. 1/247/75-EST.—The Director General, O.C.S., has accepted the resignation from Government Service of Shri P. C. Malhotra, Officiating Assistant Engineer, Project Office, New Delhi, with effect from the forenoon of the 8th February, 1975.

P. K. G. NAYAR  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General

## CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Allahabad, the 24th December 1975

No. 171/1975.—Shri Harish Chandra Verma, officiating Administrative Officer of Customs previously posted in the Customs Division, Gorakhpur, handed over the charge of the office of the Administrative Officer of Customs Division, Gorakhpur on 31-7-1975 (afternoon) to Shri A. N. Gaur, Superintendent, Customs of Customs Division, Gorakhpur and retired from Government service with effect from the said date and hour.

The 31st December 1975

No. 172/1975.—Shri Bharat Singh, confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Mirzapur and appointed to officiate as Superintendent of Central Excise, Class II (New Group 'B'), until further order, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-, vide this office Establishment Order No. 314/1975, dated 23-10-1975, issued under endorsement C. No. II-(3)2-E/ET/5, dated 23-10-1975, assumed charge of the office of the Superintendent, Central Excise, Group 'B' in the Central Excise, Collectorate Hdqrs. Office Allahabad on 10-12-1975 (forenoon).

H. B. DASS  
Collector  
Central Excise, Allahabad

## OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Patna, the 5th January 1976

C. No. II(7)5-ET/75/124.—In pursuance of this office Fstr. order No 349/75 dated 9-9-75 issued under endt. C. No II(3)43-ET/B/L/53338-58 dated 11-9-75 appointing Sri Janki Saran Prasad, Inspector (S.G.) of Central Excise and Customs to officiate as Superintendent of Central Excise Class-II in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- plus usual allowances as admissible under rule. Sri Janki Saran Prasad assumed charge as Superintendent Customs (Prev), Motihari in the forenoon of 17-10-75.

H. N. SAHU  
Collector  
Central Excise, Patna

Nagpur-440001, the 31st December 1975

No. 33/75.—Consequent upon his appointment as Officiating Superintendent Central Excise, Class II, Shri B. Singh, Inspector of Central Excise (S.G.) of Nagpur Collectorate has assumed charge of the Superintendent, Central Excise (Central Statistics Exchange), Hqrs. Office, Nagpur in the forenoon of 1st December 1975.

(Central Statistics Exchange), Hqrs. Office, Nagpur, in the forenoon of 1st December, 1975.

R. N. SHUKLA,  
Collector  
M. P. & Vidarbha

Delhi, the 2nd January 1976

ESTABLISHMENT

No. 154.—Shri Krishan Dev, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, Delhi appointed to officiate as Superintendent, Central Excise Class-II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-, assumed the charge of the Office of Superintendent, Customs Refund, Hqrs. Office, New Delhi (against the vacancy caused on retirement of Shri P. S. Bedi) in the afternoon of 18-12-75.

M. S. MEHTA  
Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 5th January 1976

No. A-32012/9/75-Adm.V.—On the recommendations of Departmental Promotion Committee (Class-II), the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint the following Research Assistants [presently officiating as Assistant Research Officer (Engineering) on an ad-hoc basis], to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-, on a regular basis, in an officiating capacity, until further orders, with effect from the 10th December, 1975 (forenoon):—

1. Shri M. S. Shitole
2. Shri Satirath Guha
3. Shri V. Ramanathan
4. Shri I. Z. Poonawala
5. Smt. Valsala K. Appukuttan
6. Shri A. G. Kalc.

2. The above officers will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (Engineering), Central Water and Power Research Station, Poona, for a period of two years, with effect from the above date.

No. A-32012/9/75-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Class-II), the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint the following Research Assistants to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-, on a regular basis, in an officiating capacity, until further orders, with effect from the 10th December, 1975 (forenoon):—

1. Shri B. P. Shah
2. Shri P. G. Markande
3. Shri M. J. Khurjekar
4. Shri K. R. Shah
5. Shri P. S. Khare
6. Shri P. B. Deolalikar
7. Shri V. R. Dravid.

2. The above officers will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (Engineering), Central Water and Power Research Station, Poona, for a period of two years, with effect from the above date.

No. A-19012/555/75-Adm.V.—Consequent on the recommendation of the Departmental Promotion Committee (Class-II), the Chairman, Central Water Commission, is pleased to appoint Shri V. M. Shaligram, Research Assistant (Mathematics), Central Water and Power Research Station, to the post of Assistant Research Officer (Scientific-Mathematics Group) in the Central Water and Power Research

Station, Central Water Commission, Poona in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-, in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 17th November, 1975.

Shri V. M. Shaligram will be on probation for a period of two years with effect from the above date and time.

No. A-32012/1/70-Adm.V(Vol.II).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Class-II), the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint the following Research Assistants (presently officiating as Assistant Research Officer (Chemistry) on an ad-hoc basis), to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group) in the Central Water Commission, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-, on a regular basis, in an officiating capacity, until further orders, with effect from 15-12-1975 (F.N.):—

1. Shri S. K. Ukil
2. Shri R. S. Anand
3. Shri S. S. Sachar
4. Shri K. N. Nair.

The above officers will be on probation in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group), for a period of two years, with effect from the above date.

No. A-19012/554/75-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri J. G. Padale, Research Assistant (physics), to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Physics Group) in the Central Water & Power Research Station, Poona, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on a purely temporary and *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 15th November, 1975 upto 29-2-1976, or till such time as the vacancies in the grade are filled on a regular basis, whichever is earlier.

K. P. B. MENON  
Under Secretary,  
For Chairman, C.W. Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 29th December 1975

No. 3-413/75-CH(Estt).—Shri N. K. Prasad is hereby appointed to the post of Assistant Hydrogeologist GCS (Class II gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Gauhati w.e.f. 2-11-75 (F.N.) till further orders.

The 30th December 1975

No. 3-349/74-CH(Estt).—Consequent on his selection by U.P.S.C., Shri S. K. Bose is hereby appointed to the post of Asstt. Hydrogeologist GCS Class-II (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Calcutta w.e.f. 1-12-75 (F.N.) till further orders.

D. S. DESHMUKH  
Chief Hydrogeologist & Member

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 1st November 1975

No. 27-E/S(41)/70-ECII.—Shri V. C. Sarna Executive Engineer Central P.W.D. working as Executive Engineer (Valuation) I.T. Department, Rohit House 3, Tolstoy Marg, New Delhi, on attaining the age of superannuation (58 years) retired from Govt. service on 31-10-75 (A.N.).

No. 27-E/G(8)/69-ECII.—Shri C. B. Gupta, Executive Engineer, Central P.W.D. at present on deputation to Central Vigilance Commission, New Delhi as Technical Examiner on attaining the age of superannuation 58 years retired from Govt. service on 31-12-75 (A.N.).

P. S. PARWANI  
Dy. Director of Admin

**CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY**

New Delhi-110022, the 1st December, 1975

No. 6/2/7-Adm. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the following Technical Assistants/ Graduate Supervisors to the grade of Extra Assistant Director/ Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the dates shown against their names, until further orders :—

1. Shri S. G. Gupta	10-10-75 (F.N.)
2. Shri A. S. R. Gupta	10-10-75 (F.N.)
3. Shri R. B. Singhal	24-10-75 (A.N.)
4. Shri B. P. Sood	1-11-75 (F.N.)
5. Shri R. K. Bhatt	5-11-75 (F.N.)

The 2nd January 1976

No. 6/2/75-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the following Technical Assistants/ Graduate Supervisors to the grade of Extra Assistant Director/ Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the dates shown against their names until further orders :—

1. Shri Lakshmi Narain-II, 1-10-75 (F.N.)
2. Shri S. Srinivasan, 29-11-75 (F.N.)

I. D. CHOPRA, Section Officer,  
for Chairman

**NORTHERN RAILWAY**

**HEADQUARTERS OFFICE**

New Delhi, the 12th December 1975

No. 16.—On expiry of the Leave preparatory to retirement Shri S. K. Banerjee, officiating Divisional Mechanical Engineer, Jodhpur, Northern Railway retired finally from Railway Service w.e.f. 30-9-1975 A.N.

V. P. SAWHNEY, General Manager

**NORTHEAST FRONTIER RAILWAY**

**GENERAL MANAGER'S OFFICE**

**(PERSONNEL BRANCH)**

Pandu, the 26th December 1975

No. E/55/III/96(O).—Shri A. K. Gupta who was appointed as a Probationer in the Electrical Engineering Department is confirmed as Assistant Electrical Engineer in the Junior Scale with effect from 27-11-74.

H. L. VERMA, General Manager

**OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES**

**DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS**

Hyderabad, the 17th October 1975

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of "Mehar Publications (Andhra) Private Limited."*

No. 524/T.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the "Mehar Publications (Andhra) Private Limited" unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN, Registrar of Companies  
Andhra Pradesh.

Madras-6, the 23rd December 1975

No. 3577/Liqn/S.560/75.—Whereas Madras Match Marketing Corporation Private Limited (In Liq.) having its registered office at No. 117, Sandapettai Street, Madurai is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and the affairs of the company have been completely wound up and that the statutory returns required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Madras Match Marketing Corporation Private Limited (In Liq.) will, unless cause is shown to the contrary be struck off the register and the company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of the Peralyur Bharath Ginning Factory Private Limited (In Liquidation).*

No. 2131/Liqn/S. 560(5)75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of "The Peralyur Bharat Ginning Factory Private Limited (In Liquidation) has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

P. ANNAPURNA, Addl. Registrar of Companies.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Central Construction Company Private Limited.*

Bombay, the 26th December 1975

No. 3539/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Central Construction Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN, Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ideal Tools Pvt. Ltd.*

Delhi, the 31st December 1975

No. 4053/6852-53/19775.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ideal Tools Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C. KAPOOR, Asstt. Registrar of Companies,  
Delhi

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of "the Shafi Polythene Enterprises Private Limited."*

Pondicherry, the 30th December 1975

No. 108/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the "Shafi Polythene Enterprises Private Limited", has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

SEETHARAM, Registrar of Companies,  
Pondicherry

**COMPANY PETITION NO. 9 OF 1973**

*In the matter of Premier Credit & Motors Pvt. Ltd. Section 445 of the Companies Act, 1956*

**NOTICE**

Kanpur, the 1st January 1976

No. 2/2728-Liqn.—By an order dated 31-7-73 in Company Petition No. 9 of 1973 of the Hon'ble High Court of Judicature at Allahabad, it has been ordered to wind up the Premier Credit and Motors Pvt. Ltd. and the Official Liquidator has been appointed its liquidator.

S. C. BASU, Registrar of Companies,  
U.P. Kanpur.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF  
WEALTH TAX  
WEALTH-TAX DEPARTMENT (CENTRAL )

Bombay, the 16th September 1975

No. R 18/WI/75-76.—The Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and other particulars relating to the assessees who have been assessed under Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) on the net wealth exceeding Rs. 10 lakhs during the Financial Year 1974-75, and has therefore in exercise of the powers conferred by section 42A of the said Act, and all other powers enabling it in this behalf, directed that the names and other particulars of the assessees aforesaid be published, wherein the first appeal has either been disposed of or the time for presenting the first appeal has expired where an appeal has not been presented, indicating: (i) 'I' for Individual, (ii) Asstt. year, (iii) figures of wealth returned, (iv) wealth assessed (v) Wealth-tax payable by the assessee and (vi) Wealth-tax paid by the assessee, the same are hereby published.

1. Miss Alka Mohanlal, 67-A, Piramal Bhuvan, Worli, Bombay-18.  
(i) I, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 12,42,056, (iv) Rs. 12,42,056, (v) Rs. 22,261, (vi) Rs. 22,261.
2. Miss Alpana Mohanlal, 67-A Piramal Bhuvan, Worli, Bombay-18.  
(i) I, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 12,74,830, (iv) Rs. 12,74,830, (v) Rs. 23,246, (vi) Rs. 23,246.
3. Miss Archana Mohanlal, 67-A Piramal Bhuvan, Worli, Bombay-18.  
(i) I, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 10,83,690, (iv) Rs. 10,83,690, (v) Rs. 17,511, (vi) Rs. 17,511.
4. Smt. Vijaya Mohanlal, 67-A Piramal Bhuvan, Worli, Bombay-18.  
(i) I, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 13,61,600, (iv) Rs. 13,61,600, (v) Rs. 25,846, (vi) Rs. 25,846.
5. Smt. Bhatia Mohini I., 101, Commerce House, Nagindas Master Road, Bombay.

(i) I, (ii) 1968-69, (iii) Rs. 12,08,523, (iv) Rs. 16,52,110, (v) Rs. 20,042, (vi) Rs. 20,042, (ii) 1969-70, (iii) Rs. 13,14,008, (iv) Rs. 18,01,492/- (v) Rs. 22,037, (vi) Rs. 22,037, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 13,72,993, (iv) Rs. 18,80,650, (v) Rs. 24,016, (vi) Rs. 24,016.

6. Shri Bhatia Prakash I., 101, Commerce House, Nagindas Master Road, Bombay.

(i) I, (ii) 1966-67, (iii) Rs. 8,78,280, (iv) Rs. 15,69,384, (v) Rs. 18,388, (vi) Rs. 9,830, (ii) 1967-68, (iii) Rs. 9,28,316, (iv) Rs. 16,79,684, (v) Rs. 20,594, (vi) Rs. 13,596, (ii) 1968-69, (iii) Rs. 9,54,763, (iv) Rs. 17,51,624, (v) Rs. 22,032, (vi) Rs. 18,115, (ii) 1969-70, (iii) Rs. 9,62,971, (iv) Rs. 17,78,870, (v) Rs. 26,471, (vi) Rs. 26,471, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 9,71,092, (iv) Rs. 18,22,488, (v) Rs. 27,562, (vi) Rs. 27,562.

7. Shri Desai Dhamnsinh D., 24, Bielvi Sayed Abdulla Road, Bombay.

(i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 16,10,843, (iv) Rs. 18,01,000, (v) Rs. 54,080, (vi) Rs. 54,080, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 13,03,122, (iv) Rs. 13,03,120, (v) Rs. 24,094, (vi) Rs. 24,094.

8. Smt. Lalita Gopikisan, 61, Piramal House, Worli, Bombay-18.

(i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 10,70,200, (iv) Rs. 10,70,200, (v) Rs. 17,106, (vi) Rs. 17,106, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 11,36,924, (iv) Rs. 11,36,924, (v) Rs. 19,108, (vi) Rs. 19,108.

S. N. SASTRI, Commissioner of  
Wealth-tax, (Central), Bombay

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

Ahmedabad, the 7th January 1976

CORRIGENDUM

No. PR.268/13-7/75-76-2545.—In the Gazette of India, dated 13-12-1975 (Part. III-Section 1) at page 10714 the name of the place of property and the name of registering office may be read as *Mehmedabad* instead of *Ahmedabad*.

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1976

Ref. No. IAC. Acq.III/SR.III/May/296(12)/75-76/6062.—  
Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under  
Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
4994/5, Sant Nagar situated at Karol Bagh, New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at  
New Delhi on 27-4-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

(1) Shri Subhash Chander Sood s/o late Shri Hari Chand Sood, R/o Ahata Baba Shiv Dayal Bedi, Saharanpur (U.P.) for self and as G.A. of Smt. Ram Piari w/o late Shri Hari Chand Sood and Rakesh Chander Sood, S/o late Shri Hari Chand R/o Ahata Baba Shiv Dayal Bedi, Saharanpur (U.P.).

(Transferor)

(2) Shri Bhura Mal S/o Shri Bishamber Dayal,  
R/o 5092, Rui Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A lease-hold rights and structure of property No. 4994 in  
Sant Nagar, Karol Bagh, New Delhi, opposite Prehlad Market,  
Khewat No. 1, Khatuni No. 2331, Block-S, Khasra No. 3324/719, area 124 sq. yds. on plot No. 71 and bounded as under :—

North : Pyare Lal Road  
East : Gali  
South : Gali  
West : Property No. 4995.

S. C. PARIJA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 9-1-1976

Seal ;

## FORM ITNS

(1) Shri Sasmit Singh S/o Shri Amar Singh,  
R/o 2/3C, Auckland Mansion, Acharya Jagdish  
Bose Road, Calcutta.  
(Transferor)

(2) Smt. Balwant Kaur W/o Shri Gurbachan Singh,  
R/o 11, Rowland Road, Calcutta-20.  
(Transferee)

(3) (1) M/s. Sethi Sons,  
(2) M/s. Doller Electrical Industries,  
(3) M/s. Swaran Electric Co. 4 M/s. Degee Traders  
(5) Shri Harminder Singh 6. M/s. Kapoor Sons  
(7) Shri Harish Bhargava,  
All residents of 1802/II, Bhagirath Place, Chandni  
Chowk, Delhi.  
(Person(s) in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR  
NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1993(1014)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 1802, Ward No. II situated at Bhagirath Place, Chandni Chowk, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storeyed house constructed on a plot of land measuring 103.75 sq. yds. situated at No. 1802, Ward No. II, Bhagirath Place, Chandni Chowk, Delhi and bounded as under:—

North : Railway Quarters.  
East : Lane Road 8 ft. wide.  
South Property of Smt. Gindo Devi.  
West : Property of others.

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 9-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Chaman Lal Jain S/o Shri Rishmal Jain,  
R/o House No. 82, Block C, Azad Nagar West,  
Delhi-51.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (1) Shri Ramesh Chand Khanna S/o Shri Hari  
Narain Khanna,  
(2) Smt Asha Khanna W/o Shri Ramesh Chand  
Khanna R/o 513/2, Devlok Estt Gandhi Nagar,  
Delhi-31.  
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR  
NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1976

Ref No IAC/Acq II/329/(1015)/75-76—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C/82 situated at West Azad Nagar Shahdara, Delhi-51,  
(and more fully described in the  
schedule annexed hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Delhi in May 1975.

for an apparent consideration which is less  
than the fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of a single storied house constructed on a plot  
of land measuring 78 sq. yds. situated at Plot No. C/82, West  
Azad Nagar, Shahdara, Delhi-51 and bounded as under :—

North : Plot No. 83.  
East : Plot No. 84.  
South : Road.  
West : Plot No. 80.

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date . 9-1-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Jiwan Kumar S/o Shri Om Parkash  
R/o 1246-C East Rohtas Nagar Delhi-32.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR  
NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/346/1016/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 325 House No. 1246C situated at East Rohtas Nagar, Near Ludhiana Bldg. Shahdara Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Om Parkash S/o Shri Buta Ram  
R/o 1246-C, East Rohtas Nagar, Shahdara, Delhi-32.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Single storeyed house construction of a plot of land measuring 210 sq. yds. situated at No. 1246-C, Plot No. 325, East Rohtas Nagar, Near Ludhiana Building, Shahdara, Delhi.

S. N. L. AGARWALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. Rama Krishna S/o late Dr. Ram Pershad  
R/o H. No. 138, Pul Mithai, Teliwara, Delhi.  
(Transferor)

(2) Swinder Kumar Singh Luthra, and Shri Virinder  
Kumar Luthra,  
s/o Shri Mulak Raj Luthra R/o Gali No. 1,  
Block No. 6, H. No. 6224, Dev Nagar, Karol Bagh,  
New Delhi,  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th January 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/May/294(10)/75-76/6126.—  
Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 192, Block-L situated at Naiwala, Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-5-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXI of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One half share of lease-hold rights in respect of plot No. 192, measuring 267 sq. yds. (40'×60') bearing Khasra No. 192, Khewat No. 1, Khatauni No. 659, in Block-L in Naiwala Estate, Karol Bagh, New Delhi on Desh Bandhu Gupta Road, and bounded as under :—

East : Khasra No. 193.  
West : Khasra No. 191.  
North : Desh Bandhu Gupta Road.  
South : Service Lane.

S. C. PARIJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 14-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. Rama Krishna S/o late Dr. Ram Pershad  
R/o H. No. 138, Pul Mithai, Teliwara, Delhi,  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th January 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/CR.III/May/272(2)/75-76/6126.—  
Whereas, I, S. C. PARIJA,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason  
to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Plot No. 192, Block No. L situated at Naiwala Estate, Karol Bagh, New Delhi,  
(and more fully  
described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer  
at New Delhi on 3-5-1975  
for an apparent  
consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the Parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with  
the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

17—436 GI/75

(2) Surinder Kumar Singh Luthra, and Shri Virinder Kumar Luthra,  
ss/o Shri Mulakh Raj Luthra R/o Gali No. 1,  
Block No. 6, H. No. 6224, Dev Nagar, Karol Bagh,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share of lease-hold rights in respect of plot No. 192, measuring 267 sq. yds. (40'×60') bearing Khasra No. 192, Khewat No. 1, Khatauni No. 659, in Block-L in Naiwala Estate, Karol Bagh, New Delhi on Desh Bandhu Gupta Road, and bounded as under :—

East : Khasra No. 193.  
West : Khasra No. 191.  
North : Desh Bandhu Gupta Road.  
South : Service lane.

S. C. PARIJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 14-1-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dayal Singh Bhatia, S/o Shri Malla Singh  
R/o H. No. 1138, Gali No. 9/10, Naiwala, Karol  
Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th January 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/May/278(9)/75-76/6126.—  
Whereas, I, S. C. PARIJA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 1138, Gali No. 9-10 situated at Naiwala, Karol Bagh,  
New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
New Delhi on 7-5-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
said Act, in respect of any income arising from  
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition  
of the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(2) Smt. Roop Kaur W/o Shri Butta Singh R/o H. No.  
1138, Gali No. 9/10, Naiwala, Karol Bagh, New  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One and a half storey house No. 1138, Ward No. XVI,  
built on lease hold plot Khasra No. 1065, Block B, area 117  
sq. yds. situated in Naiwala Gali No. 9/10, Karol Bagh,  
New Delhi and bounded as under :—

North : Street.  
South : Street.  
East : H. No. 1137.  
West : H. No. 1139.

S. C. PARIJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 14-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Sohagwati W/o late Shri Bodh Raj R/o 27/38,  
Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Asha Chawla W/o Shri M. L. Chawla R/o 93, E.S.I. Hospital Colony, Ring Road, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 14th January 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/June/337(11)/75-76/6126.—  
Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27/38, Old Rajinder Nagar situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957) (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A lease-hold house No. 27/38, Old Rajinder Nagar, New Delhi within the limits of Municipal Corporation of Delhi constructed on a plot of land measuring 85.9 sq. yds. and bounded as under :—

North : House No. 27/37.  
South : House No. 27/39.  
East : Lane.  
West : Service lane.

S. C. PARIJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 14-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th December 1975

Ref. No. C.R. No. 62/4278/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/5th undivided share in all the piece and parcel of land together with buildings, out-houses and other constructions standing thereon presently bearing Municipal No. 5, Edward Road, Civil Station, Bangalore-560052, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 829/75-76 on 30-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Comala Gopinath, D/o Late Major General Loganathan,  
No. 5, Edward Road, Civil Station,  
Bangalore-560052.  
(Transferor)
- (2) M/s. Loganathan Investments Pvt. Ltd.,  
No. 5, Edward Road, Civil Station,  
Bangalore-560052.  
(Transferee)
- (3) (1) Karnataka State Construction Corporation  
(2) Dr. Sampath Loganathan.  
(Person(s) in occupation of the property).
- (4) (1) Sri Sukumar Loganathan  
(2) Dr. Lalitha Kumar  
(3) Mrs. Menaka Kumar and  
(4) Dr. Sampath Loganathan.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 829/75-76 dated 30-5-1975]  
1/5th undivided share in all the piece and parcel of land together with buildings out-houses and other constructions standing thereon presently bearing Municipal No. 5, Edward Road, Civil Station, Bangalore-560052.

Total site area :—

North : 128'

South : 121'

East : 219'

West : 219'

2944.44 sq. yds.

Plinth : Main building  
(Ground-floor) 2584 sq. ft.  
(First-floor) 2584 sq. ft.

and other structures.

Boundaries :—

North : Edward Road

South : Compound wall belonging to the Schedule premises and Cunningham Road.

East : No. 4, Edward Road

West : No. 6, Edward Road.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 29-12-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th December 1975

Ref. No. C. R. No. 62/4427/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/5th undivided share in all the piece and parcel of land together with buildings out-houses and other constructions standing thereon presently bearing Municipal No. 5, Edward Road, Civil Station, Bangalore situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Bangalore, Document No. 932/75-76 on 9-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Lalitha Kumar, D/o Late Major General Loganathan, No. 5, Edward Road, Civil Station, Bangalore-560052. (Transferor)
- (2) M/s. Loganathan Investments Pvt. Ltd., No. 5, Edward Road, Civil Station, Bangalore-560052. (Transferee)
- (3) (1) Karnataka State Construction Corporation  
(2) Dr. Sampath Loganathan.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) (1) Sri Sukumar Loganathan  
(2) Mrs. Menaka Kumar  
(3) Mrs Comala Gopinath and  
(4) Dr. Sampath Loganathan.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 932/75-76 dated 9-6-1975]

1/5th undivided share in all the piece and parcel of land together with buildings out-houses and other constructions standing thereon presently bearing Municipal No. 5, Edward Road, Civil Station, Bangalore-560052.

Total site area :—

North : 128'  
South : 121'  
East : 219'  
West : 219'  
2944.44 sq. yds.  
Plinth : Main building  
(Ground-floor) 2584 sq. ft.  
(First-floor) 2584 sq. ft.  
and other structures.

Boundaries :—

North : Edward Road  
South : Compound wall belonging to the Schedule premises and Cunningham Road.  
East : No. 4, Edward Road  
West : No. 6, Edward Road.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore  
Date : 29-12-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Pramilamma, W/o Sri N. Govindaraju,  
No. 50, 'C' Street, Fort,  
Bangalore-5600052.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

(2) (1) Shri P. Arunachalam  
(2) Shri P. Rangaswamy

(3) Shri P. Nateshan

(4) Shri P. Balasubramanyam,

Sons of late Palaniappa Mudaliar, All residing at  
No. 6/1, Obiah Lane, Akkipet, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Bangalore-27, the 29th December 1975

Ref. No. C.R. No. 62/4333/75-76/ACQ./B.—Whereas, I,  
**R. KRISHNAMOORTHY**,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Site No. 2, I Cross, (Tank Road), situated at Gubbi Thotadappa Road, (13th Division), Bangalore,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).  
has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Gandhinagar, Bangalore. Document No. 527/75-76 on  
2-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
Said Act in respect of any income arising from the  
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publication  
of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 527/75-76 dated 2-5-1975]

Site No. 2, I Cross, (Tank Road), Gubbi Thotadappa Road,  
(13th Division), Bangalore.

Site Area :—

East to West : 28 $\frac{1}{2}$ 'North to South : 68 $\frac{1}{2}$ '—1952 Sq. ft.

Boundaries :—

East : Lakshmidevamma's house,

West : A. Srinath's house,

North : Government Road i.e., I Cross, Tank Road,

Cottonpet,

South : Mahaboobi's house. .

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-12-1975

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) (1) Shrimati Rajeswari W/o Sri S. Munirathnam,  
 (2) Sri S. Munirathnam S/o Pandiah,  
 residing together at No. 140/1, III Block, Thyagaraja Nagar, Bangalore-28.

(Transferor)

(2) Shri V. Muni Krishna Chetty, S/o Pedda Betaiah Chetty, Jewellers, 36, M. G. Road, Hosur Town, Hosur, Dharmapuri District.

(Transferee)

\*(3) (1) Shri S. M. Basthi,  
 (2) Shri C. Rangappa,  
 (3) Shri T. Ramu,  
 (4) Shri K. H. Vittal Rao (new tenant)  
 (5) Shri T. V. Narayana Moorthy (Old Tenant)  
 (6) Shri V. Annaiah,  
 (7) Shri M. Shankar,  
 (8) Shri K. Ramesh (new tenant),  
 (9) Shri Prabhu (Old Tenant),  
 (10) Shri Abdul Sattar,  
 (11) Shri Bolenath.

[Person(s) in occupation of the property].

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd December 1975

Ref. No. C.R. No. 62/4366/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House bearing Municipal Corporation No. 5/2 (Old 4 and 5/1 and 5/2) situated at H. B. Samaja Road (behind Eswara Temple) Gandhi Bazaar, Basavanagudi, Bangalore-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Document No. 525/75-76 on 8-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 525/75-76 dated 8-5-1975] House bearing Municipal Corporation No. 5/2, (Old No. 4 and 5/1 and 5/2), situated at H. B. Samaja Road (behind Eswara Temple), Gandhi Bazar, Basavanagudi, Bangalore-4.

Site Area :—

East to West : 72'

North to South : 16'=1152 sq. ft.

Plinth Area :—

Ground Floor=9 Squares.

First Floor=9 Squares.

Boundaries :—

East : Puttamma's property.

West : Conservancy road.

North : Road, and

South : Puttamma's property.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax

Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-12-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th December 1975

Ref. No. C.R. No. 62/4585/75-76/ACO./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Corner site building No. 84 (old 34) Cockburn road and situated at St. John's Church Road, Civil Station, Bangalore-560001. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore D.O.C. No. 1498/75-76 on 26-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Dr. B. L. Ananthakrishnan, S/o B. M. Laxmi-pathy,
- (2) Shri A. Vikram S/o Dr. B. L. Ananthakrishnan Represented by Power of Attorney Holder Dr. B. L. Ananthakrishnan,  
Both residing at : No. 136, Ormer Road, Kilpauk, Madras

(Transferor)

- (1) (1) Shri V. E. Edwin S/o late J. W. Edwin, Asst. Manager, Tungabhadra Sugar Works, Shimoga.
- (2) Mrs. Lena Rachel Edwin, Mission House, Durgigudi, Shimoga.
- (4) Shri K. W. Paramanand, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 1498/75-76 dated 26-5-1975]

Corner site building No. 84 (Old No. 34), Cockburn road, and St. John's Church Road, Bangalore-560001.

Site area :—

North : 40ft. plus, 16ft. plus, 14ft. plus 10ft.

South : 144'

West : 136 ft.

East : 15ft. plus, 45ft. plus, 40ft. plus, 44ft. plus 60ft.  
=19,091 Sq. ft.

Plinth : 33.935 Squares.

Boundaries :—

North : St. John's Church Road.

South : Private Properties belonging to the Church of South India and Hajee Omar Sait.

West : Buildings and 2. Cockburn Road and belonging to M/s. Janab Afzal Nasim and Aslam and a Building belonging to Mr. and Mrs. Popi.

East : Private Property of Smt. Sajjad Begum.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 29-12-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 31st December 1975

Ref. No. C.R. No. 62/5167/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Garden land measuring one acre and 39 guntas in S. Nos. 23 and 24 situated at Thimmanahalli village, Chickanayakanahalli Taluk, Tumkur Dist,

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chickanayakanahalli, Taluk, Tumkur Dist. Document No. 329/75-76 on 7-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri R. M. Nanjundiah,
- (2) Shri Shivashankar,
- (3) Shri Rajasekhar,
- (4) Shri Dinesh,
- (5) Shri Marula Shetty.

Sl. Nos. 2 to 5 Minors, represented by Sri R. M. Nanjundiah. All residing at :—  
Ramanahalli village, Kandikere Hobli, Chickanayakanahalli Taluk, Tumkur Dist.

(Transferor)

- (2) Shri Ranganathiah S/o Sanna Rangappa, Thimmanahalli village, Chickanayakanahalli Taluk, Tumkur Dist

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered document No. 329/75-76. Dated 7/5/1975. Garden land measuring one acre and 39 guntas, in S. Nos. 23 and 24, situated at Thimmanahalli village, Chickanayakanahalli Taluk, Tumkur Dist

Boundaries :—

East : Narasimhiah,  
West : Ranganna,  
North : Narasimhiah and others and  
South : Chidanandiah.R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 31-12-1975

Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 31st December 1975

Ref. No. C.R. No. 62/51/68/75-76/ACQ./B.—Whereas, I  
R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Garden land measuring one acre and 30 guntas, in S.  
Nos. 23 and 24,  
situated at Thimmanahalli village, Chickanayakanahalli Taluk,  
Tumkur Dist.

(and more fully described in the  
Schedule annexed hereto) has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer  
at Chickanayakanahalli, Taluk, Tumkur Dist. Document  
No. 330/75-76 on 7-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
'Said Act' in respect of any income arising from the  
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
'Said Act' in respect of any income arising from

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri R. M. Nanjundiah,  
(2) Shri Shivashankar,  
(3) Shri Rajasckhut,  
(4) Shri Dinesh,  
(5) Shri Marula Shetty.

Sl. Nos. 2 to 5 Minors represented by Sri R. M. Nanjundiah.  
All residing at  
Ramanahalli village, Kandikere Hobli, Chickanayakanahalli  
Taluk, Tumkur Dist.

(Transferor)

- (2) Shri S. Narasimhan S/o Sanna Rangappa,  
Thimmanahalli village, Chickanayakanahalli Taluk,  
Tumkur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the  
Said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered document No. 330/75-76. Dated 7-5-75.

Garden land measuring one acre and 30 guntas, in S.  
Nos. 23 and 24 situated at Thimmanahalli village, Chickanayakanahalli  
Taluk, Tumkur Dist.

Boundaries:—

East: Sanna Rangappa.

West: Ranganathiah.

North: Narasimhaiah and others and

South: Rangalaxamamma.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 31-12-1975

Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore 27, the 31st December 1975

Ref No C R No 62/5169/75-76/ACQ /B —Whereas I R KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Garden land measuring one acre and 25 guntas, in S No 23, situated at Thimmanahalli village C N Halli Taluk, Tumkur Dist (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at C N Halli Taluk, Tumkur Dist Document No 331/75 76 on 7-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) (1) Shri R M Nanjundiah,
- (2) Shri Shivashankar,
- (3) Shri Rajasankar
- (4) Shri Dinesh
- (5) Shri Marula Shetty

Sl Nos 2 to 5 minors represented by Shri R M Nanjundiah All residing at —

Ramanahalli village Kandikere Hobli C N Halli Taluk, Tumkur Dist  
(Transferor)

- (2) Shri Chidanandiah Minor by Guardian Shri H S Srivangappa,  
Thimmanahalli village C N Halli, Tumkur Dist  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

[Registered document No 331/75 76 dated 7-5-1975]

Garden land measuring one acre and 25 guntas in S No 23, situated at Thimmanahalli village, C N Halli Taluk, Tumkur District

## Boundaries —

East	Rangalaxmamma
West	Subbajji Rangappa
North	Ranganath and
South	Subbajji Rangappa

R KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date 31.12.1975

Seal .

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Banugalore-27, the 31st December 1975

Ref. No. C. R. No. 62/5170/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Garden land measuring one acre and 25 guntas, in S. No. 23, situated at Thimmanahalli village, C. N. Halli Taluk, Tumkur District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at C. N. Halli Taluk, Tumkur Dist. Document No. 332/75-76 on 7-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri R. M. Nanjundiah,  
(2) Shri Shivashankar,  
(3) Shri Rajasekhar,  
(4) Shri Dinesh,  
(5) Shri Marula Shetty.

Sl. Nos. 2 to 5 Minors represented by Sri R. M. Nanjundiah, All residing at :—

Ramanhalli village, Kandikere Hobli, C. N. Halli Taluk, Tumkur Dist.

(Transferor)

- (2) Smt. Rangalaxmamma, D/o Rangappa, Thimmanahalli village, C. N. Halli Taluk, Tumkur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 332/75-76 dated 7-5-1975]

Garden land measuring one acre and 25 guntas in S. No. 23 Situated at Thimmanahalli village, C. N. Halli Taluk, Tumkur Dist.

Boundaries :—

East and South : Ninganna,

West and North : Chidanandiah and Narasimhaiah.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 31-12-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri N. Lakshmipathy S/o late Sri Narayana Swamyappa, Karimapalya, Bangalore 5.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 31st January 1976

Ref. No. C. R. No. 62/4224/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant residential site old No. 11, New No. 38 and 39, Coles Road, Cleveland Town, situated at Bangalore-5 of the western portion site No. B, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Bangalore, Document No. 629/75-76 on 15-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (2) (1) Shri K. S. Aswathappa,
- (2) K. S. Narayan,  
Sons of Late Sri K. M. Shankarappa.

Both residing at —  
4/7, Saunders Road, Bangalore-5.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 629/75-76 dated 15-5-1975]

Vacant residential site old No. 11, New No. 38 and 39, Coles Road, Cleveland Town, Bangalore-5 of the western portion site No. B.

Site area.—

East to West . 46' 9"  
North : 72'  
South : 76' 6"

3,471 sq. ft.

Boundary.—

- E. Common passage.
- W. Private property.
- N. Purchaser's property.
- S. Chikkamuniappa's property.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Giri Rao, S/o Shri Venkoba Rao Patwari,  
Door No. 3-4-10, Fort, Raichur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri N Chengania Raju S/o Shri Venkata Raju,  
D. No. 563, 10th A Main Road, V Block, Jayanagar,  
Bangalore-11.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 31st January 1976

Ref. No. C. R. No. 62/4250/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant house site No. 547 in between 36th and 37th Cross, 10th A Main Road, situated at V Block, Jayanagar, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore Document No. 511/75-76 on 8-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered document No. 511/75-76 dated 8-5-1975]

Vacant house site No. 547, in between 36th and 37th Cross, 10th A Main Road, V Block, Jayanagar, Bangalore-11  
Site area :—

East to West : 65'  
North to South : 40'  
2600 sq. ft.

Boundaries :—

East : Road.  
West : Site No. 536.  
North : Site No. 548.  
South : Site No. 546.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-1-1976

Seal :

## FORM IFNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 2nd January 1976

Ref No C.R. No. 62/4301/75-76/ACQ/B—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspector Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Southern half portion of dry agricultural land measuring 6 acres and 12½ guntas out of S No 27, situated at Arthur Village Yelahanka Hobli Bangalore North Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bangalore North Taluk Document No 993/75 76 on 30-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) (1) Shri Nanjappa,  
(2) Shri V. M. Muniyappa alias Motappa,  
(3) Shri Kapinappa  
(4) Shri Narayanappa

Sons of late Maistry Muniyappa  
Arthur Village, Yelahanka Hobli Bangalore  
North Taluk  
(Transferor)

(2) Shrimati Chinnamma W/o Late Lakshmin Reddy,  
Gokul I Stage Bangalore 54  
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

[Registered document No 993/75 76 dated 30-5-1975]

Southern half portion of dry agricultural land measuring 6 acres and 12½ guntas out of S No 27, situated at Arthur Village Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk

## Boundaries —

East Patel Machappa's land  
West Veerasagara Village boundary.  
North Northern half portion and  
South Doddabettahalli boundary

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date 2-1-1976

Seal .

## FORM IINS

(1) (1) Shri Nanjappa  
 (2) Shri V. M. Muniyappa alias Motappa,  
 (3) Shri Kapinappa,  
 (4) Shri Narayanappa  
 Sons of late Maisty Muniyappa,  
 Attur Village Yelahanka Hobli Bangalore  
 North Taluk  
 (Transferor)

(2) (1) Shri V. Venkatesh  
 (2) Shri V. Ramesh  
 Minors represented by Grand Father Sri Muniswamy Reddy No 2 Model Colony Yeshwanthpur Bangalore 22  
 (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 2nd January 1976

Ref No C.R. No 62/4302/75-76/ACQ/B—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Northern half portion of dry agricultural land measuring 6 acres and 12½ guntas out of S No 27 situated at Attur Village, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore North Taluk Document No 994/75-76 on 30-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

[Registered document No 994/75-76 dated 30-5-1975]

Northern half portion of dry agricultural land measuring 6 acres and 12½ guntas out of S No 27, situated at Attur Village Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk  
 Boundaries—

East Patel Machappa's land  
 West Veerasagara Village boundary  
 North Thirumala Gowda's land and  
 South Southern half portion

R. KRISHNAMOORTHY,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
 Income-Tax  
 Acquisition Range, Bangalore

Date 2-1-1976  
 Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 14th January 1976

Ref. No. C. R. No. 62/4279/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, **R. KRISHNAMOORTHY**, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Bungalow bearing No. 30, situated at St. John's Road, Civil Station, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar Bangalore, Document No. 832/75-76 on 31-3-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. J. Rajeshwari W/o late V. M. Jaganatha Mudaliar, No. 30A, St. John's Road, Civil Station, Bangalore-1. (Transferor)

19—436GI/75

(2) (1) "Idol of Sri Rama" of Sri Ramula Sanidhi, Temple, represented by Bhaktha Siromani, Jyajman—Dharmakartha Sri Gadi Cheivaraya Chetty, No. 111, Dharmaraja Koil St., Civil Station, Bangalore-1.

(Transferee)

- \*(3) (1) Shri Ramachandra Rao,
- (2) Shri Prabhakar,
- (3) Shri Nagendra,
- (4) Shri Amarnath.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bungalow bearing No. 30, St. John's Road, Civil Station, Bangalore.

Site area :—

East : 44ft.+44ft.+25ft.  
West : 93' 6".  
North : 92' 6".  
South : 61' 3" + 6ft. 28ft.=7,828 sq. ft.

With a bit of land measuring 4'×7' in the South West Corner, Boundaries :—

East : Property belonging to Darshana Moorthy, and Private property.  
West : No. 30-A, St. John's Road, belonging to Shri Sri Narayan.  
North : Properties belonging to Shanta Vedagiri, Devi Sampath and private vacant land; and  
South : St. John's Road.

**R. KRISHNAMOORTHY**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 14-1-1976

Seal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arun Kumar Das.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 16th January 1976

Ref. No. TR-238/C-235/CAL-2/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22B situated at Gorachand Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 24-Prgs., Alipore on 12-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Vacant land and premises containing 2 Cottahs and 8 Chittacks at 22B, Gorachand Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 16-1-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) (1) Shri Prithvi Singh Deo.  
 (2) Smt. Drupad Kaverba.  
 (3) Smt. Rita Debi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME TAX,  
 ACQUISITION RANGE, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th January 1976

Ref. No. TR-31/C-49/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9C, situated at Lord Sinha Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Kamal Kumar Gangwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of premises No. 9C Lord Sinha Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY  
 Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
 Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 17-1-1976  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) (1) Shri Prithvi Singh Deo.  
 (2) Smt. Drupad Kaverba.  
 (3) Smt. Rita Debi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Manful Devi Saraogi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th January 1976

Ref. No. TR-32/C-39/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9C, situated at Lord Sinha Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Undivided 1/16th share of premises No. 9C Lord Sinha Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 17-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) (1) Shri Prithvi Singh Deo,  
 (2) Smt. Drupad Kaverba.  
 (3) Smt. Rita Debi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Kamala Devi Saroagi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, CALCUTTA-16

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta-16, the 17th January 1976

Ref. No. TR-33/C-40/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9C, situated at Lord Sinha Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Undivided 1/16th share of premises No. 9C Lord Sinha Road, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I,  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 17-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) (1) Shri Prithvi Singh Deo.  
 (2) Smt. Drupad Kaverba.  
 (3) Smt. Rita Debi,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Champawati Devi Saraogi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th January 1976

Ref. No. TR-34/C-41/CAI-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9C, situated at Lord Sinha Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/16th share of premises No. 9C Lord Sinha Road, Calcutta

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 17-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) (1) Shri Prithvi Bir Singh Deo  
 (2) Smt Drupad Kavita  
 (3) Smt Rita Debi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Bimala Devi Saroogi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSESSOR COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE CALCUTTA 16

Calcutta-16 the 17th January 1976

Ref. No. TR 35/C-46/CAI-1/75/76—Whereas I, S. K. CHAKRAVARTY being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being

No. 9, Lord Sinha Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at 5 Govt. Place North, Calcutta, May 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Undivided 1/16th share of premises No. 9C Lord Sinha Road, Calcutta

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
 Acquisition Range I

54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date 17.1.1976

Seal

## FORM ITNS

(1) (1) Shri Prithvi Singh Deo.  
 (2) Smt. Drupad Kaverba.  
 (3) Smt. Rita Debi,

(Transferor)

(2) Shri Surendra Kumar Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th January 1976

Ref. No. TR-36/C-47/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9C, situated at Lord Sinha Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of premises No. 9C, Lord Sinha Road, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
 Acquisition Range-I  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) (1) Shri Prithvi Singh Deo  
 (2) Smt Drupad Kaverba  
 (3) Smt Rita Debi

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Kumar Gangwal

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, CALCUTTA-16

Calcutta 16, the 17th January 1976

Ref No TR-37/C-48/CAI-1/75 76—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 9C situated at Lord Sinha Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt Place North, Calcutta May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

20—436GI/75

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of premises No 9C Lord Sinha Road, Calcutta

S. K. CHAKRAVARTY  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range I  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date 17-1-1976

Seal.

## FORM ITNS

(1) Shri Hari Narain.

(Transferor)

(2) Shri Harish Chandra Anand

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 9th January 1976

Ref. No. 19-H/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1033/1065, situated at Ram Bhawan Palki Khana Dist. Faizabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faizabad on 2-7-1976, for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A three storeyed house No. 1033/1065 situated in Palki Khana Distl. Faizabad.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

BISHAMBHAR NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Radhey Shyam and Others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Munni Devi

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow the 12th January 1976

Ref No 75 M/ACQUISITION—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) herein-after referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No K-64/49, situated at Gola Dina Nath Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 14-7-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No K-64/49, situated at Mohalla Gola Dina Nath District Varanasi

BISHAMBHAR NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range Lucknow

Date 12-1-1976

Seal

FORM ITNS—

(1) Smt Shashi Porwal.

(Transferor)

(2) Shri Suman Kumar and Others.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th January 1976

Ref. No. 104-S/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Chhauni, Chakkar Ka Maidan Civil Line Distt. Moradabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 18-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot measuring 1201 sq. yds situated at Chhauni, Chakkar Ka Maidan, Civil Lines District Moradabad.

BISHAMBHAR NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 12-1-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Swadeshi Cotton Mills Company Limited Juhi,  
Kanpur.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd January 1976

Ref. No. 833/Acq/Kanpur/75-76/2356.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 6-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (2) (1) Shri Ram Kishan Singh.
- (2) Shri Kishan Singh.
- (3) Shri Shanker Singh.  
All sons of Shri Nathu Singh, and
- (4) Shri Bharat Singh S/o Shri Ganga Prasad Singh, R/o 68/117, Lokman Mohel, Kanpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No. 74, area 777.77 sq. yds. situated at Anandpuri, 133/60, Juhi, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 69,999/30.

VIJAY BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 2nd January 1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd January 1976

Ref. No. 505/Acq./G.Bad/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ghaziabad on 9-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Hariyant Kumar Chaudhary S/o Shere Singh Chaudhary, R/o Ghaziabad, As per Mukhtarnama Minjanib Smt. Meera Chaudhary W/o Ram Niwas Chaudhary R/o 4-D, Maunalisa, 17, Comak Street, Calcutta-17.

(Transferor)

(2) Shri Anand Prakash Agrawal S/o Madan Gopal, R/o 41, Kavi Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House No. 41 bearing plot No. 152 measuring 486.66 sq. yds situated at Kavi Nagar, Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 90,000/-.

VIJAY BHARGAVA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 2nd January 1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Brahmi Alias Brahmi Lal S/o Shri Ghure,  
R/o Village Runkata, Tehsil Kirawali, Distt Agra.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Messrs Laxmi Land Development Company, Agra.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said  
property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th January 1976

Ref. No. 612/Acq./Agra/75-76/2354.—Whereas I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 2-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property bearing Khasra No. 589, situated at Village Artoni, Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 46,000/-.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

VIJAY BHARGAVA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 5th January 1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Vadugu Chettiai & others Parasuraman St.,  
Arur.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS 6

Madras-6, the 17th January 1976

Ref. No. V/7/79/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9, 8/3, 23/1, 24/1 & 25/1 situated at Poozhinathu village, Arur taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Arur (Doc. No. 1448/75) on May 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Sekar (minor) by guardian Pauayammal wife of Shri Chinnusamy, Poozhinatham Arur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 14.25 acres in Survey Nos. 9, 8/3, 23/1, 24/1 & 25/1 at Poozhinatham village, Arur taluk, Dharmapuri district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Vadugu Chettar &amp; others, Arur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Dhanasekaran, Poozhinatham village, Arur.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th January 1976

Ref. No. V/7/80/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 1 & 4/2 situated Poozhinatham village, Arur Taluk, Dharmapuri Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Arur (Doc. No. 1449/75) on May, 1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

21—436GI/75

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 11.62 acres in Re-Survey No. 1 & 4/2 at Poozhinatham village, Arur, Dharmapuri dt.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 17-1-1976

Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

(1) Shri Vadugu Chettiar, Smt. Kamakshi, Shri K. V. Abaranji Chetty, Shri V. Ramalingam, Shri V. Rajagopal, Shri V. Srinivasan, Shri V. Alagu Chetty, Parasuraman St., Arur, Dharmapuri Dt. (Transferor)

(2) Shri C. Chinnusamy, Poozhinatham, Arur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 17th January 1976

Ref. No. V/7, 81/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 11/1, 11/2 & 9 situated at Poozhinatham village, Arur Taluk, Dharmapuri Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Arur (Doc. No. 1450/75) on May, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 15.68 acres in Survey Nos. 11/1, 11/2 & 9 at Poozhinatham village, Arur taluk, Dharmapuri district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisiton Range-I, Madras-6.

Date : 17-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th January 1976

Ref. No. V/7/82/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 5/1, 5/2, 6/2, 23/3, 23/4, 23/5 & 23/6 situated at Veppampatti Thappuzhinatham village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Arur (Doc. No. 1451/75) on 21-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (J1 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Vadugu Chettiar, Smt. Kamakshi, Shri K. V. Abaranji Chetty, Shri V. Ramalingam, Shri V. Rajagopal, V. Srinivasan, V. Alagu Chetty, Parasuraman Street Arur, Arur Taluk, Dharmapuri Dt. (Transferor)

(2) Shri Ganesan, Puzhinatham village, Arur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 20.31 acres in Survey No. 5 1, 5/2, 6/2, 23/3, 23/4, 23/5 & 89/6 at Veppampatti Poozhinatham village Arur, Dharmapuri Dt.

G. RAMANATHAN.  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Date : 17-1-1976

Seal .

## FORM ITNS

(1) Mrs. S. Gomathi Ammal, 3/C, Davidson Street,  
Madras-1.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Chmandas Menghraj, 16, New Avadi Road,  
Madras-10.  
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th January 1976

Ref. No. IX/7/75/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11 situated at Montieth Lane, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Madras (Doc. No. 456/75) on 7-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 2 grounds and 432 sq. ft. with building thereon at No. 11, Montieth Lane, Madras-8 (T. S. No. 1605/20).

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range, Madras-6.

Date : 14-1-1976

S. al

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons namely :—

## FORM ITNS

(1) Mrs. S. Gomathi Ammal, 3 C, Davidson Street,  
Madras 1.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Naraindas Menghraj, 16, New Avadi Road,  
Madras-10.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th January 1976

Ref. No. IX/7/75A/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11 situated at Montieth Lane, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 454/75) on 7-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2 grounds and 502 sq. ft. in No. 11 Montieth Lane, Madras-8 (I.S.No. 1605, 20)

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisiton Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date 14-1-1976  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Mrs. S. Gomathi Ammal, 3 C, Davidson Street, Madras-1.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lal Chand Menghraj, 16, New Avadi Road, Madras-10.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 14th January 1976

Ref. No. IX 7/75B/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11 situated at Montieth Lane, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 455/75) on 7-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2 grounds and 307 sq. ft. in No. 11, Montieth Lane, Madras-8 (I.S.No. 1605/20).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 14-1-1976

Seal.

## FORM ITNS

(1) M/s. P. Muthukumaraswami, P. M. Sekhar, P. M. Ravikumar, P. K. Rajabhatte, P. K. Saravanam & P. K. Devarajan, Papavinasam Road, Thirumalai-Thirupathi, Andhra Pradesh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th January 1976

Ref. No. IX/1/13/1975-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/503, situated at Mint Street, Madras-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 3389/75) on May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Meenakshi Ammal, No. 2 12th Cross, 6th Main Road, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferee)

(3) (i) M/s. Ashok Pharmaceuticals,  
(ii) M/s. Mahavin Metal Corporation,  
(iii) P. D. Deoran,  
(iv) Baluboi M. Desai,  
(v) Vasudeva Nair,  
(vi) Muthu Hair Dressing Saloon &  
(vii) Dorai Laundry

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1775 sq. ft. with building thereon at door No. 1/503, Mint Street, Madras-3 (R.S.No. 10153).

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 14-1-1976.  
Seal :

## FORM ITNS.—

(1) Smt. Rahimunnissa & Shro H. A. R. Abdul Gafoor,  
No. 5, Conran Smith Road, Madras-14.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. A. D. Parasurama Chettiar & Sons No. 5,  
V. V. Koil Lane, Periamet, Madras-3.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6 the 14th January 1976

Ref. No. IX/4/4/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/156 situated at Broadway, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III, Madras (Doc. No. 404/75) on May, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(3) Tulasi Gandhi

(Person in occupation of the property)  
Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1513 sq. ft. with building thereon situated at 3/156 (R.S.No. 5650), Pophams Broadway, Madras-1

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Date : 14-1-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri P. Damodaramurthy, B. 144/145, K. Street,  
Kilpauk Garden Colony, Madras-10.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Elizabeth John, 10, Seethanagar, Nungambakkam, Madras-34.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th January 1976

Ref. No. IX/6/4/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S.No. 72/8 situated at Ponnappa Pillai Road, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 444/75) on 3-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

22—436GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land measuring 5280 sq. ft. in R. S. No. 72/8, Ponnappa Pillai Road, Madras-10.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 14-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri K. R. M. Rathinasamy Nadar, 19, Kandappa Chetty street, Madras-1.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 16th January 1976

Ref. No. IX/1/34/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1025/3 situated at Rama Naicken Street, Royapuram, Madras-13  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras (Doc. No. 3804/75) on 24-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri K. C. S. D. Bhagawat Singh, 70/C, Rama Naicken Street, Royapuram, Madras-13.  
(Transferee)

(3) M/s N. Manickavasaga Nadar & Sons  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4774 sq. ft. with building (godown and residence) thereon at Survey No. 1025/3 (part) at Rama Naicken Street, Royapuram, Madras-13.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 16-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri K. R. M. Rathinasamy Nadar, 19, Kandappa Chetty Street, Madras-1.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Perumal Naicker, 3B, Veerasamy Street, Madras-13.  
(Transferee)

(3) Shri K. Manickavasaga Nadar and sons  
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 16th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 3525 sq. ft. with building (tiled sheds & godown) in Survey No. 1024/5 (part) (Western half) at Rama Naicken Street, Royapuram, Madras-13.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**G. RAMANATHAN,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-1-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri K. R. M. Rathinasamy Nadar, 19, Kandappa Chetty Street, Madras-1.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 16th January 1976

Ref. No. IX/35A/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, S.No. 1024/5 (part) situated at Rama Naicken Street, Royapuram, Madras-13.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 3877/75) on 26-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri M. Perumal Naicker, 3B, Veerasamy Street, Madras-13.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 3609 sq. ft. with building (tiled shed) in Survey No. 1024/5 (part) (Eastern half) at Rama Naicken Street, Royapuram, Madras-13.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 16-1-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. S. Gunasundari, 6, First Street Salt Colony, Egmore, Madras-8.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohiddin Sharif, 15, Lal Mohamed Street, Chepauk, Madras-5.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

(3) Proprietors of Hotel Impala.  
(Person in occupation of the property)

(4) Mrs. Kausalya Ammal.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Madras-6, the 16th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IX/6/X 1/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22 & 23 situated at Veeraswamy Pillai Street, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Doc. No. 451/75 on May, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided half share in land measuring 4 grounds and 1575 sq. ft. with buildings thereon at door Nos. 22 & 23, Veeraswamy Pillai Street, Egmore, Madras-8 (R.S. No. 760),

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-1 Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Date : 16-1-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mis. P. S. Sethurathnammal, 31, Medavakkam Tank Roard, Kilpauk, Madras-10.  
(Transferor)

(2) Shri Mohideen Sharif, 15, Lal Mohamed Street, Chepauk, Madras-5.  
(Transferee)

(3) Proprietors of Hotel Impala.  
(Person in occupation of the property)

(4) Mrs. Kausalya Ammal.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 16th January 1976

Ref. No. IX/6/11/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and baring No.

No. 22 & 23 situated at Veeraswamy Pillai Street, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 592/75) on June 1975

(for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided half share in land measuring 4 grounds and 1575 sq. ft. with buildings thereon at door No. 22 & 23, Veeraswamy Pillai Street, Egmore, Madras-8 (R.S.No. 760).

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-1 Madras-6

Date : 16-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 16th January 1976

Ref. No. IX/6/21/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 114 situated at Venkatesapuram Colony, Ayyanavaram, Madras-23

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 1514/75) on May, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. B. N. Jayalaxmi Ammal, 24, Double Road, Bangalore-27.  
Smt. Rama Madhava Rao, 192/B, first floor, S. V. Road, Bombay-56 Kum. B. N. Usha, C/o. C. M. C. Hospital, Vellore Dr. B. N. Souri, Tambaram, Chingleput Dt., Shri B. N. Ramaprasad, C. 76, N. D. S. E. Part. II, New Delhi 49 Smt. Meera Seshasayee, Flat No. 4, 1st floor, Municipal Corp. Shri B. N. Kannan, Shri B. N. Balaji & Kum B. N. Gayathri, 24, Double Road, Bangalore-27.  
(Transferor)

(2) Smt. R. Kamalammal, 114, Venkatesapuram Colony, Ayyanavaram, Madras-23.  
(Transferee)

(3) Anand  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground and 1983 sq. ft. with building thereon at door No. 114 (Survey No. 154/1), Venkatesapuram Colony, Ayyanavaram, Madras-23.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 16-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 16th January 1976

Ref. No. IX/1/10/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30/31 situated at Kumbalamman Koil Street, Madras-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR. II, Madras (Doc. No. 3460/75) on May, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri T. A. S. Vel, T. A. S. Baburaj & Smt. Subhadra Ramamurthy, 7, Gollawar Agraharam Road, Madras-21, Miss Mala Chellaya, D/o. T. A. S. Chellaya, 500, Poonamallee High Road, Madras-10 and Smt. T. Lalitha, 25, Town Hall Road, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri K. Nagamani, 1, Maniganda Mudali 8th Street, Madras-21.

(Transferee)

(3) E.S.I. Corporation & Sales Tax Office of Royapuram Division.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 3 grounds and 308 sq. ft. with building thereon at door No. 30/31, Kumbalamman Koil Street (R.S. No. 3626/1 (I Part), Madras-21.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-1 Madras-6

Date : 16-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri I A S Vel Shri T A S Baburaj, Miss Mala Chellaya T Laihtha & Mrs Subhadra Ramamurthy 500, Poonamallee High Road Madras  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K Parthasarathy, No 1, Maniganda Mudali Eighth Street, Old Washermenpet, Madras-21  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) FSI Corporation & Sales Tax Office Royapuram Division  
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE 1, MADRAS-6

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

Madras-6 the 16th January 1976

Ref No IX/1/11/75-76 —Whereas, I, G RAMANATHAN being the Competent Authority, under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 30/31 situated at Kumbalamman Koil Street, Madras 21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR II, Madras on May, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 grounds and 882 sq ft with building thereon at door No 30/31 (R S Nos 3625, 3636/2 and 3626/1), Kumbalamman Koil Street Tondaiapet, Madras-21 (Doc No 3461/75)

G RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax Acquisition Range 1 Madras 6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

23—436GI/75

Date 16 1 1976

Seal .

## FORM ITNS

(1) Shri V. Krishnamurthy, 4/5, Hensman Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vasanthal Achi &amp; Smt. Sornavalli Achi, Shanmuganathapuram, Ramanad District.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 16th January 1976

Ref. No. X/12/51/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 501 situated at K. K. Nagar, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kuraikudi on May, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating for concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 11.5 cents with building thereon at Plot No. 501, K. K. Nagar, Madurai.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-1 Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 16-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri S. K. Sivasubramania Pillai, Arasamarathu Street, Madurai-1.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 17th January 1976

Ref. No. X/13/48/75-76.—Whereas, I. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. R. S. 68/4 situated at Rajagambaram village, Madurai district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thamaraipatti (Doc. No. 347/75 on 2-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) P. Velayee (minor) by guardian A. Ayyanan, Thirumohoor post, Madurai North.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lands measuring 81 cents in Northern parts of R.S. No. 68/4 at Rajagambaram village, Thamaraipatti, Madurai district.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-1-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri S K Siva Subramaniam Pillai, Madurai-1  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 17th January 1976

Ref No X/13/55/75 76—Whereas, I, G RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. No R. S 68/4 situated at Rajagambearam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thamaraiappatti (Doc No 349/75 on 2-5 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 acre in Centre part of R. S. No. 68/4 at Rajagambearam village, Thamaraiappatti, Madurai district

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

G RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range-1 Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

date 17-1-1976  
Seal 1

FORM ITNS

(1) Shri S. K. Sivasubramania Pillai, Madurai-1.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri A. Ayyanan, Tirumohoor P. O. Madurai North.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th January 1976

Ref. No. X/13/36/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 68/4 situated at Rajagambearam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thamaraipatti Doc. No. 348/75 on 2-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 acre in Southern part of R. S. No. 68/4 at Rajagambearam village, Thamaraipatti, Madurai district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

date : 17-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri P. Devarajan, Pillannakuppam, Krishnagiri tq,  
Dharmapuri dt  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICIAL OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE I, MADRAS-6

(2) M/s N. Ramarajan, N. Sundararajan, N. Durairajan,  
Reddipatti village, Namakkal tq, Salem Dt  
(Transferee)

(3) Tamil Nadu Electricity Revenue Board, Namakkal  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 14th January 1976

Ref No XVI/12/114/75 6—Whereas, I G RAMA NATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Survey No 483/1 situated at 140 acres, Namakkal Visakhapatnam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namakkal (Doc No 435/75) on 16/5/1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 140 acres with building thereon in Survey No 483/1, Namakkal-Trichy Road, Salem District.

G RAMANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range-I, Madras-6

Date 14/1/1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri P. A. Kalianna Gounder, Vazhavandi village, Velur, Namakkal Taluk, Salem District.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras 6, the 14th January 1976

Ref. No XVI/2/100/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12 14½ acres, situated at Chengapatti village, Salem district

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Velur (Doc. No. 655/75) on 19-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following person, namely :—

- (2) M/s. Kandasami & Pandian, Palapatti, Chengapalli village, velur, Namakkal Taluk, Salem Dt.  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 12.14½ acres situated in Survey Nos. 61/2, 62/1, 64, 65/1E, 65/1G, 66/1A, 66/1C, 66/1E, 66/3, 66/3 & 55/1C, Chengapalli village, Namakkal taluk, Salem district.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 14-1-1976  
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Velayuthan, Pattanam village P O, Rasipuram.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 16th January 1976

Ref. No XVI/17/94/75-76—Whereas, I, G. RAMA-

NATHAN  
being the Competent Authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingS No 6/3 & 6/2 situated at Kakaveri village, Salem district  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the  
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rasipuram (Doc No. 969/75) on May, 1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—(2) Shri A. Sekar, Pachy Chetty Street, Rasipuram town,  
Salem dt.  
(Transferee)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned.—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons whichever  
period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.EXPLANATION.—The term and expressions used  
herein as are defined in Chapter  
XXA of the 'said Act' shall have the  
same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2.69 $\frac{1}{2}$  acres in Survey Nos. 6/3 (2.42) and  
6/2. (27 $\frac{1}{2}$  cens) plus share in well portion at Kakaveri  
village, Rasipuram, Salem dt.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the 'said Act' in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following  
persons, namely :—

Date : 16-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Velayuthan, Pattanam village P.O., Rasipuram.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. Sundaresan, Pachy Chetty St., Rasipuram town, Salem dt.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 16th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. XVI/17/95/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S.No. 6/3 &amp; 6/2 situated at Kakaveri village, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rasipuram (Doc. No. 970/75) on May, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land measuring 2.69½ acres in Survey Nos. 6/3 (2.42 acres) and 6/2 plus share in well portion (27½ cents) at Kakaveri village, Rasipuram, Salem dt.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

24—436GI/75

Date : 16-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri M. G. Rengaraju, 11, Police Line St.,  
Rasipuram.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. V. Jegannathan, 5B, Swami Sivananda Salai,  
Rasipuram, Salem Dt.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 16th January 1976

Ref. No. XVI/17/109/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-

NATHAN  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 22-C situated at C. P. Kannaya Naidu Street, Rasipuram,  
Salem Dt.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rasipuram (Doc. No. 736/75) on May, 1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th undivided share in land measuring 32834 sq. ft. with  
building thereon at door No. 22-C, C. P. Kannaya Naidu  
Street, Rasipuram, Salem district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 16-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri M. G. Rengaraju, 11, Police Line St, Rasipuram.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. V. Mahadevan (minor) by guardian S. Veerappa Chettiar, 54, Sourashtra St, Rasipuram.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 16th January 1976

Ref. No. XVI/17/103/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22-C, situated at C. P. Kannaya Naidu Street, Rasipuram, Salem Dt., (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rasipuram (Doc. No. 741/75) on May, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

1/6th undivided share in land measuring 32834 sq. ft. with building thereon at door No. 22-C, C. P. Kannaya Naidu Street, Rasipuram, Salem district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 16-1-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Shri M. G. Rengaraju, 11, Police Line St., Rasipuram.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Ganesan, 6, Nagendrarayar Street, Rasipuram.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

Madras-6, the 16th January 1976

Ref. No. XVI/17/106/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-C situated at C. P. Kannaya Naidu Street, Rasipuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rasipuram (Doc. No. 737/75) on May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th undivided share in land measuring 32834 sq. ft. with building thereon at door No. 22-C, C. P. Kannaya Naidu Street, Rasipuram, Salem district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 16-1-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri M. G. Rengaraju, 11, Police Line St., Rasipuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)2) Shri S. V. Balasubramanian, 54, Sourashtra Street,  
Rasipuram.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras 6, the 16th January 1976

Ref. No. XVI/17/105/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22-C situated at C. P. Kannaya Naidu Street, Rasipuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rasipuram (Doc. No. 738/75) on May, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th undivided share in land measuring 32834 sq. ft. with building thereon at door No. 22-C, C. P. Kannaya Naidu Street, Rasipuram, Salem district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 16-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri M G Rengaraju, 11, Police Line St, Rasipuram

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 16th January 1976

Ref No XVI/17/104/75-76—Whereas, I, G RAMANATHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 22 C situated at C. P Kannaya Naidu Street, Rasipuram, Salem Dt, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rasipuram (Doc No. 739/75) on May, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th undivided share in land measuring 32834 sq. ft with building thereon at door No. 22-C, C. P. Kannaya Naidu Street, Rasipuram, Salem district

G RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range I, Madras-6.

Date : 16-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri M. G. Rengaraju, 11, Police Line St., Rasipuram.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras 6, the 16th January 1976

Ref. No. XVI/17/102/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-C situated at C. P. Kannaya Naidu Street, Rasipuram, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Rasipuram (Doc. No. 740/75) on May, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Shri S. V. Gajendiran, (minor) by guardian Shri S. Veerappa Chettiar, 54, Sourashtra Street, Rasipuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th undivided share in land measuring 32834 sq. ft. with building thereon at door No. 22-C, C. P. Kannaya Naidu Street, Rasipuram, Salem district.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date : 16-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) M/s. B. K. Kuppiah Chetty, B. K. Vijayakumar,  
& B. K. Suresh Babu, Miss B. K. Nagalakshmi &  
B. K. Ramadevi, Mottur, Ananganallur,

(Transferor)

(2) Shri Kanakasabai Gounder, Mottur, Ananganallur  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS 6

Madras-6, the 16th January 1976

Ref. No. XXI/4/73/75-76.—Whereas, I, R. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey Nos. 102/1 & 98, situated at Mottur village, Ananganallur, Gudiyatham (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudiyatham (Doc. No. 2161/75) on 31-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 1.85 acres in Survey Nos. 102/1 (60 cents) & 98 (1.25 acres) at Mottur village, Ananganallur, Gudiyatham.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 16-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. B. K. Kuppiah Chetty, B. K. Vijayakumar, B. K. Surendra Babu, B. K. Nagalakshmi & B. K. Ramadevi, 221, Sandapetlai, Gudiyatham.  
(Transferor)

(2) Shri P. Govindaraju Gounder, Mottur, Ananganallur.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

## INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 1.85 acres in Survey Nos. 102/2 (0.58 acres) and 98 (1.27 acres), Mottur village, Ananganallur, Gudiyatham.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25—436GI/75

Date : 16-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th January 1976

Ref. No. XXI/4/76/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,  
being the Competent Authority under section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. situated at Perumalpatti village  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Karivalamvandanallur on May 1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act  
1957 (27 of 1957).

(1) M/s. Perumal Raja, Ramaswamy Raja, Pillayar Raja,  
Kishnasayee Raja, Velayudha Raja, Maniya Raja,  
Jenardhanan & Balaraman, Rajapalayam.  
(Transferor)

(2) Shri Velu Thevar, son of Seeni Thevar, Perumalpatti.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter  
XXA of the 'said Act' shall have the  
same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half share in lands measuring 13 acres and 26 cents in  
Survey Nos. 298/1, 298/2, 299/2, 299/4 & 299/3 at Perumalpatti.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section  
(1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following per-  
sons, namely :—

Date : 17-1-1976  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th January 1976

Ref. No. XXII/4/75/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. ——situated at Perumalpatti village, Tenkasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kallvalanvandanalliu (Doc. No. 878/75) on May, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Perumal Raja, Shri Ramasamy Raja, Shri Pillayar Raja, Shri Krishnasayee Raja, Shri Velayudha Raja, Shri Maniya Raja, Shri Jenardhanan & Shri Balaraman Rajapalayam.

(Transferor)

(2) Shri Senthilvel Thevar, son of Shri Seeni Thevar, Perumalpatti.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

Half share in Lands measuring 13 acres and 26 cents in Survey Nos. 298/1, 298/2, 299/2, 299/3, 299/4 at Perumalpatti Tenkasi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

G. RAMANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 17-1-76

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri M. Murugesa Naicker, Shri M. Thiunavukkarasu, Shri M. Anandhan and Shri T. Govindasami, No. 1, First Link Street, C.I.T. Colony, Mylapore, Madras-4.  
(Transferor)

(2) Shri P. N. Thiagarajan, Shri P. N. Arumugham; and Shri P. N. Subramanian No. 33, Krishnan Koil St., Madras-1.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th January 1976

Ref. No. F. 2409/75-76.—Whereas, I G V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 5, Plot No 13-A, situated at Greams Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar (Document No 624/75) on 14-5-1975 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th undivided interest in the vacant land measuring 3 grounds and 450 Sq ft, together with the unfinished construction of the ground floor building bearing Plot No. 13-A, Greams Road, Madras (Old Survey No. 97; Survey No. 43/3 and R.S. No. 43/4; C.C. No. 2950) (Document No. 624/75—T. Nagar, S.R.O.)

G. V. JHABAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date 16-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Jameela Begum Mohamed Hussain, and Gulam Mohamed No. 3, Bishops Lane, Vepery, Madras-7.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) P. P. Mustafa, M. P. Purushothaman and Mrs. A. K. Aruna 2/144 Mount Road, Madras-6.  
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th January 1976

Ref. No. F. No. 1798/75-76.—Whereas, I G. V. Jhabakhi being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 2/144-A, situated at Mount Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.S.R. II, Madras (Doc. No. 4003/75) on May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building measuring 3720 Sq. ft. situated at No. 2/144-A, Mount Road, Madras-6. (R.S. No. 35/35—Part) (Ground Floor and I Floor) (Document No. 4003/75).

G. V. JHABAKHII,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-1-1976  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th January 1976

Ref. No. F. No. 1813/75-76.—Whereas, J. G. V. Jhabakhi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at No. 33, 1 Main Road, Gandhi Nagar, Adyar, Madras-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Madras (Doc. No. 3555/75) on 14-5-1975, at 5 Govt. Place North, Calcutta, on 9-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the Said Act to the following following persons, namely:—

- (1) Syed Abdul Razack Bukhari (represented by his General Power of Attorney Agent Syed Abdul Wahab Bukhari) No. 16-7297, Azampura, Hyderabad-4.
- (2) Shri Pammi Balaraman Smt. Pammi India, No. 5, Gold Smith Tank Lane, Washermanpet, Madras-21. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 6 grounds (with building) bearing Door No. 33, Plot No. 94, 1 Main Road, Gandhinagar, Adyar, Madras-20.

G. V. JHABAKHJI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-1-1976

Seal

## FORM ITNS

(1) Shri K. P. Famasami, S/o Shri K. R. Renga Boyar,  
D. No. 114, Thiichy Man Road, Singanallur  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th January 1976

Ref. No. F 2507/75-76.—Whereas, I G. V. Jhabakhi being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 251 & 252/1, situated at Uppilipalayam village (3.52 acres) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur (Document No. 562/75) on May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) M/s. Coimbatore Machine Tools (P) Ltd., 103, Avanashi Road, Peelamedu, Coimbatore 641 004 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3.52 acres and bearing S. Nos. 251 and 252/1 situated at Uppilipalayam village, Coimbatore Taluk

G. V. JHABAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-1-1976  
Seal .

## FORM ITNS

(1) Shri M. Senniappan Subbaroian alias Rajesh (Minor) & Murugesan (Minor) Minors represented by Shri M. Senniappan.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II, MADRAS-6.

Madras 6, the 16th January 1976

Ref No I 2514/75-76—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 247 to 250, situated at Brough Road, Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR I, Erode (Document No 1503/75) on 5-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri B. Anandhan Mohan (Minor) represented by mother & guardian Smt. Saraswathy Balu No 126, Thirunagar Colony, Erode  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half share in the land and building situated at Door Nos. 247 to 250 Brough Road, Erode.

G. V. JHABAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date 16-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri K. Rajaram Muralidaran (Minor) and Suresh Kumar (Minor) Minors represented by Shri K. Rajaram S/o Shri S. Kothandapani Pillai, Puranasinghapalayam, Villupuram Taluk.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6. the 16th January 1976

Ref. No. F. 3339/75-76.—Whereas, I. G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the imovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17, situated at Keez Anumar Koil St., Villupuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Reg'stering Officer at Villupuram (Doc. No. 579/75) on 28-5-1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

26—436GI/75

(2) Shri Chidambaram Chettiar, Shri Velliyan Chettiar, Shri Veerappa Chettiar and Shri Ramalinga Chettiar No. 17, Keez Anumar Koil St., Villupuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 17, Keez Anumar Koil Street, Villupuram (Ward No. 7).

G. V. JHABAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri R. Rengasami Naidu, S/o Shri Ramasami Naidu Pappanaickenpalayam, Coimbatore.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Karthikeya Foundry, Pappanaickenpalayam Coimbatore.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th January, 1976

Ref. No. F. 2495/75-76.—Whereas, I G. V. Jhabakh being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D. No. 4/449, situated at T. S. No. 10/2981/1A, Puliakulam Road, Pappanaickenpalayam, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at J.S.R. III, Coimbatore (Doc. No. 1979/75) on May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 9620 S.ft. (with building) situated at Door No. 4/449, Puliakulam Road, Pappanaickenpalayam, Coimbatore (T.S. No. 10/2981/1-A).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. V. JHABAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Dated : 12-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri A. Venkatarama Gounder; Shri C. V. Srinivasan and Shri C. V. Ayyasami, 12/20 Hansa Dayout, Mettupalayam Road, Coimbatore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th January, 1976

Ref. No. F. 2498/75-76.—Whereas, I, G. V. Jhabakh being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Old TS No. 7/17, situated at New T. S. No. 8/1360/5-C, Mettupalayam Road, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jt. S. R. III, Coimbatore (Doc. No. 2069/75) on 24-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3461 Sq. ft. (with building) bearing T. S. No. Old 7/17; New T. S. No. 8/1360/5-C situated at D. No. 12/274, Mettupalayam Road, Coimbatore (Doc. No. 2069/75).

G. V. JHABAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. Mrs. Sethubaskaran, W/o Dr. T. S. Bhaskaran,  
24. Perianna Gounder St., Erode  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Muthu Kumar (Minor) & Meenakshisundareswaran (Minor) by guardian and mother Mrs. Bhuvaneswari, W/o Shri V. K. Muthusami, Cutchery St., Erode. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th January, 1976

Ref. No. F. 2759/75-76.—Whereas, I G. V. Jhabakh being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing No. No. 24 A-1, situated at Perianna Gounder Street, Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Erode (Doc. No. 1804/75) on 22-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 10608 Sq. ft. (with building) bearing Door No. 24-A1, Perianna Gounder Street, Erode (Doc. No. 1804/75).

G. V. JHABAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 12-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Arunkumar Rangildas Raskapurwala and Smt. Mangalaben Rangildas Raskapurwala,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
SHRIMATI KGMP. AYURVED HOSPITAL BLDG.  
NETAJI SUBASH ROAD, BOMBAY-2

Bombay-2, the 13th January 1976

Ref. No. AR-II/2035/3780/75-76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 93 of T.P.S. III, CTS Nos. 1296 & 1296/1-2 situated at Vile Parle (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 31-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely—

(2) M/s. Rachna Builders Private Limited.  
(Transferee)

(3) Shri Rasiklal A. Thakkar & M/s. Mehta Stores.  
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 93 of Vile Parle T.P.S. III property at Vallabhai Patel Road, Vile Parle West, Area 993 sq. yds. i.e. 830.25 sq. metres bearing C.T.S. No. 1296 and 1296/1 & 2.

M. J. MATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Babu Singh S/o Shri Prithi Singh S/o Shri Hira Singh and Shri Mehar Singh S/o Shri Prithi Singh through Shri Babu Ram, Kot Kapura.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurmukh Singh S/o Shri Chanda Singh S/o Shri Kirpal Singh R/o V. Ghanyanwala.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.  
[Person in occupation of the property].

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Amritsar, the 16th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. FDK/237/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Mohalla Hira Nagar, Kot Kapura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in May on 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House in Mohalla Hira Nagar, Kot Kapura as mentioned in the Registered Deed No. 312 of May, 1975 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Shri Jaksani Laxman Rao,  
 (2) Shri J. Purushotham,  
 (3) Shri J. Srinivasulu.  
 (4) Shri J. Krishnamurthy,  
 (5) Shri J. Venkateshwar Rao.  
 All are residing at H. No. 297 at Maredpally,  
 Secunderabad.  
 (Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1976

Ref. No. RAC. No. 218/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-746 to 748 and 27-1-75—B/1 situated at Market Street, Secunderabad,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 6-5-1975  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(2) (1) Sri Mohd Iqbal.  
 (2) Shri Mohd Ayub.  
 (3) Shri Mohd. Osman.  
 (4) Shri Mohd. Ghouse.  
 All are residing at H. No. 7-2-375 at Ashoknagar,  
 Secunderabad.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Building bearing Nos. 7—1—746 to 748 and 27—1—75/B/1 at Market Street, Secunderabad.  
 Area : 295.1 sq. yds.

K. S. VENKATARAMAN  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati A. L. Annapurni, W/o Shri V. S. S. Mani.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9.

Bhubaneswar-9, the 16th January 1976

Ref. No. 21/75-76/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, G. B. Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 435/C situated at Mouza Tulashipur (Cuttack) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dist. Sub-Registrar, Cuttack on 16-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) (1) Shrimati Annapurna Mohanty, (2) Smt. Priyambara Mohanty, D/o Bhagabat Charan Mohanty.  
(Transferee)

(3) (1) Suresh Sathe, (2) Manager, Bank of Baroda.  
(Tenants)  
[Person in occupation of the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storeyed building located in Ward No. 1 bearing holding No. 435/C at Mouza—Tulashipur under the jurisdiction of Dist. Sub-Registrar, Cuttack and registered by Sale document No. 4927 dated 16-8-75.

G. B. CHAND,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Bhubaneswar.

Date : 16-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Uttam Chand s/o Late Lala Padam Chand,  
2, Shri Pratap Chand s/o Late Lala Padam Chand,  
R/o 21/12, Freeganj, Agra.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th January 1976

Ref. No. 312/Acq/Agra/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Agra on 24-5-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

27—436GI/75

(2) 7, Smt. Gomati Kunwar W/o Sri Mangi Chand, 6/312, Belanganj, Agra. 2, Smt. Man Kunwar W/o Sri Jawahar Lal, 6/312, Belanganj, Agra.  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. 21/31, Freeganj, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,750/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Kanpur.

Date : 17-1-1976

Seal :

## FORM ITNS ——

(1) Shri Jagdish Chander Sachdeva s/o Shri Dayal Dass Sachdeva r/o A-2/20, Model Town, Delhi.  
(Transferor)

(2) M/s P. I. Dawar & Sons, 160, Katia Nawab, Chandni Chowk, Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ATT ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2002/1018/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-2/20 (Block A-2 Plot 20) situated at Model Town Delhi (and more

at Delhi in May 1975

fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi in May 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A single storeyed house constructed on a three side open free-hold plot of land measuring 464.4 sq. yds. bearing No. plot No. 20 in Block A-2 situated at Model Town, Delhi and bounded as under :—

North : Property No. A-2/20A  
South : Property No. A-2/19  
East : Princes Road  
West : Property No. A-2/23-A

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 15-1-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Shyamji Mohan, advocate, s/o Shri Girdhari Lal 1/o 1756, Sushila Mohan Marg, Nai Basti, Nahar Sadat Khan, Delhi-6  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 15th January 1976

Ref. No. IAC/Acq II/2029/1017/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1756 situated at Nahar Sadat Khan, Sushila Mohan Marg, Delhi-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely:—

(2) Shri Surendra Mohan Hans alias Shri Jag Nandan Lal s/o Shri Rattan Lal Hans 1/o 1756, Sushila Mohan Marg, Nai Basti, Nahar Sadat Khan, Delhi-6  
(Transferee)

(3) S/s 1. Mangal Sen, 2. M. L. Jain, 3. Daulat Ram Bhatt, 4. Ravinder Nath, 5. P. K. Jain 1/o 1756, Sushila Mohan Marg, Nai Basti, Delhi-6.  
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2/3rd undivided share with common court-yard of freehold two storied house constructed on a plot of land measuring 240 sq. yds situated at 1756, Sushila Mohan Marg, Nahar Sadat Khan, Nai Basti, Delhi-6 and bounded as under—

North : Property of others  
East : Property No. 1755  
South : House of Sh. Kanti Prasad  
West : Municipal School.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 15-1-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Subhadraaben Ramanlal Shah,  
C/o Ramesh Park Co-op. Housing Society Ltd.,  
Block No. 8, Gandhinagar Road,  
Usmanpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Kachralal Shivram Patel,  
Bungalow 8,  
Ramesh Park Co-op. Housing Society,  
Usmanpura, Ahmedabad-13.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th January 1976

Ref. No. Acq. 23-I-614(257)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 29, T.P.S. No. 3, F.P. No. 46-50-8 situated at Usmanpura, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A three-storeyed building standing on land admeasuring 217-09 sq. yds. bearing Survey No. 29, T.P.S. No. 3, Final Plot No. 46, 50/8 and situated at Ramesh Park Co-op. Housing Society Ltd., Usmanpura, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 17-1-1976

Seal :

## FORM ITNS.—

(1) Smt. Sugra D/o Shubrati, R/o Khan Alampura  
Distt. Saharanpur.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Erfan Ahmad S/o Mohd. Umar, R/o Sarai  
Shabji Distt. Saharanpur.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th January 1976

Ref. No. 785-A/Acq/Saharanpur/75-76/2377.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 11-7-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of one plot measuring 2571 sq. yds. situated at Khanalampura, Dist. Saharanpur, Transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range  
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 8-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR

Dharwar, the 14th January 1976

No. 96/75-76/ACQ.—Whereas, J. P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural Lands situated at Cotarly within the jurisdiction of the Curdi Gram-Panchayat (Goa) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanguem under Document No. 51 on 21-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated, in the said instrument of transfer with the object of :—

- v) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- “) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Prakash Timblo, alias Prakash Camotim Timblo,  
(2) Smt. Lata Timblo, alias Deepa Timblo (3) Shri Satish Timblo, alias Satish Camotim Timblo, (4) Smt. Meena Satish Timblo, alias Radha Satish Timblo, residents of Margao. All represented by their Constituted Attorney mentioned at (1) above.  
(Transferor)

(2) M/s Timblo Agro Development Private Limited, Margao, represented by its Director Shri Gurdas Timblo, alias Gurudas Camotim Timblo, Margao (Goa)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 121 hectares and 1,937 square metres or 12,11,937, square metres, situated at Cotarly within the jurisdiction of the Gram Panchayat of Curdi Taluka and sub-district of Sanguem, district Goa, the details of which are as per document No. 51, registered with the sub-registrar, Sanguem on 21-5-1975.

P. SATYANARAYANA RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Dharwar.

Date : 14-1-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Trillian Swer W/o Shri A. Borgohain, Lukwah  
T.E. Dt. Sibeagarh.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Dorothy Sakey, W/o Shri A. C. Sakay,  
Methoni T.F. P.O. Bokakhat.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 16th January 1976

Ref. No. A-121/Shg/75-76/4038-46.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Document No. 286 situated at Pynthorumkrah, Shillong (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shillong on 15-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 29,410 Sq. ft. covered by document No. 286 dated Sept. 75 situated at Pynthorumkrah, Shillong, Dt. K. & J. Hills, (Meghalaya State).

EGBERT SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Shillong.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-1-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 14th January 1976

Ref. No. AP-1418.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Link Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

(1) Shri Diwan Karta Krishan s/o Sh. Diwan Chand, Kathi No. 1, Link Road Model Town—Nakodar Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Krishan Kumar Kapur s/o Sh. Kewal Krishan Kapur H. No. NK 272, Charanjitpura, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 1536 of S.R. Jullundur of 5/75.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 14-1-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Paramjit Singh s/o Sh. Mohinder Singh, C/o Amin Chand, Koti No. 335, Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Sucha Singh s/o Kesar Singh c/o Sh. Amin Chand, 335, Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th January 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1419.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Jullundur in May 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. Deeds No. 1949, 2015 and 1893 of May, 1975 of Sub-Registrar, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

28—436GI/75

Date : 17-1-1976,  
Seal ;

## FORM ITNS

(1) Shri Damra Mohanarao  
S/o Varahalu,  
Kakinada.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Merla Surya Prabhakararao,  
S/o M. Krishnamurthy,  
Kakinada.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 15th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 283/J. No. EG/21/75-76.—  
Whereas, I, B. V. SUBBARAO,  
being the Competent Authority  
under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey Nos 99, 303-10, 305-3, 305-5, 315-6, 315-7, 315-10, 315-14, 320-3, 320-4, 320-8 & 320-23 (I and Ac. 14-16, situated at Atchutapuratiyam  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 15-4-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 2158 of the S. R. O., Kakinada registered during the fortnight ended 15-4-75.

B. V. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kakinada

Date: 15-12-1975  
Seal:

## FORM ITNS

(1) 1 Sri Chukkapalli Seshagiri Rao and  
2 Chukkapalli Nageswarao

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGI,  
KAKINADA

Kakinada, the 15th December 1975

Ref No Acq File No 284/J Nos 6&7/KR/75 76—  
 Whereas I, B V SUBBARAO,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
 and bearing  
 26-13-4/2 situated at Gandhinagar Vijayawada  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer  
 Vijayawada on 15-4-1975  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act in  
 respect of any income arising from the transfer; and/  
 or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax  
 Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
 persons, namely :—

(2) Shri Chukkapalli Pichayya,  
 Managing Partner M/s Popular Shoe Mart,  
 Vijayawada

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons, whichever  
 period expires later,

(b) by any other person interested in the said  
 immovable property, within 45 days from the  
 date of the publication of this notice in the  
 Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document Nos 1162/75 and  
 1163/75 of the S R O, Vijayawada registered before the  
 S R O, Vijayawada during the fortnight ended on  
 15-4-1975

B. V. SUBBARAO,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Kakinada

Date 15-12-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri T. K. Krishnan,  
Old No. 16/265, New No. 23-1-84  
K. V. R. Swamy Road,  
Rajahmundry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 23rd December 1975

Ref. No. Acq. File No. 286/J. Nos. 1(1&3 7)/EG/75-76.—  
Whereas, I, B. V. SUBBARAO,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value ex-  
ceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
23-1-84 situated at 16th Ward Rajahmundry  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Rajahmundry on 30-4-75 & 15-5-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Inamala Lalithamma,  
W/o I. Somaraju,  
Door No. 23-1-84, 16th Ward,  
K.V.R. Swamy Road,  
Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document Nos. 1455/75  
and 1874/75 of the S. R. O., Rajahmundry registered  
during the fortnight ended on 30-4-75 and 31-5-75 respec-  
tively.

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the said  
Act, in respect of any income arising from the  
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 23-12-1975  
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mandavilli Jagannaikulu,  
Visakhapatnam.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 22nd December 1975

Ref. No. Acq. File No. 289/J. Nos. I(4&5)/75-76.—  
 Whereas, I, B. V. SUBBARAO,  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
 referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
 that the immovable property, having a fair market value  
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. 16-6-3 situated at Official colony Visakhapatnam  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908  
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
 Visakhapatnam on 15-4-75  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and  
 that the consideration for such transfer as agreed to between  
 the parties has not been truly stated in the said instrument  
 of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (2) 1. Miss Puvvada Kasturi Bai D/o Venkateswararao  
 2. Miss Puvvada Venkatalakshmi D/o  
 Venkateswararao, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1614/75 of the S.R.O., Visakhapatnam registered during the fortnight ended on 15-4-1975.

B. V. SUBBARAO,  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Kakinada

Date: 22-12-75

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Shri Chekuri Venkata Krishnam Raju and  
2. Chekuri Satyanarayana Raju S/o Ch. Ramalingaraju, Katrenikona Village Mummidivaram Taluk.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
KAKINADA

Kakinada, the 18th December 1975

Ref. No. Acq. File No. 290/J, No. 3(E)/EG/75-76.—  
Whereas, I, B. V. SUBBARAO,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. Nos. 35/12, 36 and 209/12 Total land Ac. 13-58 cents, at Inapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mummidivaram on 30-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) 1. Dantuluri Atchutaramaraju S/o Jagannadharaju  
2. Sri Dantuluri Jagannadharaju S/o Atchutaramaraju  
3. Sri Dantuluri Gajapati Varma S/o Atchutaramaraju  
4. Sri D. V. V. Satyanarayana Raju S/o Atchutaramaraju  
5. Sri D. V. Subbaraju S/o Atchutaramaraju  
6. Sri D. V. Suryanarayana Raju S/o Atchutaramaraju, Inapuram, Mummidivaram Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 809/75 of the S.R.O., Mummidivaram registered during the fortnight ended on 30-4-1975.

B. V. SUBBARAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 18-12-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Har Gopal Gupta s/o Shri Nirmaldas Gupta,  
100 Vaora Compound, Indore.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th January 1976

Ref. No. TAC/ACQ/PPL/75-76.—Whereas, I. V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Factory Building constructed on Plot No. 33 B/A situated in Laxmi Bai Nagar, Indore, situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 19-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. Delhi Auto Lamps Pvt. Ltd.  
Head Office : Tukoganj Main Road, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory building constructed on Plot No. 33 B/A situated in Laxmi Bai Nagar, Indore.

Workshop Shed (finished) 2100 sq. ft. Godown (finished) 1500 sq. ft. Office Building double storied 350 sq. ft. and unfinished workshop shed building up to lintel level 5075 sq. ft. and the lease hold land measuring 11800 sq. ft.

V. K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 12-1-1976.

Seal :

